रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार | 06 जनवरी 2025 | वर्ष : 03 अंक : 06 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

अजमेर दरगाह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से चादर चढ़ाई गई

एजेंसी

नई दिल्ली: अजमेर दरगाह में जारी उर्स के दौरान रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से सूफी संत मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर चादर चढ़ाई गई। दरगाह कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष मुनव्वर खान ने सिंह की ओर से चादर पेश की ।उन्होंने सिंह द्वारा भेजा गया संदेश भी पढ़ा। संदेश में सिंह ने कहा कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती ने भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उर्स में सभी धर्मों और सम्प्रदायों के लोग श्रद्धा की भावना के साथ शामिल होते हैं ।संदेश में सिंह ने कहा कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती ने भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उर्स में सभी धर्मों और सम्प्रदायों के लोग श्रद्धा की भावना के साथ शामिल होते हैं ।दरगाह कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष मुनव्वर खान ने सिंह की ओर से चादर पेश की ।उन्होंने सिंह द्वारा भेजा गया संदेश भी पढ़ा। संदेश में सिंह ने कहा कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती ने भाईचारे का संदेश दिया।

आप-दा नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे... भाजपा की परिवर्तन रैली में पीएम मोदी का आप पर बड़ा हमला

आम आदमी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए पीएम ने कहा, 'बीते 10 साल में दिल्ली ने जिस तरह की राज्य सरकार देखी है, वो किसी 'आप-दा' से कम नहीं है। यह एहसास आज दिल्ली वालों को अच्छे से हो चुका है। इसलिए अब दिल्ली में एक ही आवाज गूंज रही है-

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली के रोहिणी में भाजपा परिवर्तन रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर अपना 'आप-दा' आरोप दोहराया। इसी के साथ पीएम मोदी ने दिल्ली सरकार पर पिछले 10 सालों में राष्ट्रीय राजधानी के विकास को पटरी से उतारने का भी आरोप लगाया ।पीएम ने दिल्ली की जनता से आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को मौका देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'मैं दिल्लीवासियों से एक विशेष अनुरोध करना चाहता हूं। दिल्ली और आपके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मैं आपसे अनुरोध करने आया हूं कि आप भाजपा को एक अवसर प्रदान करें। सिर्फ बीजेपी दिल्ली का विकास कर सकती है।'आम आदमी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए पीएम ने कहा, 'बीते 10 साल में दिल्ली ने जिस तरह की राज्य सरकार देखी है, वो किसी 'आप-दा' से कम नहीं है। यह एहसास आज दिल्ली वालों को अच्छे से हो चुका है।

इसलिए अब दिल्ली में एक ही आवाज गूंज रही है- आप-दा नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे।'पीएम मोदी ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि दिल्ली विधानसभा में भी कमल खिलने वाला है। ये भाजपा ही है, जो दिल्ली को, दुनिया की बेहतरीन राजधानी का गौरव दिला सकती है।' उन्होंने आगे कहा कि जिस आप-दा सरकार के पास दिल्ली के लिए कोई विजन न हो, जिसे दिल्ली की परवाह न हो, वह दिल्ली का विकास नहीं कर सकती है। दिल्ली को आधुनिक बनाने के लिए जितने भी काम हैं वो केंद्र की भाजपा सरकार ही कर रही है ।अपनी पार्टी की उपलब्धियां गिनवाते हुए पीएम ने कहा, 'जैसे दिल्ली मेट्रो चप्पे-चप्पे तक पहुंची, तो ये काम भाजपा की केंद्र सरकार ने किया है। बीते एक दशक में दिल्ली-एनसीआर में मेटो नेटवर्क दोगुने से भी अधिक हो चुके हैं। आज जनकपुरी और कृष्णा पार्क के लिए भी मेट्रो शुरू हो चुकी है। ये जो नमो रेल प्रोजेक्ट है ये भी केंद्र सरकार बना रही है।'शीशमहल विवाद को उठाते हुए, पीएम मोदी ने कहा, 'दिल्ली पर आप-दा लाने वाले ये झूठा आरोप लगाते हैं कि केंद्र सरकार उन्हें काम नहीं करने देती...केंद्र सरकार उन्हें पैसे नहीं देती। ये कितने बड़े झूठे हैं। इसका उदाहरण इनका शीशमहल है। आज ही एक बड़े अखबार ने उअऋरिपोर्ट के आधार पर शीश महल पर हुए खर्च का खुलासा किया है।'पीएम ने आगे कहा, 'जब दिल्ली के लोग कोरोनो से जूझ रहे थे, जब दिल्ली के लोग ऑक्सीजन और दवाओं के लिए भटक रहे थे. तब इन लोगों का पूरा फोकस अपना शीश महल बनवाने पर था। इन्होंने शीश महल का भारी भरकम बजट बनाया। यही इनकी सच्चाई है। इन्हें दिल्ली के लोगों का कोई परवाह नहीं है। इसलिए आज हर दिल्लीवासी कह रहे हैं, आप-दा नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे।'अंत में पीएम ने कहा कि आप-दा वालों के काम का कोई हिसाब नहीं है,

सीएम नीतीश ने की राजद की आलोचना, कहा- गलती से किया था गठबंधन

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी लालू प्रसाद के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने विपक्षी दल के साथ गलती से गठबंधन किया था। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) प्रमुख कुमार की इस टिप्पणी से पहले पूर्व मुख्यमंत्री प्रसाद ने दावा किया था कि राजद ने पूर्व सहयोगी के लिए अपने दरवाजे खुले रखे हैं, जो फिलहाल भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में हैं ।राज्यव्यापी प्रगति यात्रा के तहत उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में पत्रकारों से बात करते हुए कुमार ने कहा, 'जो लोग हमसे पहले सत्ता में थे... क्या उन्होंने कुछ किया? लोग सूर्यास्त के बाद अपने घरों से बाहर निकलने से डरते थे। मैं गलती से कुछ बार उनके साथ जुड़ गया था।' उन्होंने कहा, 'उस समय महिलाओं की स्थिति क्या थी? आज आप इन स्वयं सहायता समूहों को देख सकते हैं। क्या आपने पहले ऐसी आत्मविश्वासी ग्रामीण महिलाएं देखी थीं?' हालांकि, कुमार ने प्रसाद के 'प्रस्ताव' के बारे में सवाल का जवाब नहीं दिया ।बिहार में सालभर के अंदर होने वाले विधानसभा चुनाव में राजग के मुख्यमंत्री पद के चेहरे के बारे में पूछे गए सवाल पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गोलमोल जवाब देने के संदर्भ में प्रसाद ने कुमार के लिए दरवाजे खुले होने वाला बयान दिया था। राज्य भाजपा के नेता अपनी ओर से कहते रहे हैं कि 2025 के विधानसभा चुनाव में कुमार राजग का ह्यचेहराह्न होंगे। लोकसभा चुनाव में बहुमत से दूर रही भाजपा केंद्र में सत्ता में बने रहने के लिए जदयू और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) जैसे गठबंधन सहयोगियों पर निर्भर है।

जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा देश: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ। पांच जनवरी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि पूरा देश जनजातीय संरक्षण के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने जनजातीय युवा संवाद कार्यक्रम-2025 के तहत रविवार को अपने सरकारी आवास पर ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश के युवाओं से संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने अपनी बातें रखीं और अपने राज्य की सांस्कृतिक झलक भी प्रस्तुत की ।एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए देश पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। इसके लिए अनेक कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने 15 नवंबर की तिथि को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय दिवस) के रूप में घोषित की ।योगी ने कहा कि स्वतंत्र भारत में पहली बार राष्ट्रपति पद पर जनजातीय महिला (द्रौपदी मुर्मू) भारत के गौरव को नयी ऊंचाई तक पहुंचाने में योगदान दे रही हैं।

अंतरिक्ष में हुआ जीवन का अंकुरण: सूक्ष्म-गुरुत्वाकर्षण स्थिति में बीज अंकुरित हुए-इसरो

एजेंसी

नई दिल्ली:इसरो ने शनिवार को कहा कि ह्यपीएसएलवी-सी60 पीओईएम-4 प्लेटफॉर्मह्न पर अंतरिक्ष में भेजे गए लोबिया के बीज मिशन के प्रक्षेपण के चार दिन के भीतर सूक्ष्म-गुरुत्वाकर्षण परिस्थितियों में अंकुरित हो गए हैं। अंतरिक्ष एजेंसी ने सूक्ष्म-गुरुत्वाकर्षण स्थितियों में पौधों के विकास का अध्ययन करने के लिए विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के कक्षीय पादप अध्ययन (सीआरओपीएस) प्रयोग के लिए ह्यकॉम्पैक्ट रिसर्च मॉड्यूल के हिस्से के रूप में लोबिया के आठ बीज भेजे।भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) नेएक्स पर

एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यअंतरिक्ष में हुआ जीवन का अंकुरण! ह्यपीएसएलवी-सी60 पीओईएम-4ह्न के माध्यम से वीएसएससी के सीआरओपीएस प्रयोग में 4 दिन में लोबिया के बीज सफलतापूर्वक अंकुरित हुए। जल्द ही पत्तियां निकलने की उम्मीद है ।पीएसएलवी-सी60 मिशन ने 30 दिसंबर की रात दो स्पेडेक्स उपग्रहों को कक्षा में स्थापित किया था। ह्यपीओईएम-4ह्न प्लेटफॉर्म को ले जाने वाले रॉकेट का चौथा चरण मंगलवार से 350 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है और इस दौरान कक्षा में 24 प्रयोग किए जा रहे हैं ।ह्यपीएसएलवी-सी60 पीओईएम-4ह्न के माध्यम से वीएसएससी के सीआरओपीएस प्रयोग में 4 दिन में लोबिया के बीज सफलतापूर्वक अंकुरित हुए। जल्द ही पत्तियां निकलने की उम्मीद

गुजरात के पोरबंदर में तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, तीन लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली: गुजरात के पोरबंदर के बाहरी इलाके में स्थित हवाई अड्डे पर रविवार दोपहर उतरने के दौरान भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई जिससे चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी ।पोरबंदर के पुलिस अधीक्षक भागीरथसिंह जडेजा ने बताया कि यह घटना दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर हुई जब आईसीजी का ह्यएडवांस्ड

लाइट हेलीकॉप्टरह्न (एएलएच) नियमित उड़ान से लौट रहा था। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे के रनवे पर उतरने की कोशिश करते समय हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसमें आग लग गई। बाद में दमकल की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। जडेजा ने बताया कि चालक दल के तीनों सदस्यों को हेलीकॉप्टर से गंभीर हालत में बाहर निकाला गया और पोरबंदर के एक अस्पताल ले जाया गया। कमला बाग पुलिस थाने के निरीक्षक राजेश कनमिया ने बताया, ह्यह्य उनमें से दो को मृत घोषित कर दिया गया जबकि एक ने अस्पताल लाए जाने के बाद दम तोड़ दिया।

किशोरी लाल शर्मा ने कुमार विश्वास पर तंज कसा, कहा- उन्हें किसी के निजी जीवन में दखल देने का कोई अधिकार नहीं

एजेंसी

अमेठी। कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा ने रविवार को कवि कुमार विश्वास पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें किसी की निजी जिंदगी में दखल देने का अधिकार नहीं है। विश्वास ने बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और अभिनेत्री करीना कपूर के बेटे का नाम तैमूर रखे जाने पर हाल में एक विवादित बयान दिया था। उन्होंने इससे पहले तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा के आवास का नाम रामायण होने को लेकर भी एक विवादित टिप्पणी की थी ।शर्मा ने कुमार

विश्वास के इन विवादित बयानों के बारे में पूछे जाने पर यहां पत्रकारों से कहा कि वह बड़े कवि हैं और उन्हें किसी की निजी जिंदगी में दखल नहीं देना चाहिए। अमेठी से लोकसभा सदस्य शर्मा ने कहा, ऐसे बयान से उनका (कुमार विश्वास का) कद घटता है, इस तरह की का प्रयोग उन्हें नहीं करना चाहिए। मैं इस बात का समर्थन नहीं करता हूं। उन्होंने पहले भी इस तरह के बयान राजस्थान में दिये थे तो उनके साथ क्या हुआ, वही जानते हैं ।शर्मा ने कहा, जब उनकी (कुमार विश्वास की) कोई मंशा होती है तो वह ऐसे बयान देते हैं...। उन्होंने कहा, ह्यह्यकांग्रेस ने कभी भी सेवा में राजनीति नहीं की। सेवा, कांग्रेस की परम्परा रही है, अमेठी और रायबरेली में सेवा की परंपरा गांधी परिवार की प्रेरणा से जारी है।

बंगाल में ज़िद और जुनून का प्रतीक हैं ममता बनर्जी, ऐसे बनीं बंगाल की पहली महिला सीएम

एजेंसी

पश्चिम बंगाल : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी आज 05 जनवरी को अपना 70वां जन्मदिन मना रही हैं। वह लगातार तीन बार पश्चिम बंगाल की सीएम रह चुकी हैं। उनका सियासी सफर कांग्रेस पार्टी के साथ शुरू हुआ था। वह पश्चिम बंगाल की पहली महिला मुख्यमंत्री हैं। ममता बनर्जी ने राजनीति में वो कर दिखाया, जो इतिहास के पन्ने में दर्ज हो गया। उन्होंने 34 साल से बंगाल की सत्ता पर काबिज लेफ्ट को उन्होंने साल 2011 में उखाड़ फेंका और तब से अभी तक वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री हैं। सियासत से लेकर आम लोगों के लिए ममता बनर्जी 'दीदी' हैं। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर बंगाल की पहली महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

कोलकाता में 05 जनवरी 1955 को एक गरीब परिवार में ममता बनर्जी का जन्म हुआ था। हालांकि तब भला किसको पता था कि गरीब परिवार में जन्मी यह बच्ची एक दिन इतिहास रचेगी। लेकिन इन सब के लिए ममता बनर्जी को काफी संघर्ष करना पड़ा और बहुत तकलीफें झेलनी पड़ीं। उनकी अब तक की यात्रा बिलकुल भी आसान नहीं थी।

प्रशांत किशोर के आमरण अनशन का चौथा दिन, जन सुराज पार्टी प्रमुख ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव से समर्थन मांगा

एजेंसी

पटना:टना। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर अनशन पर बैठे जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से समर्थन मांगा। आमरण अनशन के चौथे दिन किशोर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि वह इन नेताओं का अनुसरण करने के लिए तैयार हैं और अगर वे (दोनों नेता) उनकी (किशोर की) मौजूदगी के खिलाफ हैं, तो वह अनशन वापस लेने को तैयार हैं ।किशोर ने कहा,मैं लोगों को बता देना चाहता हूं कि यह आंदोलन गैर-राजनीतिक है और मेरी पार्टी के बैनर तले नहीं किया जा रहा है। कल रात युवाओं ने युवा सत्याग्रह समिति (वाईएसएस) नाम से 51 सदस्यीय मंच गठित किया है जो इस

आंदोलन को आगे बढ़ाएगा और प्रशांत किशोर इसका सिर्फ एक हिस्सा है ।ह्नह्न उन्होंने कहा,समर्थन देने के लिए सभी का स्वागत है, चाहे वह राहुल गांधी हों जिनके पास 100 सांसद हैं या तेजस्वी यादव जिनके पास 70 से ज्यादा विधायक हैं ।उन्होंने कहा, ये नेता हमसे कहीं बड़े हैं। वे गांधी मैदान में पांच लाख लोगों को इकट्ठा कर सकते हैं। ऐसा करने का यही सही समय है। युवाओं का भविष्य दांव पर है। हम एक क्रूर शासन झेल रहे हैं, जो महज तीन साल में 87 बार लाठीचार्ज का आदेश दे चुका है ।पूर्व चुनाव रणनीतिकार ने कहा, ह्यह्यनवगठित वाईएसएस के 51 सदस्यों में से 42 ने कल रात इस अंदोलन को जारी रखने का फैसला किया। वाईएसएस के सभी सदस्य अलग-अलग राजनीतिक संगठनों का हिस्सा हैं। लेकिन वे सभी युवाओं और छात्रों के हित के वास्ते आंदोलन के लिए एकजुट हो गए है। उन्होंने कहा, वाईएसएस पूरी तरह से एक गैर-राजनीतिक मंच है। मैं यहां केवल उनका समर्थन करने के लिए हूं... और यह आमरण अनशन जारी रहेगा। पटना में 29 दिसंबर को राज्य पुलिस का प्रदर्शन कर रहे बीपीएससी अभ्यर्थियों पर पानी की बौछारें करना और लाठीचार्ज करना, लोकतंत्र की हत्या थी ।किशोर ने कहा, ह्यह्यमुझे नहीं लगता कि किसी भाजपा नेता में उस सरकार के खिलाफ बोलने की हिम्मत होगी, जिसका वह हिस्सा है, लेकिन अगर उनमें से कोई भी अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर समर्थन के लिए आता है तो उसका स्वागत किया जाएगा।

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन से पहले हर जिले में होगी संयुक्त प्रेस वार्ता

मोदी और नीतीश सरकार की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाएंगे: दानिश इकबाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- भाजपा कार्यालय में हुई बैठक में मीडिया समन्वय पर चर्चा: दानिश इकबाल
- एनडीए की रणनीति,मीडिया संवाद को प्रभावी बनाने पर फोकस: दानिश इकबाल
- संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग से जनता तक पहुंचाएंगे एनडीए का संदेश: दानिश इकबाल

दिनांकः 5 जनवरी, 2025स्थानः भाजपा प्रदेश कार्यालय, पटनाएनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान नियमित होगी संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग
आज एनडीए में शामिल सभी पांच दलों के मीडिया प्रभारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में भाजपा, जदयू, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा, राष्ट्रीय लोक मोर्चा, और ोजपा (रामविलास) के मीडिया प्रभारियों ने हिस्सा लिया। बैठक का उद्देश्य 15 जनवरी से शुरू हो रहे जिलावार कार्यकर्ता सम्मेलनों के दौरान बेहतर समन्वय स्थापित करना और मीडिया से संवाद की रणनीति तैयार करना था। बैठक के बाद भाजपा के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने मीडिया को जानकारी दी कि यह निर्णय लिया गया है कि सभी जिलावार कार्यकर्ता सम्मेलनों के दौरान एनडीए की नियमित संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग आयोजित की जाएगी।इन प्रेस वाताओं में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और बिहार की नीतीश कुमार सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों की चर्चा की जाएगी और बैठक के विषयों को मीडिया के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।
दानिश इकबाल ने बताया कि प्रेस ब्रीफिंग जिलावार सम्मेलनों से पहले आयोजित की जाएगी ताकि मीडिया को एनडीए के एजेंडे और सम्मेलनों के उद्देश्य की जानकारी सटीक और स्पष्ट रूप से मिल सके।बैठक में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभु, भाजपा के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल, जदयू के प्रवक्ता और पूर्व मंत्री नीरज कुमार, चंदन कुमार, अमित प्रकाश बबलू ,प्रभात कुमार मिलाकर,विनीत सिंह, श्याम सुंदर,राजेश रंजन, सुभाष चंद्रवंशी,सुरेंद्र विवेक एवं एनडीए के अन्य घटक दलों के मीडिया प्रभारियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान सभी दलों ने यह सुनिश्चित करने पर सहमति जताई कि मीडिया के साथ संवाद के दौरान समन्वय बना रहे और एनडीए का संदेश स्पष्ट रूप से जनता तक पहुंचे।
एनडीए के सभी दल कार्यकर्ता सम्मेलनों को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं,और यह पहल बिहार में विकास के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने में सहायक होगी।

कपूरी छात्रावास में माता सावित्री बाई फूले की जयंती मनाई गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । जननायक कपूरी ठाकुर अत्यंत पिछड़ा वर्ग छात्रावास सीतामढ़ी के सभागार में आधुनिक भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फूले की जयंती धूमधाम से मनाई गई। समारोह की अध्यक्षता बिनोद बिहारी मंडल, छात्रावास अधीक्षक ने किया। समारोह के मुख्य अतिथि रेखा कुमारी, बिहार विधान परिषद सदस्य ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि, जिस समय भारत में शूद्रों अतिशुद्रों और किसी भी समाज की महिलाओं को पढ़ने का अधिकार नहीं था।उस समय माता सावित्री बाई फूले ने अपने पति ज्योतिवा राव फूले से प्रेरित होकर महिला को पढ़ने के लिए महाराष्ट्र के पुणे में 1 जनवरी 1848 को पहला बालिका विद्यालय की स्थापना कर महिलाओं को शिक्षित किया।उन्होंने बाल भ्रूण हत्या प्रतिबंध गृह की स्थापना कर विधवा को सुरक्षा प्रदान किया।उन्होंने छात्रावास के छात्रों के लिए पुस्तकालय में 50 केबिन का अध्ययनशाला, प्रतियोगी पुस्तके और व्यामशाला का निर्माण अपने विधायक कोटे से पूरा करवाने का आश्वासन दिया। विशिष्ट अतिथि अदिति कुमारी, अध्यक्ष जिला परिषद ने कहा कि माता सावित्री बाई फूले आधुनिक भारत की प्रथम महिला शिक्षिका थी। जिन्होंने समाज में व्याप्त अंधविश्वास, पाखंड, कुरीतियां, छुआछूत, गैरबराबरी के खिलाफ सत्य शोधक समाज के माध्यम से जनजागरण का काम किया। जिसके फलस्वरूप आज भारत की महिलाएं गर्व से जी रही है। उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।
अर्चना राज, जिला परिषद सदस्य ने कहा कि जो देश एवं समाज अपने महापुरुषों के इतिहास एवम बलिदान को भूल जाता है, वह गुलाम हो जाता हैं । उन्होंने सभी लोगों से वैज्ञानिक सोच अपनाने की अपील की। समारोह को समाजसेवी बबलू मंडल, राजेंद्र चंद्रवंशी, रामदयाल प्रसाद, प्रदीप गुप्ता, सुनील मुखिया, शंभू पंडित, निक्कू मंडल ,नीरज कुमार ,मुन्ना ठाकुर, रवि साहनी, राजू कुमार, अरमान नट, जुबैर नट ,अनीश मंडल, दिनेश कॉपर, पांडव महतो, सुधीर चौरसिया, रवि शाह, राज कपूर ,सत्यजीत गुप्ता, बबलू शर्मा, सीताराम कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

चौकीदारी परेड में चौकीदारों को अपर थानाध्यक्ष ने चौकस रहने का दिया निर्देश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना परिसर में रविवार को चौकीदारी परेड का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता अपर थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने की। अपर थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि रविवार को चौकीदारी परेड में सभी चौकीदारो को अपने-अपने क्षेत्र में चौकस रहने का निर्देश दिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि सभी चौकीदारों को फरार वारंटी की गिरफ्तारी, ठंड को देखते हुए विशेष चौकसी, अवैध शराब सहित असामाजिक कार्यों पर पैनी नजर रखने को कहा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि चौकीदारों से क्षेत्र का हाल-चाल लिया गया और उनके रिपोर्ट पर कार्रवाई की जाएंगी। इस मौके पर चौकीदारी परेड़ में थाने क्षेत्र के सभी चौकीदार उपस्थित थे। वहीं लगातार बढ़ रहे ठंड के मौसम को देखते हुए उन्होंने कहा कि सभी चौकीदार अपने अपने क्षेत्र में सख्ती और चौकसी से गश्ती करेंगे। बैंक और बाजार क्षेत्र के आस पास भी नजर रखेंगे, कोताही बरतने वालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएंगी।

मुफ्त लगवाएं घर की छत पर सोलर प्लांट ! सरकार दे रही 78 हजार रुपए, 8 जनवरी तक करें आवेदन.

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबेर

Average Monthly (units)	Rooftop Solar Plant Capacity	Subsidy Support
0-150	1-2 kW	Rs 30,000 to Rs 60,000/-
150-300	2-3 kW	Rs 30,000 to Rs 60,000/-
>300	Above 3 kW	Rs 78,000/-

समस्तीपुर में पीएम सूर्य घर झ मुफ्त बिजली योजना (PM Surya Ghar Yojana) की शुरूआत की गयी है।इस योजना के तहत उपभोक्ता अपने घरों के छतों पर 3 केवी तक सोलर लगवाकर 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए सरकार सोलर सिस्टम की लागत पर 40 प्रतिशत तक की सब्सिडी या अधिकतम 78000 रुपए दे रही है। इस योजना में आवेदन के लिए बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड ने किसानों के विशेष आग्रह पर आवेदन की तारीख 8 जनवरी 2025 तक बढ़ा दी है।ताकि ज्यादा से ज्यादा किसान और उपभोक्ता इस योजना का लाभ उठा सकें।केंद्र सरकार इस योजना का उद्देश्य 1 करोड़ परिवारों को फ्री बिजली उपलब्ध कराना है। इस योजना से सरकार को बिजली खर्च पर हर साल 75,000 करोड़ रुपये की बचत की उम्मीद है। इस योजना का सबसे बड़ा फायदा है 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली। सरकार का मानना है कि सोलर पैनल से बिजली का बिल कम आएगा या फिर बिल आएगा ही नहीं।इस संबंध में एनबीपीडीसीएल के समस्तीपुर अंचल के विद्युत अधीक्षण अभियंता, सनत कुमार पाठक ने बताया कि उपभोक्ता इस योजना का लाभ उठाकर मुफ्त बिजली का फायदा ले सकते हैं। साथ ही किसान पीएम कुसुम योजना के तहत अपने खली पड़े जमीन में 1 मेगावॉट तक का सोलर पैनल लगाकर बिजली उत्पादन कर बिजली विभाग को बेचकर उससे लाखों रुपये की आमदनी भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस दोनों योजना में आवेदन के लिए अंतिम तिथि 8 जनवरी है। इच्छुक व्यक्ति इससे संबंधित अधिक जानकारी 7320924004 पर वाट्सएप के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत उपभोक्ता अपनी छतों पर 3 केवी तक सोलर लगवाकर 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त तथा 78000 रुपए तक की सब्सिडी प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना में आवेदन के लिए किसानों के विशेष आग्रह पर आवेदन की तारीख 8 जनवरी 2025 तक बढ़ा दी गई है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी की जयंती पर मशरक में कार्यक्रम आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के महाराणा प्रताप चौंक के पास वरिष्ठ भाजपा नेता कुमार रजनीश उर्फ झुन्ना पांडेय के आवास पर पूर्व उप मुख्य मंत्री स्वर्गीय सुशील कुमार मोदी की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। जयंती कार्यक्रम मंडल अध्यक्ष दुर्गेश कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गयी मौके पर भाजपा नेता कुमार रजनीश उर्फ झुन्ना पांडेय, मुन्ना पांडेय, पूर्व मंडल अध्यक्ष बीरबल प्रसाद कुशवाहा, अखिलेंद्र सिंह, रौशन कुमार समेत अन्य शामिल हुए। मंडल अध्यक्ष दुर्गेश कुमार गुप्ता ने बताया कि भाजपा के वरिष्ठ नेता व बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री स्व सुशील मोदी का बिहार में संगठन को मजबूत करने के अलावा राज्य में सुशासन की स्थापना में बड़ा योगदान रहा है। कुमार रजनीश उर्फ झुन्ना पांडेय ने कहा कि उनका व्यक्तित्व आज भी बिहार के हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्त्रोत है। बिहार के विकास और देश के प्रति उनके समर्पण को सदैव याद किया जाएगा।

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त संस्थान भारतीय राष्ट्रीय कौशल विकास योजना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी (बेगुसराय) ' दसवीं और 12वीं पास छात्रों के लिए सुनहरा अवसर, रामधारी सिंह दिनकर नर्सरी टीचर ट्रेनिंग सेंटर में नामांकन शुरू बखरी, बेगूसरायः शिक्षा क्षेत्र में अपना करियर बनाने के इच्छुक छात्र-छात्राओं के लिए रामधारी सिंह दिनकर नर्सरी टीचर ट्रेनिंग सेंटर, मोहनपुर बखरी में नर्सरी टीचर ट्रेनिंग के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। संस्थापक पुरुषोत्तम सिंह ने बताया कि 25 से 27 सत्र के लिए टीचर ट्रेनिंग का प्रारंभ हो चुका है।यह प्रशिक्षण प्रोग्राम विशेष रूप से उन छात्र-छात्राओं के लिए है जिन्होंने दसवीं और 12वीं की परीक्षा पास की है और वे शिक्षा क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। नर्सरी टीचर ट्रेनिंग के विभिन्न पहलुओं पर गहन प्रशिक्षण देने वाली यह संस्था छात्रों को नर्सरी शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक बनाने का लक्ष्य रखती है।संस्थान से जुड़ने के लिए इच्छुक छात्र-छात्राएं 8051434647 पर संपर्क कर सकते हैं और अपना नामांकन करवा सकते हैं।संस्थान की ओर से सभी इच्छुक छात्रों से अपील की जाती है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और जल्द से जल्द नामांकन कराएं।

उद्घाटन मुकाबले में पकड़ी क्रिकेट क्लब ने परसौनी राइडर्स को 6 विकेट से हराया

हरफनमौला प्रदर्शन करने वाले संतोष कुमार को दिया गया मैन ऑफ द मैच का खिताब

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अरमान अली

सीतामढ़ी=जिले के परसौनी प्रखंड मुख्यालय स्थित जिओ टॉवर के समीप राजा-रानी मैदान में रविवार को 20 दिवसीय युवा क्रिकेट क्लब टूनामेंट का आगाज हुआ। उद्घाटन समाजसेवी नितेश सिंह उर्फ महाराजा, प्रमुख प्रतिनिधि कुंदन सिंह ने फीता काटकर व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस दौरान समाजसेवी नितेश सिंह उर्फ महाराज ने खिलाड़ियों आपसी समरसता के साथ खेलने की अपील की। हर वर्ष टूनामेंट कराने को लेकर आयोजनकताओं की सराहना की। कहा कि टूनामेंट से निचले स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। बताया गया कि पहले दिन परसौनी राइडर्स व पकड़ी क्रिकेट क्लब के बीच मैच खेला गया। इसमें टॉस की प्रक्रिया में पकड़ी टीम के कप्तान ने बाजी मारी और अपने प्रतिद्वंद्वी टीम परसौनी राइडर्स को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी परसौनी राइडर्स की टीम ने 16 ओवर के मुकाबले में 12 ओवर में महज 68 बनाकर सिमट गई। छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी पकड़ी टीम ने महज 8 ओवर में 4 विकेट खोकर 69 बनाकर मुकाबले को जीत लिया। इस तरह पकड़ी ने परसौनी राइडर्स को 6 विकेट से हरा दिया। पकड़ी टीम के ओर से हरफनमौला प्रदर्शन करने वाले संतोष कुमार को मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। इस दौरान अंपायरिंग की भूमिका राकेश पटेल व अभिनाश कुमार ने निभाई। कॉमेंटेटर अशोक अल्वेला, अभिनाश कुमार व स्कोरिंग की भूमिका राजू जायसवाल ने निभाई। मौके पर आयोजनकर्ता गोविंद चौधरी, अनिल सहा, मनीष मतलबी, मनोज सिंह, बबलू सिंह, रवि सिंह समेत सैकड़ों खेलप्रेमी मौजूद थे।

नल-जल योजना के लाभ से वंचित ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड के दुरगौली पंचायत के वार्ड संख्या 4,8,9,10 और 11 में नल जल योजना फेल होने पर ग्रामीणों ने रविवार को प्रदर्शन कर विरोध जताया। ग्रामीणों ने बताया कि भ्रष्टाचार की वजह से सरकार की अति महत्वाकांक्षी हर घर नल-जल योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। इससे ग्रामीणों में खासी नाराजगी है। प्रदर्शन का नेतृत्व मुखिया प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह कर रहे थे। मौके पर अजित पाण्डेय, अतुल पाण्डेय, शिवनाथ सिंह, बिट्टू पाण्डेय, सुजीत कुमार, बड्डी तिवारी, नुरुल मिया, वसीम मिया, ईदमोहम्मद, नैमुदिन मिया, उमेश माँझी सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे। ग्रामीणों ने बताया कि हमलोगों के वार्ड में नल जल योजना का कार्य सफलतलापूर्वक पूर्ण नहीं हुआ है। इसके कारण गांव में पेयजल की समस्या बनी हुई है। दो वर्ष पूर्व यहां पर पानी का टंकी लगाया गया। साथ ही पाइप बिछाकर गांव में नल जल योजना से पानी की आपूर्ति शुरू की गई थी। पानी आपूर्ति शुरू होने के कुछ दिनों बाद ही पाइप लाइन में कोई खराबी आ गया। उसके बाद से गांव में नल जल योजना बंद पड़ा हुआ है। नल जल योजना का टंकी महज शोभा की वस्तु बनकर रह गया है। पानी आपूर्ति बंद रहने से लोगों के समक्ष पेयजल की समस्या है। कई बार ग्रामीणों ने प्रखंड प्रशासन को इससे अवगत कराया, लेकिन इस ओर कोई पहल नही की गई। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह ने बताया कि पूर्व के जन प्रतिनिधियों ने घटिया कार्य कराया और अब सभी वार्ड पीएचडी के अधीन है जिससे यह समस्या बनी हुई है।

ग्राहक बनकर घुसे अपराधी, हथियार के बल पर 25 हजार का कपड़ा लेकर फरार.

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर जिले के खानपुर थाना क्षेत्र के सिरोंपट्टी खतूआहा गांव में एक कपडा की दुकान में लूटपाट की घटना सामने आई है। इस दुकान में दो बदमाश घुसे और हथियार के बल पर लूट की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद बाद इसकी सूचना दुकानदार के द्वारा आसपास के लोगों और खानपुर थाना को दी गई। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई।मिली जानकारी के अनुसार खानपुर थाना क्षेत्र के सिरोंपट्टी खतूआहा गांव स्थित कपडे की दुकान में शनिवार रात दो बदमाशग्राहक के रूप में आए और कपड़े पसंद करके उसे पैक करावा किया। इसके बाद दुकानदार सभी कपड़े की पैकिंग कर दो झोले में रखकर दिया। और जब पैसे का डिमांड किया जाता है तो पैसे की जगह बदमाश दुकानदार को हथियार दिखाकर फरार हो गए।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। साथ ही इस पूरे मामले की सीसीटीवी फुटेज भी जब्त कर ली। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि अपराधियों ने दुकान से करीब 25 हजार का कपड़ा लेकर भाग गए।बदमाशों ने लगा रखा था मास्क और मुफ्फलर :इस घटना के समय दोनों बदमाशों ने मास्क और मुफ्फलर लगा रखा था। दुकानदार के अनुसार बदमाशों ने दुकान में घुसते ही कपड़ा दिखाने को कहा। आरोपियों ने कपड़े पसंद करके उसे पैक करवाया। इसके बाद दुकानदार ने सभी कपड़े की पैक कर दो झोले में रखकर दिया और पैसे मांगे। इसके बाद उन्होंने दुकानदार को हथियार दिखा कर डराया-धमकाया और मौके से कपड़ा लेकर फरार हो गए।

पंचायतों में बन रहे खेल मैदानों से गांवों में उभरेंगी प्रतिभाएं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड में अब संसाधन विहीन गांव, देहात, दियारा क्षेत्र से भी विभिन्न खेलों के खिलाड़ी उभरेंगे और उनमें छिपी प्रतिभा उजागर होगी। क्योंकि अब प्रखंड के सभी पंचायतों में खेल मैदान बन रहे हैं, जो पहले लगभग पंचायतों में नहीं थे। इसके कारण हमारी ग्रामीण प्रतिभाएं उभर नहीं पा रही थीं। वे फुटबॉल, कबड्डी, हॉकी, वॉलीबॉल आदि खेल मैदानों की कमी के कारण खेतों, बगीचों, और बहियारों में खेलकर प्रैक्टिस करते थे, जिससे वे आगे नहीं बढ़ पा रहे थे। जबकि जो थोड़े बहुत अच्छे प्रदर्शन कर रहे थे, उन्हें विभिन्न शहरों में जाकर प्रैक्टिस करने को बाध्य होना पड़ता था। लेकिन अब मनरेगा योजना से सभी पंचायतों में सुविधापूर्ण खेल मैदान बनाए जा रहे हैं। इनका निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है। मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी संजय साव ने बताया कि कई जगहों पर ये मैदान फाइनल होने की स्थिति में है। उन्होंने बताया कि इन खेल मैदानों में बैडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल कोर्ट, रनिंग ट्रैक आदि बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इनकी अनुमानित लागत 10 लाख रुपये है। इस खेल मैदान से ग्रामीण खेलकूद को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि 31 मार्च तक खेल मैदान का निर्माण कार्य पूरा करना है। प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू ने कहा कि उम्मीद है कि खेल मैदान बन जाने से न केवल लड़के, बल्कि लड़कियां भी प्रतिस्पर्धा में भाग लेंगी और जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी बनकर देश का नाम रोशन करेंगी। वहीं नगर पंचायत क्षेत्र में खेल मैदान के निर्माण नहीं होने से खिलाड़ियों में मायूसी हैं। लोजपा संसदीय बोर्ड के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि संबंधित अधिकारी को भी नगर पंचायत में खेल मैदान का निर्माण कार्य कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के केन्द्रीय विद्यालय के पास खेल मैदान बनाने का प्रस्ताव जिले को भेजा जा चुका है।

ठंड बढ़ी लेकिन नगर पंचायत क्षेत्र में अलाव की व्यवस्था नहीं

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

एक ओर एक सप्ताह में ठंड में लगातार बढ़ोतरी हो रही है दूसरी ओर मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के रेलवे स्टेशन,बस स्टैंड, अस्पताल चौंक समेत सार्वजनिक स्थानों में अब तक अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। इससे शाम और रात के समय राहगीरों यात्रियों को ठंड की मार झेलनी पड़ रही है। कुछ दिन पहले तक ठंड कम थी। लेकिन अब कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है और धूप भी उग रहीं हैं। वहीं पड़ रही कड़ाके की ठंड के बीच चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था नहीं होने के कारण रद्दी कागज और फलों की पेटियों का जलाकर लोग ठंड भगाने का प्रयास कर रहे हैं। कड़ाके की ठंड के बीच लोग घरों में ही दुबकने लगे हैं। सुबह-शाम ज्यादा ठंड पड़ने के कारण अति आवश्यक कार्य से ही लोग घर से बाहर निकल रहे हैं। वृद्धों और बच्चों को खासी परेशानी झेलनी पड़ रही है। ठंड के अधिक होने के कारण कई लोगों के प्रातः कालीन ठहलने का समय पर असर पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों और बच्चों को हो रही है। हालात हैं कि शाम ढलते ही सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा है। भाजपा मंडल अध्यक्ष दुर्गेश कुमार गुप्ता ने कहा कि नगर पंचायत सिर्फ दिखावें के लिए कार्य करता है ।

बैंक लूट कांड का सीतामढ़ी पुलिस ने किया पदार्फाश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । पीपुल्स फोरम फाइनेंस बैंक एवं भारत फाइनेंस लिमिटेड बैंक लूट कांड का सीतामढ़ी पुलिस ने पदार्फाश कर लिया है। गिरफ्तार की पहचान शिवहर जिला के तरियानी थाना क्षेत्र के बासीपचरा निवासी संतोष कुमार सिंह के पुत्र मुस्कान कुमार सिंह और रुन्नीसैदपुर थाना क्षेत्र के मोरसंड निवासी रामचन्द्र सिंह के पुत्र लक्ष्मेश्वर सिंह उर्फ लच्छु के रूप में किया गया। एक लाख दस हजार नगद, दो देशी कट्टा, दो कारतूस, एक ऑल्टो कार व एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया। उक्त जानकारी रविवार को प्रेसवार्ता में एसडीपीओ सदर राम कृष्णा और पुपरी एसडीपीओ अतनु दत्ता ने दी। बताया गया कि 3 दिसंबर को पीपुल्स फोरम फाइनेंस कंपनी की पुपरी शाखा से 3 लाख 89 हजार 613 रुपया और 27 दिसंबर को भारत फाइनेंस लिमिटेड बैंक की रून्नीसैदपुर शाखा से 6 लाख 8 हजार की लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। उक्त दोनों घटनाओं की उद्भेदन के लिए सदर एसडीपीओ वन राम कृष्णा और पुपरी एसडीपीओ अतनु दत्ता के नेतृत्व

में रुन्नीसैदपुर व पुपरी थानाध्यक्ष की एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा लगातार मानवीय एवं तकनीकी सूचना के आधार पर घटना के उद्भेदन का प्रयास किया जा रहा था। इसी क्रम में शनिवार को रुन्नीसैदपुर थाना क्षेत्र के झुग्गी मोहल्ला में स्थित किशोरी महतो के मकान में कुख्यात अपराधी मुन्ना सिंह द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर किसी बड़े अपराधिक घटना की योजना बनाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर पुलिस टीम ने मकान का घेराबंदी करते हुए अंदर से बदमाशों को गिरफ्तार किया। एसडीपीओ ने बताया कि मकान मालिक से पुछताछ में पता चला कि मुन्ना कुमार सिंह अपना असली पहचान छिपाकर किशन कुमार सिंह के नाम से किराया पर रह रहा था तथा उसके पास से किशन कुमार सिंह नाम का चालक का लाइसेंस भी बरामद किया गया है। पुछताछ में बदमाशों द्वारा स्वीकार किया गया है कि अपने सहयोगी राहुल सिंह एवं छोटु उर्फ आशुतोष सिंह के साथ मिलकर रुन्नीसैदपुर स्थित बैंक में लूट की घटना को अंजाम दिया गया।
वही सहयोगी लक्ष्मेश्वर सिंह उर्फ लच्छु एवं राहुल सिंह के साथ मिलकर पुपरी स्थित बैंक में लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। उनके निशानदेही पर लूट कांड में प्रयुक्त अल्टो कार एवं लूट के हिस्सा में प्राप्त 20 हजार रूपया बरामद किया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि मुन्ना सिंह पर अलग अलग थानों में 8 अपराधिक मामले दर्ज है। तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बाल विवाह की शिकार नाबालिग लड़की को कराया गया मुक्त

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी. जिले के बेलसंड थाना क्षेत्र के एक गांव में बाल विवाह की शिकार 16 वर्ष की एक नाबालिग लड़की के साथ शोषण किए जाने की सूचना मिलने पर हेडक्वार्टर डीएसपी सह नोडल विशेष किशोर पुलिस इकाई मो नजीब अनवर एवं अनुमंडल पदाधिकारी बेलसंड के निर्देशन में जिला प्रशासन, बेलसंड थाना , एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (बचपन बचाओ आंदोलन) एवं चाइल्ड हेल्पलाइन सीतामढ़ी की संयुक्त टीम ने नाबालिग बालिका को कथित ससुराल से मुक्त करवाया. दरअसल एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के वरिष्ठ केंद्रीय निदेशक मनीष शर्मा को बाल विवाह से संबंधित सूचना मिली थी । जिसके उपरांत बेलसंड थानाध्यक्ष नवलेश कुमार आजाद एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी नेहा कुमारी के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा कारवाई कर टीम में शामिल वरिष्ठ स. प्रोजेक्ट अधिकारी मुकुंद कुमार चौधरी, चाइल्ड हेल्पलाइन की प्रतिनिधि सपना कुमारी , रेखा कुमारी एवं थाना के महिला अधिकारी के द्वारा नाबालिग बच्ची को मुक्त करवाया गया है ।
नाबालिग लड़की शिवहर जिला की निवासी है. सूचना मिलने पर नाबालिग लड़की के सुरक्षा को देखते हुए संयुक्त टीम गांव में पहुंचकर कथित ससुराल से नाबालिग लड़की को मुक्त करवाया है । बच्ची को मुक्त करवाने उपरांत काउंसलिंग एवं नियमानुसार कानूनी कारवाई के आदेश हेतु बाल कल्याण समिति सीतामढ़ी के समक्ष बच्ची को प्रस्तुत करवाने की प्रक्रिया की जा रही है ,चुकी बच्ची देखभाल और संरक्षण की पात्र है।

सांसद सम्मान समारोह क किया गया आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के हसनपुर प्रखंड के हसनपुर गांव स्थित जिप सदस्य सुजीत कुमार सिंह के आवासीय परिसर में रविवार को सांसद सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर सांसद को मिथिला परंपरा द्वारा पाग, माला व शॉल से सम्मानित किया गया। समारोह में सांसद राजेश वर्मा, पूर्व विधायक राजकुमार राय, सिकंदर आलम, बैजनाथ झा सहित अन्य नेताओं ने अपने - अपने विचार रखे। वहीं ग्रामीणों ने एक्सप्रेस ट्रेन ठहराव की मांग की, जिस पर सांसद ने भरोसा जताया कि जल्द से जल्द हसनपुर में एक्सप्रेस ट्रेनों की ठहराव कराया जाएगा। सांसद ने हसनपुर के विकास के लिए हर स्तर पर प्रयास का भरोसा दिलाया। अध्यक्षता समाजसेवी कुंदन सिंह ने की। मौके पर आलोक मुरथलिया, निशांत अग्रवाल, विजय यादव, संदीप पाटिल, बुलु दास, ऋतुध्वज राय, स्वीकृति प्रियंका, गायत्री सिंह, मो जियाउद्दीन, मोहन सिंह, राजीव कुमार सिंह उर्फ पिंकू सिंह आदि मौजूद थे।

शॉकर एकेडमी ने डायमंड क्लब को 2 - 0 से हराकर पहुँची फाइनल में

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय के स्थानीय आर बी कॉलेज के मैदान में भारत की जनवादी नौजवान सभा के तत्वाधान में चल रहे दिवंगत कम्युनिस्ट नेता सुरेंद्र प्रसाद यादव की स्मृति में तीन दिवसीय महिला फूटवॉल टूनामेंट के दूसरे दिन डायमंड क्लब एवं वूमेन शॉकर एकेडमी दलसिंहसराय के बीच शुरू हुआ। मैच की शुरूआत से पहले शहीद कामरेड सुरेंद्र प्रसाद यादव की तस्वीर पर फूलमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही राष्ट्रगान के बाद उपस्थित अतिथियों में एडवा के बिहार राज्याध्यक्ष नीलम देवी, नगर परिसद के पार्षद सुशील सुरेका, किसान नेता रामसेवक राय, डीवाईएफआई नेता कुंदन पासवान, अर्जुन यादव एवं नरेश दास ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। मैच के दौरान 90 मिनट के खेल में दोनों ही टीम ने शानदार खेल प्रदर्शन किया जिसमें शॉकर एकेडमी की खिलाड़ियों में 5 नम्बर जर्सी की खिलाड़ी साक्षी ने पहला गोलकर अपनी टीम को बढ़त पर ला दिया। वहीं 10 नम्बर की जर्सी में सपना यादव ने दूसरा गोलकर अपनी टीम को फाइनल खेलने के करीब ला दिया, जबकि डायमंड क्लब की टीम अंत तक कोई गोल नहीं कर सकी। इस प्रकार शॉकर एकेडमी ने 2 - 0 से बढ़त बनाकर सुरेंद्र यादव स्मृति फुटबॉल कप के फायनल में अपना जगह बनाया। रेफरी के रूप में मो मुन्ना मुश्ताक एवं लाइन मैन के रूप में राधे श्याम थे। उदघोषक के रूप में लालू कुमार थे। मौके पर नौजवान सभा के अंचल मंत्री कुंदन पासवान, संजय कुमार, अर्जुन राय, अंचल अध्यक्ष रामबाबू यादव, अखिलेश राय, कुंदन यादव, दयानंद रजक, कौशिक कमल, संजय नाग, रामबालक राय, अखिलेश राय, रविशंकर कुमार, ऋषिकेश, महेंद्र सिंह, नवनीत यादव, कुंदन यादव आदि उपस्थित थे।

अग्नि पीड़ित परिवार के बीच रितु जायसवाल ने आर्थिक मदद के साथ राहत सामग्री का किया वितरण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । महिला राजद की प्रदेश अध्यक्ष सह परिहार विधानसभा की पूर्व राजद प्रत्याशी रितु जायसवाल ने अग्नि पीड़ित परिवार को निजी कोष से आर्थिक सहयोग करने के साथ ही राहत सामग्री भी मुहैया कराई। परसा पंचायत के इंदरवा वार्ड 12 में समशा खातुन का घर आग की चपेट में आ गया था। सूचना पर पहुंची श्रीमती रितु ने समशा को आर्थिक मदद की, वहीं परिवार के सभी सदस्यों को ठंड से राहत के कंबल भेंट की ।वहीं मालूम हो की बीते 26 दिसंबर को बबुरबन वार्ड तीन में अग्नि से तीन परिवार प्रभावित हुए थे। अग्नि कांड की सूचना पर श्रीमती रितु तत्काल अग्नि पीड़ित परिवार क्रमशः पूनम कुमारी, राम केवल कुमार एवं नथू राम को आर्थिक सहयोग के साथ ही उनके दरम्यान राहत सामग्री का वितरण किया था। श्रीमती रितु ने कहा कि घटना की सूचना पर निजी कोष से पीड़ित परिवार को छोटी सी सहयोग करने की कोशिश करती हूं, ताकि उन्हे कुछ राहत मिल सके। ग्रामीणों ने कहा कि रितु जायसवाल हम लोगों के सुख दुख की सारथी है। सभी ने आपदा के घड़ी में उनके सहयोग को सराहनीय बताया।

विधायक ने की डीएम से अलाव की व्यवस्था की मांग

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। मोरवा के विधायक रणविजय साहू ने जिलाधिकारी को आवेदन देकर कहा है कि इन दिनों चार पांच दिनों से जिले में ठंड का प्रकोप काफी बढ़ा हुआ है। अत्यधिक ठंड के कारण गरीब, मजदूर, रिक्शेवाला, फुटपाथ के दुकानदार के समक्ष मौसम के प्रतिकूल होने का असर देखा जा रहा है। अत्यधिक ठंड के कारण इन सबके सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इन सबको देखते हुए जनहित में ताजपुर, मोरवा, पटोरी प्रखंड के सभी चौक चौराहे पर अलाव की व्यवस्था कराने की मांग की है।

समस्तीपुर में नाला निर्माण कार्य के दौरान तीन मजदूरों पर मिट्टी का घंसना गिरा, एक मजदूर की दबकर मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर :- समस्तीपुर जिले के कपूरींग्राम थाना क्षेत्र अंतर्गत शम्भूपट्टी गांव में रविवार की दोपहर नगर निगम द्वारा हो रहे नाला निर्माण के दौरान मिट्टी का धंसना गिरने से एक मजदूर की मौत हो गयी वहीं दो मजदूर को हल्की चोटें आयी। मिट्टी में दबे मजदूर की सूचना मिलते ही वहां लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। इस दौरान दो मजदूर तो आसानी से निकल गये लेकिन एक मजदूर को काफी मशक्कत के बाद जेसीबी की मदद से मिट्टी हटाकर निकाला गया।
मरनासन स्थिति में मजदूर को निकालने के बाद उसे एंबुलेंस के सहारे एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। खबर लिखे जाने तक मृतक मजदूर की पहचान नहीं हो सकी थी। स्थानीय लोगों में चर्चा है की वह बंगाल का रहने वाला है।

लोगों का बताना है की घटनास्थल पर ही मजदूर की मौत हो चुकी थी। बताया गया है कि संवेदक के द्वारा वहां बिना सेफ्टी के ही नाला निर्माण का कार्य कराया जा रहा था। इधर घटना की सूचना पर उक्त स्थल पर सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ गई थी। खबर लिखे जाने तक मृतक मजदूर का शव पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल नहीं पहुंचा था ।नगर निगम के तहत हो रहा नाला निर्माण :
समस्तीपुर नगर निगम अंतर्गत शंभूपट्टी वार्ड संख्या-30 से ताजपुर रोड आयकर कार्यालय तक स्ट्रॉम वाटर ड्रेनेज योजना के तहत बड़ा नाला निर्माण कराया जा रहा है। इस बड़े नाला निर्माण से शंभूपट्टी, बाजेपुर, पाहेपुर, मूसापुर, दुधपुरा, अमीरगंज, धर्मपुर आदि जगहों का पानी निकासी का मास्टर प्लान बनाया गया है। हालांकि इसके निर्माण के दौरान निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के सेफ्टी को लेकर सवाल पहले से उठाया जा रहा था, इस बीच रविवार को एक मजदूर की मौत घंसना में दबकर हो गयी।

फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने चिपकाया इस्तेहार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

सीतामढ़ी।बोखड़ा थाना क्षेत्र के खड़का बसंत उत्तरी के नयाटोल में पुपरी पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर फरार अभियुक्त के घर डुगडुगी बजाकर इश्तेहार चिपकाया। पुपरी थाना के एसआई राम नाथ राम ने बताया कि पुपरी कांड संख्या 392/23 के मुख्य अभियुक्त शंभु रजक पिता शिवचंद्र बैठा लंबे समय से फरार चल रहा हैं, जिसके यहां न्यायालय के आदेश पर इश्तेहार चिपकाते हुए अभियुक्त को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा गया हैं कि थाना या न्यालय में आत्म समर्पण कर दे अन्यथा न्यालय के आदेश पर कुर्की जप्ति की करवाई की जाएगी।

नाला निर्माण में धंसना गिरने से एक मजदूर की मौत, दो अन्य घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कपूरींग्राम थाना क्षेत्र अंतर्गत शम्भूपट्टी मोहल्ला में रविवार की दोपहर नगर निगम द्वारा हो रहे नाला निर्माण के दौरान मिट्टी का धंसना गिरने से एक मजदूर की मौत हो गयी, वहीं दो मजदूर को हल्की चोटें आयी है। मिट्टी में दबे मजदूर की सूचना मिलते ही वहां लोगों का भीड़ उमड़ पड़ा। इस दौरान दो मजदूर तो आसानी से निकल गये, लेकिन एक मजदूर को काफी मशक्कत के बाद जेसीबी की मदद से मिट्टी हटाकर निकाला गया। मरणासन्न स्थिति में मजदूर को निकालने के बाद उसे एंबुलेंस के सहारे एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक मजदूर की पहचान कटिहार जिले के गंगानगर निवासी मो सफीकुल इस्लाम के रूप में हुई है। लोगों का बताना है की घटना स्थल पर ही मजदूर की मौत हो चुकी थी। बताया गया है कि संवेदक के द्वारा वहां बिना सेफ्टी के ही नाला निर्माण का कार्य कराया जा रहा था। इधर घटना की सूचना पर उक्त स्थल पर सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ गई थी। नगर निगम अंतर्गत शंभूपट्टी वार्ड संख्या 30 से ताजपुर रोड आयकर कार्यालय तक स्ट्रॉम वाटर ड्रेनेज योजना के तहत बड़ा नाला निर्माण कराया जा रहा है। इस बड़े नाला निर्माण से शंभूपट्टी, बाजेपुर, पाहेपुर, मुसापुर, दुधपुरा, अमीरगंज, धर्मपुर आदि जगहों का पानी निकासी का मास्टर प्लान बनाया गया है। हालांकि इसके निर्माण के दौरान निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के सेफ्टी को लेकर सवाल पहले से उठाया जा रहा था, इस बीच रविवार को एक मजदूर की मौत घंसना गिरने से मिट्टी में दबकर हो गयी।

पेट्रोल और डीजल के डब्बे में आग लगने से मची अफरा तफरी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के उजियारपुर थाना के तहत जनकपुर गांव के आजाद चौक के नजदीक एनएच 28 किनारे शनिवार की देर शाम रखे गए पेट्रोल व डीजल के डब्बे में अचानक आग लग गई, जिससे पुरे इलाके में अफरा तफरी मच गया।बताया जाता है कि कुछ ही देर में आग की लपट ने विकराल रूप धारण कर लिया। स्थिति अनियंत्रित होते देख स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड टीम को इसकी सूचना दी।इसके बाद मौके पर दलसिंहसराय व उजियारपुर से अग्निशमन दस्ता पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय सूत्रों के बताना है कि उक्त स्थान पर अवैध रूप से तेल टैंकरों से तेल चोरी कर स्टोरेज किया जाता है। शनिवार शाम भी एक टैंकर पेट्रोल निकाल कर गोदाम से निकला ही था कि अचानक गोदाम में आग लग गयी। सूत्रों की माने उक्त अवैध धंधा को छुपाने के लिए उक्त स्थान को इकरी और बांस का घेरा बना रखा जाता था। बताया जाता है कि उक्त गोदाम के आसपास घर नहीं रहने से ज्यादा क्षति नहीं पहुंची वर्ना यहां एक बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता था। इधर उजियारपुर थाना के अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि उन्हें किसी ने झोपड़ी में अगलगी होने की सूचना दी है। उन्होंने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है। दुसरी ओर सूत्रों का बताना है कि एनएच 28 पर सातनपुर से लेकर बंगरा थाना इलाके तक अवैध तेल कटिंग का काम वर्षों से चल रहा है, लेकिन पुलिस प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है।

बकरी ने दिया ऊंट के बच्चे को जन्म,देखने के लिए उमड़ी भीड़

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। प्रखंड के अंतर्गत केवस पंचायत के वार्ड संख्या 12 में कुदरत का करिश्मा देखने को मिला है। जहां एक बकरी ने एक ऊंट के जैसे शक्ल का बच्चा दिया। यह जैसे ही आम हुई की लोग देखने के लिए मवेशी मालिक मो आजाद के घर पहुंचने लगे और देखते ही देखते लोगों की काफी भीड़ लग गई। मवेशी मालिक मो आजाद ने बताया कि उनकी बकरी ने आज अहले सुबह एक बच्चे को दिया जो ऊंट की शक्ल से मिलता जुलता है, जो बाद में पैदाईशी बच्चे की मौत हो गई। बहरहाल बकरी के द्वारा दिए गये ऊंट के शक्ल के बच्चे का जन्म से केवस मोहल्ला में चर्चा का विषय बना रहा।

अलग अलग गांव में हुई मारपीट की घटना में एक महिला समेत चार जखमी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर ब्लॉक के अंतर्गत चकमेहसी थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव में आपसी विवाद व भूमि विवाद में मारपीट में तीन महिला सहित चार लोग घायल हो गये। जिसे परिजनों के द्वारा इलाज के लिए सीएचसी में लाया गया। बताया जाता है कि केशोपट्टी गांव में भूमि विवाद में दो पक्षों में दो महिला मारपीट में जख्मी हो गयी। घायल की पहचान केशोपट्टी गांव के अजय कुमार सिंह की पत्नी 50 वर्षीय सीता सिंह दूसरे पक्ष के श्याम नंदन सिंह की पत्नी 75 वर्षीय राधा देवी वहीं दूसरी ओर चकमहेसी थाना क्षेत्र के सोमनाहा पंचायत के वार्ड संख्या 09 बड़ाटोल में आपसी विवाद में मारपीट में एक महिला सहित दो लोगों घायल हो गये। घायलों की पहचान बड़ाटोल निवासी भाग नारायण सिंह की 55 वर्षीय पत्नी उर्मिला देवी व भाग नारायण सिंह शामिल है। इस संबंध में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर कुमुद रंजन ने बताया कि सभी जख्मी का इलाज सीएचसी में जारी है तथा सभी खतरे से बाहर बताया गया है।

मधुबनी डीएम ने जिला में चल रही विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का समीक्षा की संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को दिए कई आवश्यक दिशा निर्देश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- डीएम अरविन्द कुमार वर्मा ने जिला में चल रहीं विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का समीक्षा कर संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को दिए कई आवश्यक दिशा निर्देश।
- सभी विभाग के सभी इंडिकेटरो में दिखनी चाहिए प्रगति-डीएम।
- जिले के सभी पंचायतों में मनरेगा के तहत बन रहे खेल मैदान के निर्माण कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश।
- सामाजिक सुरक्षा योजना अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का ससमय निष्पादन के दिए निर्देश.

डीएम अरविन्द कुमार वर्मा ने कल शनिवार देर शाम में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिले में चल रही विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का समीक्षा कर संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।*
समीक्षा के क्रम में कहा कि सभी विभागों के सभी इंडिकेटरो में अनिवार्य रूप से प्रगति दिखनी चाहिए। आगनबाड़ी केंद्रों के भवन निर्माण की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि डीपीओ आईसीडीएस यह सुनिश्चित करे कि सभी बीडीओ,सीओ एवं सीडीपीओ आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण को लेकर प्रत्येक सप्ताह अचूक रूप से बैठक करे। उन्होंने लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत कचड़ा प्रीसेसिंग इकाई का निर्माण,कचरा प्रबंधन सामग्रियों का क्रय, कचरा का उठाव, यूजर चार्ज की वसूली,वर्मी कंपोस्ट का निर्माण,प्लास्टिक कचड़ा की विक्री,स्वच्छता कर्मियों का भुगतान ,ओडीएफ प्लस आदि का समीक्षा किया। उन्होंने डीडीसी को निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित करे कि स्वच्छता कर्मियों के लंबित भुगतान समय हो। उन्होंने निर्देश दिया कि यूजर चार्ज के रूप में वसूली गई शत प्रतिशत राशि खाते में अनिवार्य रूप से जमा हो। पंचायतों में कचरा प्रबंधन के कार्यों की समीक्षा के क्रम में उन्होंने निर्देश दिया कि पंचायतों में कचरा प्रबंधन कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सुचारू रूप से चलाने हेतु मासिक शुल्क के रूप में तीस रुपया प्रतिमाह की वसूली हर हाल में सुनिश्चित करें. उन्होंने निर्देश दिया कि पंचायतों में नियमित रूप से सभी घरों से कचरा का उठाव हर हाल में सुनिश्चित करें, साथ ही शत प्रतिशत शेष बचे पंचायतों में कचरा प्रबंधन सामग्रियों का क्रय एक सप्ताह के अंदर हर हाल में करें. . जिले के सभी पंचायतों में मनरेगा के तहत बन रहे खेल मैदान के निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश भी दिए। उन्होंने डीपीआरओ को ।निर्देश दिया कि सभी पंचायत स्तरीय कर्मी पंचायत सरकार भवन में बाइमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज करवाना सुनिश्चित करे। उन्होंने सीडब्लूजेसी, एमजेसी के पेंडिंग मामले को गंभीरता से लेकर ससमय प्रतिशपथ पत्र दायर करने का निर्देश दिया। उन्होंने जल जीवन हरियाली की समीक्षा के क्रम में सोख्ता का निर्माण, कुओं के जीर्णोद्धार, पोखरे के जीर्णोद्धार, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और सोख्ता निर्माण में हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे महत्त्वपूर्ण जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक कर उनकी सक्रिय भागीदारी के द्वारा ही जल जीवन हरियाली अभियान को सफल बना सकते है। उन्होंने दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं जिला बाल संरक्षण इकाई से संबंधित योजनाओं का विस्तृत समीक्षा भी किया. समीक्षा के क्रम में राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, कबीर अंत्येष्टि योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, बैटरी चालित ट्राइसाइकिल सहित सभी पेंशन योजनाओं में लंबित आवेदनों को लेकर समीक्षा कर को कई निर्देश भी दिये। उन्होंने कार्यालय कार्य-संस्कृति में सुधार लाने का भी निर्देश दिया तथा कार्यालय की साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान देने की भी बात कही। पंजियों के रख-रखाव एवं संधारण को लेकर भी कई निर्देश दिए। उन्होंने लॉग बुक का संधारण अनिवार्य रूप से करने एवं नियमित रूप से लॉग बुक की जाँच करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी संबंधित कार्यालय में अपनी अनिवार्य उपस्थिति हर हाल में सुनिश्चित करें.

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) आईटी सेल की समीक्षा बैठक सफलतापूर्वक संपन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना स्थित बिहार प्रदेश कार्यालय, 1-व्हीलर रोड में आज लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की आईटी सेल की समीक्षा बैठक प्रदेश अध्यक्ष श्री अमित रानू जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री आदरणीय श्री चिराग पासवान जी के विचारों और उनके " बिहारी फर्स्ट बिहारी फर्स्ट" विजन को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश के हर घर तक पहुंचाना था।बैठक में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजू तिवारी ने आईटी सेल के जिला अध्यक्षों और पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने डिजिटल युग में पार्टी की विचारधारा और नीतियों को आम जनता तक पहुंचाने के लिए तकनीकी माध्यमों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने पर जोर दिया।इस महत्वपूर्ण बैठक में आईटी सेल प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अभिनव मिश्रा, सोशल मीडिया संयोजक श्री गौरव सोनी, प्रदेश महासचिव श्री सुमित श्रीवास्तव, श्री अर्णव आर्यन, श्री सन्नी कुमार, श्री सूर्यांश सिंह, और श्री आकाश झा सहित कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बैठक के दौरान आईटी सेल द्वारा डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान जी के नेतृत्व में बिहार के चहुंमुखी विकास और " बिहारी फर्स्ट बिहारी फर्स्ट " की संकल्पना को आगे बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को प्रचारित-प्रसारित करने का संकल्प लिया गया।
लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने डिजिटल युग में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने और जनता से सीधे संवाद स्थापित करने के लिए आईटी सेल की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। पार्टी ने इस दिशा में निरंतर कार्य करने का आह्वान किया, ताकि बिहार के हर वर्ग और हर कोने में चिराग पासवान जी की विचारधारा को पहुंचाया जा सके।

बेगूसराय की रक्तदाता समूह राष्ट्रकवि दिनकर सेवा दल को पटना में मिला सम्मान

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
संवाददाता साहिल अंसारी

बेगूसराय के लिए गौरव का क्षण। बेगूसराय की सामाजिक संस्था राष्ट्रकवि दिनकर सेवा दल को बिहार की राजधानी पटना में आयोजित रक्तदान महाकुंभ झ 4 में रक्तदान के क्षेत्र में लगातार किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य के लिए निरामया ब्लड बैंक पटना के द्वारा सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में आयोजित रक्तदान शिविर में राष्ट्रकवि दिनकर सेवा दल के जद्दू कुमार राय, अभय कुमार, अभिनाश कुमार, अभिनव कुमार, परवीन कुमार प्रिंस, ओम कुमार और आदित्य कुमार गोलू ने रक्तदान किया। इन सभी रक्तदाताओं को भी रक्तदान करने के बाद पटना की मेयर श्रीमती सीता साहू जी के हाथों सम्मानित किया गया। राष्ट्रकवि दिनकर सेवा दल को यह सम्मान मिलने पर राष्ट्रकवि दिनकर सेवा दल के उपाध्यक्ष राहुल सिंह राजपूत ने बोला यह सम्मान उन सभी रक्तदाताओं को समर्पित है जो लगातार जरूरत के समय नियमित समय पर रक्तदान करके जरूरतमंदों की सेवा करते रहते हैं।
वहीं राष्ट्रकवि दिनकर सेवा दल के रक्तदान प्रमुख विकास कुशवाहा ने बताया की पटना में निरामया ब्लड बैंक के द्वारा हमारी टीम राष्ट्रकवि दिनकर सेवा दल को जरूरत पड़ने पर समय समय पर रक्त मुहैया करवाया जाता है। टीम के सक्रिय सदस्य परवीन कुमार प्रिंस ने रक्तदान करने के बाद बताया कि राष्ट्रकवि दिनकर सेवा दल के सदस्य बेगूसराय ही नहीं जरूरत पड़ने पर पटना,समस्तीपुर ,दरभंगा ,खगड़िया में भी वहां के रक्तदाता समूह से संपर्क करके जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध करवाने की लगातार प्रयास करते रहती है।

बेगूसराय को प्रमंडल बनाने को लेकर होगी पदयात्रा: बेगूसराय डीएम से मिला प्रतिनिधि मंडल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बिहार की औद्योगिक राजधानी बेगूसराय को प्रमंडल बनाने की मांग ने अब तूल पकड़ लिया है।प्रमंडल बनाने के लिए प्रमंडल बनाओ अभियान समिति की ओर से 12 जनवरी को भव्य पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। पदयात्रा जीडी कॉलेज से 11:00 बजे निकल कर गांधी स्टेडियम तक जाएगी। इस पदयात्रा को सफल बनाने के लिए समिति के सदस्यों ने डीएम तुषार सिंगल से मिलकर पदयात्रा की संपूर्ण जानकारी दी। और सुरक्षा व्यवस्था का मांग किया गया।समिति के सदस्यों ने बताया कि पदयात्रा में बेगूसराय एवं खगड़िया के सांसद, सभी विधायक, सभी विधान परिषद सदस्य एवं बेगूसराय के सभी स्थानीय जनप्रतिनिधि को आमंत्रित किया गया है।लगभग सभी का सहमति प्राप्त हो रहा है, पदयात्रा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भी सहमति दी है। प्रमंडल बनने से प्रमंडल स्तरीय कार्यालय खुलेंगे
प्रमंडल बनाओ अभियान समिति के संयोजक दिलीप कुमार सिन्हा ने बताया की पदयात्रा द्वारा सरकार से मांग सरकार तक पहुंचाया जाएगा कि बेगूसराय को जल्द प्रमंडल बनाएं।बेगूसराय, बिहार में सबसे अधिक राजस्व देने वाला जिला है।बिहार के मध्य में है, प्रमंडल बनने से प्रमंडलीय स्तर का कार्यालय खुलेंगे।बिहार बोर्ड का क्षेत्रीय कार्यालय, विश्वविद्यालय, एयरपोर्ट, एम्स, मेडिकल कॉलेज, कृषि महाविद्यालय, मैनेजमेंट कॉलेज एवं पर्यटन आदि खुलने की संभावनाएं बढ़ जाएगी, जिससे रोजगार के अवसर मिलेंगे।मौके पर पूर्व मेयर आलोक कुमार अग्रवाल, को-ऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद सिंह, के अलावे प्रतिनिधिमंडल में अन्य सदस्य शामिल थे।

अनियंत्रित ट्रक ने दो लोगों को मारी ठोकर एक की मौत, दूसरा घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के एसएच 88 के बल्लोचक पेट्रोल पंप के पास एक अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे खड़े दो लोगों को जोरदार ठोकर मार दिया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत मौके पर हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान चकबहाउद्दीन पंचायत के बल्लोचक वार्ड संख्या 10 निवासी स्व गोविंद राय के 46 वर्षीय पुत्र दुःखन यादव के रूप में की गई है वही घायल की पहचान पांड़ गांव के वार्ड 13 निवासी राम केवल यादव के रूप में की गई है। इधर मौका देखकर ट्रक चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया।इधर घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर दलसिंहसराय - बरूना सड़क को घटना स्थल पर ही शव रखकर जाम कर दिया। सड़क जाम की सूचना पर दरोगा रंजीत कुमार सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाने बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लोग मुआवजे की मांग पर अडिग थे। हालांकि मुखिया के साथ प्रखंड प्रमुख संजीव कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि के अथक प्रयास के दो घंटे बाद लोगों ने सड़क जाम समाप्त किया। इधर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराकर शव को स्वजन को सौंप दिया

बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व. सुशील कुमार मोदी की जयंती समारोह में शामिल हुए भाजपा अध्यक्ष, पुष्प अर्पित कर दी अपनी श्रद्धांजलि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- सुशील मोदी राजनीति के अद्भुत व्यक्ति : डॉ. दिलीप जायसवाल
- वे राजनीति के सूक्ष्म पहलू को समझने और पहचानने का प्रयास करते थे : डॉ. दिलीप जायसवाल
- स्व. सुशील मोदी के जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत : सम्राट चौधरी

पटना, 5 जनवरी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल आज पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में सुशील कुमार मोदी स्मृति शोध संस्थान द्वारा आयोजित बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व. सुशील कुमार मोदी के जयंती समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने स्व. सुशील कुमार मोदी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस कार्यक्रम के दौरान सुशील कुमार मोदी स्मृति शोध संस्थान के अध्यक्ष संजय गुप्ता और अन्य ने आगंतुकों को अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया।इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि सुशील मोदी अनुशासन प्रिय व्यक्ति थे। वे राजनीति के अद्भुत व्यक्ति थे और राजनीति के सूक्ष्म पहलू को समझने और पहचानने का प्रयास करते थे। जब उन्हें किसी चीज को जानने की जरूरत होती थी तो उससे संबंधित व्यक्ति से जरूर वह समझने की कोशिश करते थे, ये उनकी बड़ी खूबी थी।इतनी जल्दी वह चले जाएंगे, इसकी उम्मीद नहीं थी। अध्यक्ष ने सुशील मोदी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज जो यहां लोग भारी संख्या में जुटे हैं, वह उनकी लोकप्रियता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी छात्र जीवन से सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों को लेकर जुझारू रहे। वे तीन दशक तक बिहार के राजनीतिक पटल पर छाए रहे और राजनीति की काजल की कोठरी से बेदाग निकले। उनके चरित्र पर कभी कोई आरोप नहीं लगा। वे बचपन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एवीबीपी) से जुड़े रहे। जब 70 के दशक में विश्वविद्यालयी शिक्षा के लिए पटना विश्वविद्यालय में नामांकन कराए तो छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिए वे हमेशा आगे रहे। यहीं उनका राजनीति से प्रथम परिचय हुआ, उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।
उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि उनके राजनीतिक जीवन में विरोधी दल के नेता के रूप में उन्होंने बाघ की तरह चिंघाड़ने का काम किया। उन्होंने कई घोटालों का सामना किया। उस दौर के कुछ ही नेता हैं जो इतनी तकनीक का इस्तेमाल करते थे। वे अध्ययनशील बराबर रहे, इस कारण उनकी जानकारी की कमी नहीं हुई। उन्होंने अपने संस्करण को सुनाते हुए कहा कि वे टिफिन लेकर चलते थे।श्री चौधरी ने जोर देकर कहा कि आज उनके जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है।बिहार के वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि उन्होंने विभाग में ऐसा बनाया है कि सब कुछ आंकड़ा तुरंत तैयार हो जाता है।इस मौके पर दिवंगत सुशील मोदी की पत्नी जे सी मोदी और उनके पुत्र भी पहुंचे। उनकी पत्नी ने भावुक होकर भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को इस कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल 21 वें राष्ट्रीय नाई महासभा स्थापना दिवस में हुए शामिल

पटना, 5 जनवरी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल आज राष्ट्रीय नाई महासभा के 21वें स्थापना दिवस पर आयोजित नाई एवं युवा समाज के महासम्मेलन में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने महासम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जाति से नही कोई भी व्यक्ति अपने कर्म से महान बन सकता है।उन्होंने इसको लेकर कई उदाहरण देते हुए कहा कि कपूरी ठाकुर भी नाई समाज मे जन्म लिए लेकिन अपने कार्यों के बल पर बिहार के लोगों के प्रिय बने और जननायक बन गए। उन्होंने कहा कि जननायक को पूर्ववर्ती सरकारों ने कभी सम्मान देने का काम नहीं किया, लेकिन जब केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी तो भारत रत्न देकर उन्हें वह सम्मान देने की कोशिश की गई, जिसके वे हकदार थे।अखिल भारतीय नाई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य आजाद गांधी ने अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता भी ग्रहण की।

बिहार के पूर्व उप - मुख्यमंत्री स्व. सुशील मोदी जी के जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रकाशनार्थ पटना 5/1/2025
बिहार के पूर्व उप - मुख्यमंत्री स्व. सुशील मोदी जी के जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजू तिवारी ने उपस्थित होकर उनके तेल क्षेत्र पर अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किए इस अवसर पर सर तिवारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वर्गीय मोदी के कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश विस्तार से प्रकाश डाला श्री तिवारी ने कहा कि श्रद्धेय सुशील मोदी जी भाजपा के समर्पित कर्तव्यनिष्ठ राजनेता थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन पार्टी के मजबूती के लिए समर्पित कर दिया
उकत आशय की जानकारी प्रदेश मीडिया प्रभारी निशांत मिश्रा ने दी।

आंगनबाड़ी एवं 1- 8 वर्ग तक सभी सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूल 9 जनवरी तक बंद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने भीषण ठंड को देखते हुए जिले के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में वर्ग 1 से 8 वीं तक की कक्षाओं को 9 जनवरी (गुरुवार) तक बंद करने का आदेश जारी किया है।इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र भी बंद करने का आदेश जारी किया गया है। बताया जाता है कि इधर करीब चार दिनों से ठंड का प्रकोप बढ़ा हुआ है, अत्यधिक ठंड के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों के सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के कारण डीएम ने स्कूल बंद करने का आदेश जारी किया।

जिलाधिकारी रिची पांडेय के द्वारा स्थानीय विमर्श सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

जिलाधिकारी रिची पांडेय के द्वारा स्थानीय विमर्श सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में निर्धारित एजेंडा से संबंधित बिंदुवार समीक्षा की गई एवं आवश्यक निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए।समीक्षा बैठक में जिला पदाधिकारी ने कहा कि विद्यालयों का निरीक्षण, अध्यापकों के ऑनलाइन उपस्थिति आदि एवं शिक्षा के आधारभूत संरचना का सतत निरीक्षण किया जाए।अधिकारी द्वारा जांच किए गए रिपोर्ट को शिक्षा विभाग के पोर्टल पर हर हाल में अपलोड करना सुनिश्चित करें। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता की दिशा में गंभीर प्रयास करें। संसाधनों की उपलब्धता को लेकर जो कार्य किए जा रहे हैं उसका सतत अनुश्रवण किया जाए। कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं विहित विशिष्टियों तथा तय मानकों के अनुरूप हो। कार्य में कोताही पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।
मध्यान भोजन के समीक्षा के क्रम में मिल गई शिकायतों के मद्देनजर सख्त निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि मध्यान भोजन से संबंधित शिकायतों का निराकरण नियमानुसार त्वरित करें। दोषी पाए गए कर्मियों, पदाधिकारियों पर कठोर कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए।निर्देश दिया कि कमान एंड कंट्रोल सेंटर में प्राप्त शिकायतों का त्वरित निष्पादन किया जाए।सभी विद्यालय में चखना पंजी का संधारण किया जाय निरीक्षणकर्ता मध्यान भोजन की गुणवत्ता का उल्लेख चखना पंजी में करेंगे।सभी विद्यालय में हाइजीनिक कंडीशन में खाना बनाने की व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। विद्यालय के कुकिंग एरिया को और सर्विंग एरिया को साफ- सुथरा रखा जाए तथा किचन शेड में प्रॉपर लाइटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि उक्त सभी बिंदुओं का अनुपालन अक्षरशःकिया जा रहा है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि विद्यालय के निरीक्षण के बाद भी यदि गुणवत्ता संबंधी शिकायत प्राप्त होता है तो संबंधित निरीक्षी पदाधिकारी पर जवाबदेही तय करें। जिला के साथ सभी प्रखंडों में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी द्वारा शिक्षक दरबार लगाना सुनिश्चित किया जाए।शत प्रतिशत बच्चों का आधार कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए।मध्यान भोजन में मेनू का पालन किया जाए ।इसके अतिरिक्त अंकुरण परियोजना, पोषण वाटिका, पाक कला प्रतियोगिता इत्यादि की भी जानकारी शिक्षा विभाग के द्वारा दी गई। मध्यान भोजन से संबंधित उपलब्ध कराए गए खाद्यान्न की जांच की जाए। समय पर खाद्यान्न विद्यालयों में पहुंचे। खाद्यान्न का वजन सही हो, इत्यादि निर्देश दिए गए। रसोइयों का समय पर भुगतान हो। मृतक रसोइयों का अनुग्रह अनुदान की अद्धतन स्थिति की समीक्षा की गई ।जिलाधिकारी ने कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करें अन्यथा वरीय पदाधिकारी स्वयं कार्रवाई के लिए तैयार रहे।

पैक्स अध्यक्षों का शोषण बंद करे बिहार सरकार: नरेंद्र सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी/बेगूसराय/ संवाददाता प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पहसारा में नावकोठी एवं बखरी के पैक्स अध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई ।इस दौरान पैक्स अध्यक्षों को संबोधित करते हुए सहकार बैंक के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने कहा कि पैक्स का शोषण बंद करें बिहार सरकार ।सरकार एवं उनके मुलाजिम पैक्स अध्यक्षों को दुधारू गाय समझ बैठे हैं। यह हम बर्दास्त नही करेंगे। सरकारी नियमों के तहत धान अधिप्राप्ति में श्छळऊ धान भेजने हेतु अनिवार्य किया गया है जिस पर सरकार पुनर्विचार करे ।यह अफसरों की काली कमाई का जरिया है ।हम सेवा एवं सहयोग से समिति चलाते हैं। सरकारी मुलाजिम पैक्स अध्यक्ष को बिहार स्टेट फुट कारपोरेशन के गिरफ्त में देकर अध्यक्षों का शोषण करना चाहती है ।सहकारी बैंक के जिला उपाध्यक्ष कमल किशोर सिंह ने कहा पैक्स अध्यक्षों का शोषण के खिलाफ हम आंदोलन करेगें एवं इस नवीन समस्या की जानकारी जिलाधिकारी को देगें। बैठक में पैक्स अध्यक्ष संजीव कुमार,रणवीर कुमार,संजय कुमार, महेश महतों,राम सिंह, मनोहर कुमार,राजेश कुमार,देवेंद्र सिंह,कुंदन सिंह,पंकज कुमार आदि मौजूद थे।

?शिक्षा व्यवस्था का व्यवसायिकरण: गरीबों के लिए उच्च शिक्षा का सपना हुआ मुश्किलचंद्रकिशोर पासवान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगुसराय चंद्रकिशोर पासवान ने शिक्षा व्यवस्था सिस्टम को लेकर चिंता व्यक्त बड़ी नाराजगी जताई आजकल उच्च शिक्षा का खर्च इतना बढ़ गया है कि सिर्फ कुछ ही लोग इसे अफोर्ड कर सकते हैं। सरकारी संस्थानों में भी, जहाँ शुल्क कम होते थे, वहां भी समय-समय पर फीस वृद्धि होती रहती है। इसके कारण गरीब विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का सपना केवल सपना बन कर रह जाता है। यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है जब प्राइवेट संस्थानों में छात्रों से लाखों रुपये की फीस ली जाती है, जबकि गरीब घरों के लिए यह राशि बहुत बड़ी होती है ।प्राइवेट कॉलेज और विश्वविद्यालय अक्सर यह दावा करते हैं कि वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं, लेकिन कई बार यह सिर्फ एक दिखावा होता है। फीस की इतनी अधिक दरें होती हैं कि कई छात्र, जो अपनी मेहनत से उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, वे इसे अफोर्ड नहीं कर पाते। इसके बजाय, वे दूसरे रास्तों की ओर मुड़ते हैं, जैसे कि शिक्षा ऋण, जो भविष्य में उनके लिए और भी भारी बोझ बन जाता है ।व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली का सबसे बड़ा प्रभाव गरीब और निम्न आय वर्ग के छात्रों पर पड़ता है।

शादी की नीयत से भगाई गई लड़की बरामद

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी/बेगूसराय/ संवाददाताथाना क्षेत्र अंतर्गत वृन्दावन से भगायी गयी लड़की को पुलिस ने शनिवार को बरामद कर लिया है ।थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि उक्त लड़की को अज्ञात लोगों ने शादी की नीयत से बहला फुसलाकर भगा ले गया था ।इस संबंध में परिजनों ने थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी थी ।पुलिस की तत्परता से भगायी गई लड़की को मुंगेर से बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने बरामद लड़की को 183 के तहत बयान दर्ज करवाने के लिए न्यायालय भेजा है ।इस बरामदगी में पुअनि विश्वजीत कुमार सहित सशस्त्र पुलिस बल के जवान शामिल थे।

मारपीट के फरार वारंटी गिरफ्तार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी/बेगूसराय/ संवाददाताथाना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न कांडों के फरार वारंटी को समकालीन अभियान के तहत गिरफ्तार किया जा रहा है ।थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि समकालीन अभियान के तहत खोदावंदपुर थाना कांड संख्या 84/22 के फरार वारंटी अरुण सहनी पिता लक्ष्मी सहनी ग्राम नावकोठी को गिरफ्तार किया है ।इन पर मारपीट का मामला दर्ज था ।गिरफ्तार वारंटी को न्यायिक हिरासत में बेगूसराय जेल भेज दिया गया ।इस गिरफ्तारी में स्वयं थानाध्यक्ष दिनेश कुमार,एस आई रविंद्र प्रसाद एवं सशस्त्र पुलिस बल के जवान शामिल थे।

संक्षिप्त डायरी

शादी की नीयत से नाबालिग लड़की को किया अगवा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी/बेगूसराय/ संवाददाता थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव से शादी की नीयत से एक नाबालिग लड़की को अगवा कर लेने का मामला प्रकाश में आया है ।घटना के संबंध में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि वह लड़की एक स्कूल के पांचवें वर्ग की छात्रा है ।पिछले तीन जनवरी को वह पढ़ने गयी थी ।लेकिन कल शाम तक घर नहीं लौटी। परिजनों की चिन्ता बढ़ने लगी ।काफी खोजबीन के बाद भी पता नहीं चलने पर नावकोठी थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि अज्ञात लोगों ने शादी की नीयत से बहला फुसलाकर उसे अगवा कर लिया है ।परिजनों ने पुलिस से उसके खोज बीन करने की गुहार लगायी है ।थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर तहकीकात शुरू कर दी गयी है।

संवाददाता हुसैनगंज

शीतलहर का प्रकोप चालू हो गया है.

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज प्रखंड में जनवरी का महिना शुरू होते ही शीतलहर का प्रकोप चालू हो गया है. प्राथमिक से लेकर मध्य विद्यालयों में पठन? पाठन करने वाले छोटे छोटे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चें विद्यालय खुले होने के कारण प्रतिदिन सुबह 9 बजे से ही पहुंचने लगते हैं. इस जनवरी महिने में कपकपाती शीतलहर चल रही है. बच्चें ठिठुरते हुए विद्यालयों में शाम 4 बजे तक पढ़ाई करने के लिए रुकते हैं. विद्यालय से सुदूर जाने वाले छात्र व छात्रायें उसी शीतलहर में घर से आते जाते हैं. इस शीतलहर में सुबह में घर से निकलने के बाद विद्यालय जाने के दौरान कुहासे अधिक होने के कारण रास्ते दिखाई नहीं देता है जिसके कारण व्यस्त सड़कें पार करने में दुर्घटनायें होने का डर बना रहता है. वहीं अधिकांश बच्चों को मौसम ठंढ होने के कारण सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार सहित कई बिमारियाँ भी होना शुरू हो गया है. इस परिस्थिति में अभिभावकों ने शिक्षा विभाग व जिला प्रशासन से शीतलहर को देखते हुए विद्यालय बंद करने की मांग की है

लखनऊ में 4 सालों में सबसे कम ठंडा रहा दिसंबर

लखनऊ । कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पहाड़ों पर हुई बर्फबारी का असर शहर में देखने को मिल रहा है। बफीर्ली हवाओं ने गलन बढ़ा दी है। शुक्रवार तड़के 3 बजे लखनऊ का तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आज दिन का अधिकतम टेंपरेचर करीब 19 डिग्री रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार इस साल दिसंबर में सबसे कम ठंड पड़ी है। जनवरी और फरवरी महीनों में भी सर्दी कम पड़ने के आसार हैं। फिलहाल इसी तरह का मौसम बना रहेगा। धुंध और कोहरे का भी असर रहेगा। रात के तापमान में अभी और गिरावट दर्ज की जाएगी। दिसंबर के महीने में लखनऊ का तापमान सामान्य से अधिक गर्म रहा। न्यूनतम तापमान 2021 के बाद सबसे कम दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले कुछ दिनों तक पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते न्यूनतम और अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होगी। इससे लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिलेगी। गुरुवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 17.1 दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान से 3 डिग्री कम रहा है। न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान की तुलना में 0.4 डिग्री कम रहा।

छात्रों में स्वेटर वितरण मानवीय संवेदना का उदाहरण: विधायक सुरेंद्र

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के नारायनपुर कोठी स्थित जितेंद्र स्मारक इंटरमीडिएट कॉलेज में जाड़े की ठिठुरन को देखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ चालक और प्रधानाचार्य रामाश्रय प्रसाद ने 60 छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरित कराए।

क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा ने कहा कि विद्यालय परिवार ने गुरु-शिष्य परंपरा का पालन करते हुए उन बच्चों को स्वेटर उपलब्ध कराया है। उन्होंने विद्यालय परिवार को इस कार्य के लिए सराहना की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य रामाश्रय प्रसाद ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी ठंड को ध्यान में रखते हुए स्वेटर वितरण का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि य विद्यालय पिछड़े क्षेत्र में स्थित और यहां पढ़ने वाले अधिकत छात्र-छात्राएं आर्थिक रूप कमजोर परिवारों से आते हैं। इ अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष अजय राय, वरिष्ठ भाजपा नेता रामबृक्ष गिरी, सुनील उपाध्याय, अमरेश सिंह, योगेन्द्र कुशवाहा,विद्यालय परिवार के राजेन्द्र प्रसाद कुशवाहा, दिलीप कुमार सिंह,प्रेम कुमार तिवारी, विनोद कुमार शर्मा,दुर्गेश यादव , नीलेश शर्मा,प्रधान लिपिक संजय सिंह, आरती द्विवेदी, मो.अदालत, मोहनलाल, प्रवीण कुमार, रामायन प्रसाद सिंह, श्रवण कुमार सिंह, सुनील कुमार बनारसी शर्मा, अलीबास अंसारी आदि उपस्थित रहे।

साबित्री बाई फुले पुस्तकालय का हुआ लोकार्पण

संवाददाता

कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अन्तर्गत वार्ड नम्बर 22 महन्थ अवैद्यनाथ नगर सिसवा - महन्थ में साबित्री बाई फुले पुस्तकालय का लोकार्पण किया गया। जहां बालक - बालिका शिक्षा को लेकर पुस्तकों का संग्रह किया गया है। शुक्रवार को 19 वीं शताब्दी में नारी शिक्षा की अलख जगाने वाली सावित्रीबाई फुले की जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अवकाश प्राप्त शिक्षक गोरख सिंह ने कहा कि साबित्री बाई फुले ने महिला शिक्षा, लिंग समानता और सामाजिक सुधार के लिए आंदोलन किया जो अद्वितीय है। उन्होंने पहले लड़कियों के स्कूल की स्थापना की और अपने लेखन के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का कार्य किया। उनका समर्पण और साहस हमें प्रेरणा देता है। संचालन करते हुए महेश प्रसाद ने कहा कि सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी, 1831 को महाराष्ट्र के नायगांव गांव में हुआ था। वह एक असाधारण महिला थीं जिन्होंने अपना जीवन महिलाओं और दबे कुचले समुदायों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए बिताया। इस अवसर पर संजय कुमार सिंह, गणेश सिंह, योगेन्द्र, राम जनम, कन्हैया कुमार, इन्नर, राणा प्रताप, सोनू अंसारी, मथुरा, सुरेंद्र, अंश, अनीश आदि मौजूद रहे।

द्वितीय पुण्यतिथि पर याद किये गए एडवोकेट स्व0 जगदम्बा सिंह

संवाददाता

कुशीनगर। नपाप कुशीनगर अन्तर्गत महन्थ अवैद्यनाथ नगर स्थित श्री राधा कृष्ण मठ परिसर सिसवा - महन्थ चौराहे पर वरिष्ठ अधिवक्ता, राजनेता रहे स्व0 जगदम्बा प्रसाद सिंह की द्वितीय बपुण्यतिथि शिद्दत के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ठंड से बचाव को लेकर सैकड़ों जरूरत मन्दों में कम्बल बितरित किया गया। शुक्रवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में गणमान्य जनों और लोगों ने स्व0 सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। स्व0 सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूर्व महामन्त्री छात्र संघ बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय अशोक कुमार सिंह ने कहा कि स्व0 सिंह आमजन को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करते रहे। उन्होंने आजीवन बंचित, कमजोर व शोषित तबके के लोगों की सेवा की। सभासद विजेंदर सिंह उर्फ भगत सिंह ने कहा कि जगदम्बा सिंह मृदुभाषी, मिलनसार, हँसमुख व्यक्तित्व के धनी थे। प्रधानाचार्य महेश पासवान ने कहा कि अपने पूर्वजों को हमें याद करना होगा। शिक्षक गणेश पटेल ने कहा कि जगदम्बा सिंह जनता के सच्चे सेवक थे। वह दलितों व पिछड़ों की आवाज थे। सबका स्वागत, आभार स्व0 सिंह के सुपुत्र एड0 अजय प्रताप सिंह ने व्यक्त किये। पौत्र गण शौर्य प्रताप सिंह व धैर्य प्रताप सिंह, अभिनव सिंह सिसवा, डुमरी, खेदनी, मधवापुर, पिपराझाम में जाकर बुजुर्गों को कम्बल दिया। इस अवसर पर केदार सिंह, जयराम सिंह, अक्षयबर सिंह, राम गुलाब यादव, संतोष सिंह, अवधेश पासवान, रामअवध सिंह, सुदामा गोंड़, भरत शर्मा, रमेश प्रसाद, बलिकरन यादव, हदीश अंसारी, दिलीप गोंड़, रतन, रामप्रीत आदि मौजूद रहे।

स्व.हरेंद्र जायसवाल की पुण्यतिथि पर हुआ कंबल वितरण

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के जोकवाबाजार में समाजसेवी स्वर्गीय हरेंद्र जायसवाल की प्रथम पुण्यतिथि पर उनके परिजनों द्वारा जरूरतमंदों के लिए कंबल वितरण और सहभोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जायसवाल परिवार ने 50 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व विधायक गंगा सिंह कुशवाहा ने स्व. जायसवाल को याद करते हुए कहा कि वे मिलनसार और हरफनमौला व्यक्ति थे जो हमेशाी निर्बल और असहाय लोगों की मदद के लिए तत्पर रहते थे क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा ने स्व0 जायसवाल के परिजनों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जाड़े की ठिठुरन में जरुरतमंदों को कंबल प्रदान करना वास्तव में एक पुनीत कार्य है। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय इसे पिता की स्मृतियों को जीवं बनाए रखने का एक आदश उदाहरण बताया। भाजपा के जिल उपाध्यकपर दिवाकर मणि त्रिपाठी समाजसेवी अजय कुमार शुक्ला पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि पशुपतिना जायसवाल, ग्राम प्रधान प्रतिनि नागेंद्र गुप्ता ने स्व. जायसवाल वे कृतित्व और सकारात्मक सोच क प्रशंसा करते हुए कहा कि उनवे सामाजिक कार्य हमेशा उनकी या दिलाते रहेंगे। कार्यक्रम का संचाल कवि मनंजय तिवारी निर्मल किया। इस अवसर पर स्व जायसवाल के ज्येष्ठ पुत्र अनि जायसवाल ने आगंतुकों का स्वागत और आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में परिजनों ई. अभिमन्यु जायसवाल, बलिराम जायसवाल, गोरख जायसवाल, अभय जायसवाल, अशोक जायसवाल, स्वतंत्रता सेनानी आश्रित संगठन के जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र उपाध्याय, ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कुशवाहा, डा.कन्हैया शर्मा, ग्राम प्रधान मनोज पाण्डेय,प्रमोद शुक्ला, रमेश राय, उपेंद्र पांडेय, कबिंद्र राय, सुनील तिवारी, सुबोध त्रिपाठी,संजय श्रीवास्तव, कृष्णा उपाध्याय, राजू, अशोक कुमार शुक्ला सहित सैकड़ों लोगों ने स्व. जायसवाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

सीलिंग में गई जमीन तो बेच दी करोड़ों की मिट्टी

गोरखपुर । दो तहसीलों में सीलिंग के गाटों को प्रशासन ने सार्वजनिक किया था। जैसे ही गाटे सार्वजनिक हुए, उनपर कब्जा करने वालों को इस बात की आशंका हो गई कि जमीन उनके हाथ से जा सकती है। इसके बाद कब्जेदारों ने जमीन से मिट्टी निकालकर बेचनी शुरू कर दी। सदर तहसील के भटहट का जंगल हरपुर गांव हो या चौरी चौरा का मलमलिया, दोनों जगह करोड़ों की मिट्टी बेच दी गई और तहसील प्रशासन को उसकी भनक नहीं लगी। जंगल हरपुर में प्रधान ने सीडीओ, एसडीएम से लिखित शिकायत कर जांच की मांग की है। डीएम के निर्देश पर पहले चौरी चौरा व एक महीने बाद सदर तहसील में सीलिंग के गाटों को सार्वजनिक किया गया था। इसका उद्देश्य यह बताया गया था कि सील-7, वह रजिस्टर जिसमें सीलिंग के गाटा दर्ज होते हैं, को अपडेट किया जाएगा। गाटा सार्वजनिक होने के बाद जिसके पास कागज था, उन्होंने सीलिंग मुक्त करने के लिए आवेदन दिया और जिसके पास पुख्ता प्रपत्र नहीं थे, वे पैसा कमाने में जुट गए। मलमलिया में 40 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में मिट्टी खनन कर लिया गया तो जंगल हरपुर में भी 10 एकड़ से अधिक जमीन खोदी गई है। खोदकर म्टिी बेच दी गई और तालाब बनाकर मछली पाली जा रही है। जंगल हरपुर की ग्राम प्रधान कुसमावती देवी ने एसडीएम सदर से शिकायत कर जांच की मांग की है। उनकी शिकायत पर 21 दिसंबर को पैमाइश कराने का निर्देश कानूनगो को दिया गया था। एक सप्ताह में पैमाइश पूरी करनी थी लेकिन अब तक यह काम नहीं हो सका। ग्रामीणों में इस बात की चर्चा है कि अभी तक कानूनगो तक फाइल ही नहीं पहुंची है। शिकायत में 25 एकड़ जमीन का जिक्र किया गया है लेकिन मामला 40 एकड़ से अधिक का है। प्रधान ने बताया कि उनके यहां स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज दो के तहत रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) एवं परफार्मेंस ग्रांट के तहत आंगनबाड़ी केंद्र बनाया जाना है। लेकिन इसके लिए जमीन नहीं मिल पा रही है। बंजर, सीलिंग व सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा है। समय से काम न होने के कारण ग्राम पंचायत सचिव का इस मामले में वेतन भी बाधित किया गया था। राजस्व अभिलेख में अराजी नबर 482 में बंजर एवं अराजी 137 में नवीन परती व 25 एकड़ सीलिंग दर्ज है। इन जमीनों पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा किया है।

गन्ना प्रतियोगिता में रामकोला को तीसरा स्थान

संवाददाता

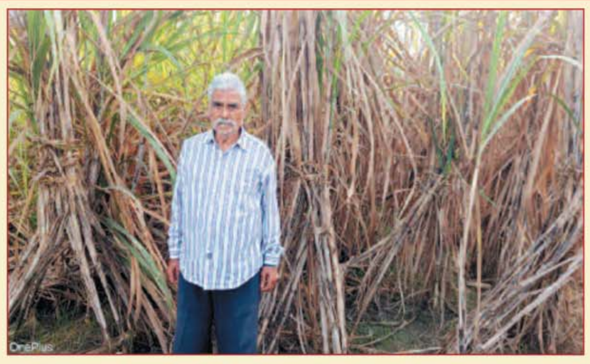

कुशीनगर। जिले के रामकोला विकास खण्ड के ग्राम कुसम्हा के किसान इन्द्राशन सिंह ने राज्य गन्ना प्रतियोगिता वर्ष 2023-24 में एक एकड गन्ना क्षेत्रफल में 456 कुन्तल (1139 कुन्तल प्रति हेक्टेयर) उपज प्राप्त कर प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। यह जानकारी उ0प्र0 गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र-पिपराइच गोरखपुर के गन्ना कृषि विशेषज्ञ ओम प्रकाश गुप्ता ने दी। श्री गुप्ता ने बताया कि गन्ने की अधिक उपज प्राप्त करने के लिए, कृषकों में प्रतिस्पर्धा लाने के लिए गन्ना विकास विभाग प्रति वर्ष गन्ना प्रतियोगिता का आयोजन करता है। अधिकारियों की देखरेख में किसान के खेत पर जाकर गन्ना फसल कटिंग की जाती है, कटाई के परिणाम के आधार पर विजेता घोषित किया जाता है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए किसान को फॉर्म भरना पड़ता है। कुशीनगर जिले में 2 लाख से अधिक गन्ना कृषक है। ओमप्रकाश गुप्ता ने राज्य गन्ना प्रतियोगिता में विजेता किसान श्री इंद्रासन सिंह से अधिक उपज प्राप्त करने के उपाय पर बातचीत की, इस दौरान किसान ने बताया कि हमारे पास कुल 14 से 15 एकड़ खेत है जिसमें प्रतिवर्ष 12 से 13 एकड़ में करना होता हूं। गन्ना प्रजाति को. से. 8452 थी। ट्रेन्च विधि से नवंबर में गन्ना बोया गहरी जुताई की, तीन ट्राली गोबर की खाद दिया, बुवाई के दिन नाली में एक एकड़ खेत में 75 किग्रा डी.ए.पी., 30 किग्रा पोटाश, 15 किग्रा यूरिया दिया। चार बार सिंचाई किया, तीन बोर यूरिया दिया। चार बार गुड़ाइ किया, मिट्टी चढ़ाया, बधाइ किया, हमारे लड़के सूरत सिंह खेती में सहयोग करते हैं, मेरा ट्रैक्टर है। हमारे गांव के स्कूल में गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र गोरखपुर द्वारा गोष्ठी का आयोजन किया गया था, उससे मैं प्रभावित हुआ प्रतिवर्ष लगभग 4 से 5 लाख का गन्ना बेचता हूं वर्ष 2014 में सेवानिवृत्ति हुआ हूं। मेरी यही इच्छा है कि 500 से 600 कुंतल एकड़ उपज लूं लगभग 40 से 50 हजार रुपया प्रति एकड़ गन्ने की खेती में खर्च आ रहा है, मजदूर नहीं मिल रहे हैं, बड़े किसान परेशान है। राज्य गन्ना प्रतियोगिता में तृतीय स्थान पाने पर ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक रामकोला पंजाब श्री राजेंद्र प्रसाद जिला गन्ना अधिकारी डी.के. सैनी उप गन्ना आयुक्त देवरिया श्री ए.पी. सिंह, प्रधान प्रबंधक चीनी मिल श्री यशराज सिंह, कारखाना प्रबंधक श्री मानवेंद्र राय, प्रधान प्रबंधक गन्ना सुनील दत्त यादव, गन्ना प्रबंधक श्री संजय कुमार त्रिपाठी ने धन्यवाद दिया। गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र पिपराइच गोरखपुर इनको अध्ययन यात्रा में भेजेगा।

डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर - एक सोच

करीब दो सौ साल से गुलामी की जंजीरों में जकड़ा भारत न सिर्फ. गुलामी बल्कि अन्य कई प्रकार की कुरीतिओं की बेड़ियों में भी जकड़ा था। समाज का ढाँचा कुछ ऐसा था की जो लोग निम्न जाति के था उनका शोषण बढ़ता ही जा रहा था। हालाँकि उस समय कुछ ऐसे समाज सुधारक हुए जिन्होंने इन कुप्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाई और उन्हें दूर करने का प्रयास भी किया जैसे राजा राम मोहन रॉय और सावित्री बाई फुले आदि। इन लोगों नें सती प्रथा, छुआ छूत को खत्म करने और नारी शिक्षा को बढ़ावा देने का प्रयास किया। इन्हीं नामों में एक और नाम था डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर का , जिन्होंने समाज की इन विसंगतियों को काफी करीब से देखा और पुरजोर विरोध किया।

डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर एक समाज सुधारक, राजनीतिज्ञ और दूरद्रष्टा थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज में व्याप्त कुरीतिओं और विषमताओं को दूर करने में लगा दिया।उन्होंने कई धर्म ग्रंथों का गहन अध्ययन किया और मानवता को ही सबसे बड़ा धर्म माना।उन्होंने देश और समाज के कल्याण के लिए समाजिक और धार्मिक समानता को सर्वोपरी रक्खा।

आजादी के पहले भीमराव आम्बेडकर का जन्म एक गरीब दलित परिवार में हुआ था। तब हमारे समाज में कई कुरीतियाँ फैली हुई थीं। अस्पृश्यता, छूआछूत और वर्ण भेद के कारण समाज कई टुकड़ों में बँटा था। दलितों और नीची जाति के लोगों का शोषण होता था और वो समाज की मुख्य धारा से कटे हुए थे। धर्म के नाम पर कर्मकांड और आडम्बर का बोलबाला था। अशिक्षा, बाल विवाह और सती प्रथा जैसी कुरीतिओं के कारण नारी की स्थिति काफी खराब थी और उन्हें शिक्षा और अपनी बात रखने जैसे मौलिक अधिकार से भी वंचित रक्खा जाता था।

दलित जाति के होने के कारण भीमराव आम्बेडकर को अस्पृश्यता और असमानता के कारण अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। शिक्षित होने के बावजूद कई बार उन्हें अपनी दलित पहचान छिपानी भी पड़ी। परंतु इन सब के बावजूद भी भीमराव जी नें कठिन परिस्थियों से जूझते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त की ताकि वो समाज की इन कुरीतिओं के खिलाफ आवाज उठा सकें। उन्होंने समाज में फैली इस असमानता का पुरजोर विरोध किया और उस कट्टरपंथी विचारधारा से अलग हटकर समाज के लिए अपनी एक अलग सोच रक्खी। वे वर्ण व्यवस्था के खिलाफ थे और समाज के सभी लोगों को एक समान अधिकार और अवसर मिलने के पक्षधर थे। उनका मत था की बिना सामाजिक समानता, शिक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता के कोई देश विकसित हो ही नहीं सकताऔर यहीं से जन्म हुआ एक उदारवादी और मानवीय सोच का।

यह वो समय था जब भारत आजाद हो चुका था लेकिन अब भी हमारा देश जाति, वर्ण और धर्म के नाम पर बँटा हुआ था। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर नें देश को एक सूत्र में बाँधने की सोंची और भारत की एक ऐसे राष्ट्र के रूप में परिकल्पना की जहाँ जात-पात और छुआ-छूत से परे हटकर हर व्यक्ति को एक समान अधिकार प्राप्त हो और समाज के हर वर्ग के लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ प्रेम और सद्भाव के साथ रह सकें।

वो भारत को एक ऐसा राष्ट्र बनाना चाहते थे जहाँ हर व्यक्ति को अपने धर्म को मानने की स्वतंत्रता हो और साथ ही साथ दूसरे धर्मों का भी आदर कर सकें। उन्होंने कहा था धर्म मनुष्य के लिए है न की मनुष्य धर्म के लिए।

उनकी सोच लोगों को कट्टरपंथी विचारधारा से दूर करनें, सभी धर्मों को सहिष्णु बनाने और मानवता और बंधुत्व से जोड़ने की थी।

उन्होंने शिक्षा को किसी भी देश की प्रगति का आधार माना और उसे सर्वोपरि रक्खा। उनके अनुसार एक शिक्षित समाज ही संगठित रह सकता है और अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है। उन्होंने न सिर्फ पुरुषों बल्कि नारी शिक्षा को अति आवश्यक माना। उनका मानना था की कोई भी समाज तभी शिक्षित हो सकता है जब उस समाज की महिलाएँ शिक्षित हों।उन्होंने कहा था मैं एक समुदाय की प्रगति को उस डिग्री से मापता हूं जो महिलाओं ने हासिल की है। उनकी सोच पुरुषों और महिलाओं को समानता का अधिकार और अवसर देने की थी।

रीना सिन्हा सलोनी

शिक्षा के साथ साथ उनकी सोच मानवता, समानता और बुद्धि के विकास की थी। उन्होंने कहा था बुद्धि का विकास मानव के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। विचारों में उन्नति और नयापन को उन्होंने देश की प्रगति का आधार माना था।

भीमराव आम्बेडकर जी की इन्हीं सोच नें आजादी के बाद मूर्त रूप लिया और उन्होंने भारत को एक आदर्श और प्रगतिशील राष्ट्र बनाने के लिए इसके संविधान की रचना की। इस संविधान में भीमराव आम्बेडकर जी नें भारत के नागरिकों के सभी अधिकारों के साथ साथ उनके कर्तव्यों का भी उल्लेख किया है। इस संविधान में उन्होंने बताया कि देश को सुचारू रूप से चलाने के लिए चुनाव व्यवस्था, सरकार का गठन और न्याय प्रणाली कैसी होनी चाहिए। इस संविधान में उन्होंने देश को एक ऐसी लोकतांत्रिक प्रणाली दी जिसके आधार पर भारत एक गणराज्य बना।

इस प्रकार आज का भारत भीमराव आम्बेडकर के सपनों का भारत है। यह उनकी सोच का ही परिणाम है की आज भारत विश्व के प्रगतिशील राष्ट्रों में एक है। उनकी समानता की पक्षधर और मानवतावादी विचार धारा हर युग में प्रासंगिक है और हम सबको प्रेरणा देती रहेगी ।

अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो

नारी विमर्श या नारी मुक्ति की बात केवल समाज के छोटे-छोटे वर्गों में हीं नहीं पूरे देश के लिए चिंतन का विषय है। क्योंकि आज के बदलते सामाजिक परिप्रेक्ष्य में एक पूरे ढाँचे में बदलाव की आवश्यकता है। जहां महिलाओं के लिए क्षितिज का कोइ कोना अछूता नहीं रहा, वहां पुरुष वर्ग अभी भी अपनी रूढ़ियों से जकड़ा खडा है।समय बदल रहा है। समाज के नियम भी बदल रहे हैं जिसमें महिलाओं की सशक्त भूमिका है। जो घर परिवार और कार्यस्थल दोनों संभालती हैं, बच्चों की शिक्षा दीक्षा ,घर प्रबंधन ,व्यवसाय से लेकर सामाजिक,,राष्ट्रीय समस्याओं के सही सटीक समाधान ढूंढ पाने में वे अग्रणी रही हैं। फिर कमी कहाँ रह गयी उनके चरित्र में?आज पुरुष स्त्री को अपने समकक्ष खडा करा पाने में संकोच का अनुभव करता है.,या यों कहें की उसका अहम्‌ प्रभावी हो जाता है। हमारे देश में महिलाओं ने विकास के रास्ते स्वयं तलाशे हैं। यदि श्रम किया है तो साथ साथ, उद्योग हो या शिक्षा या सृजन सबमे अपनी उपस्थिति दर्शाई है और पुरुषों ने उनका साथ भी दिया है।पर यहाँ महिलाओं का संघर्ष भी है,उपेक्षा भी है, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता. इस देश की माटी में पली बढ़ी, जिन्दगी की जद्दोजहद से जूझती इन भुमिसुताओं पर हमें गर्व है। इनकी कठिन परिस्थितियों में भी संघर्ष करते रहने की जिजीविषा हमें चमत्कृत करती है.। पर जब छोटी सी उम्र में कलम थामने वाले हाथों में झाडू थमा दी जाती है,और अनथक दिन रात परिश्रम करते रहने के लिएमजबूर कर दी जाती हैं,उनके सपनो की उड़ान के पंख कतर दिए जाते हैं, तो मन रो उठता है. आये दिन समाचार पत्रों ०टेलीविजन चैनलों पर किसी न किसी बेटी की पीड़ा, दर्द ०बेबसी की अनगिनत कहानियां यत्र तत्र बिखरी नजर आती हैं। कभी उन्हें नौकरी व पढाई के नाम पर सुदूर जगहों पर भेज दिया जाता है जहां उनका शोषण कर उन्हें प्रताड़ित किया जाता है,यातनाएं दी जाती हैं,। अगर उनके विरोध में कहीं कोई दबी आवाज उभरी भी तो कुछ दिनों तक प्रेस में ,मीडिया और मुट्ठी भर बुद्धिजीवियों के बीच विमर्श का मुद्दा बनी बेटियाँ आंसू बहाने के सिवाय कुछ नहीं कर पातीं.और सरकार कुछ मुआवजा या दोषियों को दो तीन महीनो की सजा दे अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाती है। और फिर एक नई यातनाकी कहानी का जन्म होता है. आखिर कब तक?..और कितनी कविताओं की बलि चढ़ेगी?क्या हमारा समाज कभी अपनी सोच बदलेगा?..बेटियाँ जो किसी का अभिमान ,किसी के माथे का तिलक बनगौरव ० साहस का नया इतिहास लिख सकती हैं । उन्हें प्रताड़नाओं के दौर से कब तक गुजरना पडेगा. उन्हें ईमानदारी ,और दृढ़ संकल्पों के साथ शिक्षित और जागरुक बनाने की ठोस कोशिश क्यों नहीं होती?केवल ''बिटिया वर्ष मनाकर , या साइकिलें बाँट कर,' मिड दे' मील खिला कर, कुछ पुरस्कार देकर ही हमारे कर्तव्य पूरे हो जाते हैं? 'क्या यही है हमारी बेटियों का भविष्य? जबकि हमारा प्रदेश 'बेटी बचाओ और बिटिया वर्ष'' मना रहा है ,हमारे पास एक पल यह सोचने की भी फुरसत नहीं कीहम कौन सी दुनिया में जी रहे हैं? बाहर तो हैवानियत का तांडव है ही पर अपने ही घर में छुपे इन नर पिशाचों से कौन बचाएगा उन्हें? भारत में रहने वाले,उसकी संस्कृति से प्यार करने वाले लोग अपनी सोच और विचारों को बदलिए।हम आदिम युग में नहीं रहते,बल्कि एक सभ्य शिक्षित समाज में रहते हैं। नई जागृति, नए विकास और प्रगति की दिशा में बढाया गया हमारा एक एक कदम व्यर्थ है जबकि हम अपनी ही आधी आबादी सबल और सशक्त पक्ष नारी को उनके जीवन की ही सुरक्षा नहीं दे सकते। फिर हम किस विकास की बात करते हैं? नई नई घोषणाओं .उद्घाटनों से पहले अपने प्रदेश की बेटी को बचाने के लिए कृत संकल्प हों ,ईमानदारी के साथ,गंभीर कदम उठायें ताकि हम विश्व के फलक पर गौरान्वित हो सके।.यदि इसी बहाने कोई बदलाव ,जागृति, नई विचार धारा की लहर बन सके तभी ''बेटी वर्ष के नारे की सार्थकता है.। अभी दिल्ली में घटित ''दामिनी 'के प्रति पूरे देश ने जिस एकजुटता और साहस का परिचय दिया वह स्तुत्य है।एक बेटी को न्याय मिला ,पर अभी देश की और भी महिलाएं, बेटियां न्याय की प्रतिक्षा में हैं ,हमें उनका भी साथ देना होगा ,अन्याय के खिलाफ इस लड़ाई में हम सब आपके साथ होंगे. यद्यपि यह बात सभी पर लागू नहीं होती । कुछ शिक्षित परिवारों में सचमुच पुरुषों ने ही महिला को विकास का मार्ग दिखाया है,सफलता के रास्ते तलाशे हैं पर केवल कुछ मुट्ठी भर जागरूकता से आदर्श समाज नहीं बनाया जा सकता। पर निराश व हताश होने की आवश्यकता नहीं वर्षों की जमी धूल जरूर हटेगी ,आशाओं और उम्मीदों का सूरज जरूर निकलेगा, और एक दिन नारी अपने पद की गरिमा और ऊंचाईयों को अवश्य छुएगी।. उम्मीद जगाये रखें।तभी महिला दिवस मनाने और उसका सम्मान अक्षुण बनाये रखने की कोशिश साकार होगी और हमारी बेटियां गर्व से कह सकेंगीअगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो।

पद्मा मिश्रा

नरेश अग्रवाल

हां तुम स्त्री हो

पूनम शर्मा स्नेहिल

कितना आसान है ना स्त्री के तन को देखकर यह सोचना की यह ऐसी है या यह वैसी है
पर क्या कभी स्त्री के मन को टटोल पाए हो क्या कभी जानने की कोशिश की है कि
उसके भीतर कितना द्वंद्व चलता है कई घरों में मौन सी बैठी स्त्री अपने मन की बात खुलकर कहना भी जरूरी नहीं समझती क्योंकि उसकी भावनाओं को उसकी तरह समझने के लिए कोई मौजूद ही नहीं होता ऐसे तमाम लोग जो स्त्री पर न जाने क्या-क्या पंक्तियां लिखते हैं। शायद उन्हें खुद अपने घर में बैठी स्त्री की मनोदशा का विवरण नहीं पता होगा ।
परंतु सब कुछ चल रहा है एक शांत नदी की तरह बहती हुई जब तक स्त्री बिना विरोध किए।
सब कुछ सभी के अनुसार करती चली जाती है
तब तक उसे कभी गाय की तो कभी सीता, तुलसी, गंगा यमुना ,ऐसे न जाने कितनी उपाधियां दे दी जाती हैं ।
परंतु वही स्त्री अगर सही और गलत के मापदंड को तोलते हुए अपनी आवाज उठाती है या किसी बात का विरोध करती है तो उसे सर्वप्रथम घमंडी, बदतमीज, मुंहफट ,चरित्रहीन, ऐसे ना जाने कितने सारे शब्द हैं समाज में जिससे उसे संबोधित किया जाता है।
पहली बात स्त्री एक कोमल सा मन रखने वाली जीव के रूप में ही है वह निर्जीव नहीं है जिसे कभी किसी बात से आहत ही ना हो।
जैसे पानी अपने आप में कई रूप लिए हुए हैं। कहीं का पानी शुद्ध है ,तो कहीं का अशुद्ध ,कहीं का नमकीन है ,तो कहीं का मीठा और कहीं का तो इतना खारा और इतना विशुद्ध जिसका वर्णन भी संभव नहीं है। परंतु उसे पानी के नाम से ही जाना जाता है । उसके आगे उसकी गुणवत्ता को बिना उसे जांचे परखे नहीं जोड़ा जाता ,परंतु स्त्री को तो अपनी सुविधा के अनुसार जब जैसी इच्छा हो लोग नामकरण करके जोड़ देते हैं। किसी चीज की उपमा बनाना एक अलग बात होती है परंतु किसी चीज को वास्तविकता में , समझना जिस रूप में प्रकृति ने उसे धरा पर भेजा है ,क्या यह कार्य इतना आसान है जो चंद शब्दों में कोई इसे पिरो सकता है। मैं एक स्त्री होकर स्त्री के समस्त रूपों का वर्णन नहीं कर सकती, क्योंकि कहीं मैंने इसको दुर्गा के रूप में देखा है तो कहीं काली लेकिन हां एक बात स्पष्ट रूप से समझ में आई है कि यह दुर्गा भी तभी बनती है जब सामने वाला इसे दुर्गा रूप में देखना चाहता है। जब सामने वाला इसके चंडी रूप को निकालने पर विवश करता है तो स्त्री ना चाहते हुए अपने ममता के रूप को छोड़कर चंडी रूप भी धारण करती है ,और इसका आशीष उसे ईश्वर ने प्रदान किया है, कि तुम अपने समय और परिस्थिति के अनुसार अपने रूपों को परिवर्तित करो ।बिना यह सोचे हुए की सामने वाला तुम्हें किस नाम से संबोधित करेगी।
नाम के संबोधन से तुम्हारे स्त्री होने पर प्रश्न चिन्ह तो है ही नहीं ,क्योंकि तुम ईश्वर की बनाई हुई कीर्ति स्त्री रूप में ईश्वर की इच्छा से धरा पर लाई गई हो,और ईश्वर ने तुम्हें जो तुम्हें लोगों को पहचानने की भिन्न शक्ति प्रदान की है वह तुम्हारी सुरक्षा के लिए की है। तो सिर्फ किसी के शब्दों को सुनकर यह सोचना कि वह क्या कहेगा वह क्या सोचेगा । इस मयार्दा से थोड़ी सी बाहर आ जाओ ।
हां तुम स्त्री हो
कल भी स्त्री थी
आज भी स्त्री हो
और कल भी स्त्री ही रहोगी।

बेड-टी

रंजना वर्मा उन्मुक्त

सरला का देवर और सासू माँ का लाडला बेटा छोटू की शादी संपन्न हो गई थी। वह बेहद खुश थी कि संयुक्त परिवार में कभी न खत्म होने वाले घर के कामों में उसका हाथ बटाने वाली उसकी देवरानी अब घर में आ गई थी। उसने देवर की शादी से पहले ही यह ऐलान कर दिया था कि वह अब सुबह की चाय नहीं बनाएगी। चाय बनाने में उसे कोई परेशानी नहीं थी। लेकिन चाय बनाकर घर के एक-एक व्यक्ति को खोज-खोज कर चाय देने में उसकी हालत खराब हो जाती थी।
वह बिस्तर छोड़ने की तैयारी कर ही रही थी कि उसे रसोई में कुछ खटपट सुनाई दी।
' नई बहू चाय बना रही है।'... उसकी तो बाँछे खिल उठी। वह लगभग दौड़ते हुए रसोई घर में पहुंच गई। लेकिन वहाँ सासू माँ को देखकर वह आश्चर्यचकित रह गई। सासू माँ चाय बना रही थी।
सासू माँ, आप चाय बना रहीं हैं?
हां, अभी छोटू ने मुझे बताया कि नई बहू को बिना बेड-टी के सुबह आँखें ही नहीं खुलती।

पसंदीदा टैरेस

सविता गुप्ता-स्वरचित

शर्मा दंपति अपना रिटायर्ड जीवन प्लान के अनुसार बड़े ही सुकून से अपने नये विशाल से चार कमरों के मकान में बीता रहे थे।दोनों बच्चे वेल सेटल्ड थे और दिल्ली में अपने -अपने परिवार के साथ खुश थे।
सुबह की ग्रीन टी का मग शर्मा जी सुधा जी को थमाते हुए कहा ह्लआज तुम्हारा ये नया मग मैंने निकाल दिया चार साल से पैक थे बेचारे आज मैंने इन्हें आजाद कर दिया ह्वदोनों खिलखिला पड़े।प्रतिदिन टैरेस पर बैठ पहाड़ी के पीछे से सूर्य देव को उगते देखना शर्मा दंपति का पसंदीदा पल होता था।आस -पड़ोस ,दोस्तों के साथ मिलना जुलना, योग करना ,टहलना सब कुछ एक सफल खुशनुमा जीवन. जैसा प्लान किया था गुजर रहा था।
जैसा कि होता है भगवान के घर कभी दोनों साथ नहीं जा पाते वही हुआ शर्मा जी बाजी मार गए।बच्चे सुधा जी के लाख मना करने पर भी अपने साथ ले गए।लेकिन गुजरते समय के साथ अपने बच्चे ही सुधा जी को पराए से लगने लगे।सभी अपने- अपने काम में व्यस्त।काफी कोशिशों के बावजूद जमाने के अनुसार सुधा जी चल नहीं पा रही थी।उन्हें बच्चों के भरे पूरे घर में भी घुटन सी होने लगी बच्चों के बीच भी अकेलापन उन्हें साल रहा था। दो साल बच्चों के पास रहकर आज अपने पसंदीदा टैरेस पर आजाद पक्षी की तरह बैठ शर्मा जी के मग में चाय पीते हुए सुधा जी उनकी शॉल को कस कर लपेट लेती हैं।

मैं ये जीवन वार दूंगी

चन्दन अंजू मिश्रा

तेरे स्वप्नों से परे हो ,
तुमको इतना प्यार दूंगी।
साथी तुम बस पग बढ़ाना,
मैं ये जीवन वार दूंगी ।।

अपनों के तानों के कंटक, संग मिलकर हम चुनेंगे ।
रेशा रेशा हो समर्पण, ऐसी एक डोरी बुनेंगे ।।
तुम बनना दर्पण मेरे, मैं बनूं छाया तुम्हारी ।
पेड़ पौधे और लताएं, गायेंगे गाथा हमारी।।
प्रेमालिंगन दो जो मुझको,
बदले ये संसार दूंगी।
साथी तुम बस पग बढ़ाना,
मैं ये जीवन वार दूंगी ।।

सारे अश्रु मुझको देकर, ले लो सारी खुशियाँ मेरी।
तुम्हारा वर्णन मुख करे क्या, बोलती हैं अँखियाँ मेरी।।
गठबंधन बांधा साजन, सब हुआ तुमको समर्पित।
हृदय पुष्प प्रेम का सादर ,कर रही हूं तुझको अर्पित।।
स्वांस तन मन पर अपने,
तुमको ही अधिकार दूंगी ।
साथी तुम बस पग बढ़ाना,
मैं ये जीवन वार दूंगी ।।

भीगे इन नयनों ने की है, वर्षों इस क्षण की प्रतीक्षा ।
मांग मेरी सिंदूरी करके, पूर्ण कर दो मेरी इच्छा ।।
हरियाली न लाती बरखा, सूखे सूखे बीते सावन।
अब मिलन की साक्ष्य होगी, हवन की अग्नि ये पावन।।
फूलों की वरमाला जो दो,
मैं बाहों का हार दूंगी।
साथी तुम बस पग बढ़ाना,
मैं ये जीवन वार दूंगी ।।

सजल

वसंत जमशेदपुरी

संकट के काले धाराधर।
मानवता पर बरसे जम कर।

लूट-पाट फिर नंगा नर्तन।
किया उपद्रव तम ने मन भर।।

शांतिप्रियों के काले करतब।
दुनिया ने देखे टी.वी.पर।।

जाति-जाति का शोर मचाते।
घोड़ों की महफिल में खच्चर।।

कपट-वेश मानव का धारे।
निशिचर नेता हैं कुछ मनहर।।

पहचानो तो बच पाओगे।
वरना नयन झरेंगे झर-झर।।

देख अनय जो चुप बैठे हैं।
भू से उन्हें उठा लो प्रभुवर।।

संवेदना

रीना सिन्हा सलोनी

बीमार थी वो.. बहुत बीमार
अवसाद से घिरी,
पल-पल अकेलापन
साँस-साँस घुटन,
कहना चाहती थी वो अक्सर
मन की बात,
घर के खिड़की दरवाजों से
आईनों से.. दीवारों से..
अपनों से भी..
पर खुलकर न कह पाई कभी कुछ..
एक दिन निकल आई
कंक्रीट के जंगलों से दूर.. बहुत दूर
बैठी रही देर तक,
नदी, पहाड़ , हवा, बादल को निहारती,
मूक थे वो सब, खामोश थी वो भी,
बिन कुछ कहे
उसने सुनी नदी,पर्वतों की व्यथा,
महसूस किया हवा, बादल और धरती का दुख.
दुख नें दुख से बात की
संवेदना पढ़ ली गई..
धरती और पर्वत नें हाथ पकड़ा
बादल हवा उड़ा ले गए अकेलापन
नदी बहा ले गई व्यथा
अब काफी बेहतर है वो..

हादसे कुछ-कुछ.. ऐसे हो गए

मनीष सिंह वंदन

हादसे कुछ-कुछ...ऐसे हो गए
हम समंदर से.....गहरे हो गए

सुनकर...अनसुना कर देता हूं
लोग कहते हैं.....बहरे हो गए

कभी हम भी...हवादार घर थे
आज...सीलबंद कमरे हो गए

पहले खास.....फिर आम हुए
और धीरे-धीरे..ऐरे-गैरे हो गए

खुद से रूठा..खुद को मनाया
अपन...सरकारी नखरे हो गए

यह सही है कि बहक गया था
फिर जैसे थे हम...वैसे हो गए

जमाने के तानों ने इतना मारा है
आंसू पी-पीकर अधमरे हो गए

समय ने छेड़ी ऐसी तान प्यारी
मुरझाए फल फिर..हरे हो गए

चश्में बांटकर मुसीबत खरीदी
खुद पर ही 'वंदन' पहरे हो गए ।।

चुनाव

विजय नारायण सिंह 'बेरुका'

इस चुनाव में कितने हारे
चौंक गए हैं पंडित सारे,
धाकड़-धाकड़ नेता प्यारे
हार चुनाव गए बेचारे।

जनतंत्र में जन होता है
हर जन का इक मन होता है।
जिसने जन के मन को जीता,
जंग चुनावी उसने जीता

जो विजयी बन कभी न आया
उसने निज विश्वास गँवाया
फिर चुनाव में खूब लुभाया
पर जनता के मन ना भाया,

जनता ही सरकार बनाए
चाहे जिसका रंग जमाए
लोकतंत्र में मालिक जनता
राजा भी है सेवक बनता

जो जनता का काम करेगा
जो जनता के बीच रहेगा
जो दुख-सुख में रहे 'बेरुका'
प्रतिनिधि वही बने जनता का

शाम की चाय

मंजूषा जयसवाल

चाय के कप से उठते हुए धुंए में
उभरती हैं कुछ आकृतियाँ
दिन भर का सब किया-कराया
परिश्रम, सर्मपण, दृढ़ता
(थोड़ा आलस, थोड़ी जालसाज़ियां)
कुछ खिलखिलाते, कुछ टीस भरे पल,
कामयाबियां, नाकामियां
राहतें, परेशानियां
सुकून, बेचैनियाँ
जवाब, सवाल
आभार, मलाल
शांति, अशांति
सुबह से शाम तक की
सारी क्लांति-
सबकुछ उस धुंए में
एक आखरी सांस लेकर
अधरों पर एक मुस्कान बनकर
बिखर जाता है।
दौड़ती, भागती, तपती,
दिनचर्या में उलझी ज़िंदगी,
चाय की गर्माहट में ही
ठंडक तलाशती है।
उंगलियों के बीच फंसे प्याले में
चाय धीरे धीरे ठंडी होती है।

उम्मीद

प्रियंका कुमारी

नव वर्ष यूं ही नहीं आना,
आना तो संग कुमुदिनी लाना।
वर्षों से तरसे नैना मान बढ़ाना,
बुझे हैं सपने फिर से उन्हें जगाना।
नव वर्ष यूं ही नहीं आना,
आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

भोर है पर ;उजाले नहीं,
जलते हैं पर छाले नहीं,
भोजन है पर निवाले नहीं,
टूटी कड़ियों को फिर से जुड़वाना।
नव वर्ष यूं ही नहीं आना,
आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

व्यंग बाण का तीर चला है,
तुम ही बता कौन भला है ,
बिन विस्फोट ये मन जला है ,
मत करना कोई बहाना।
नव वर्ष यूं ही नहीं आना,
आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

मांगा नहीं मखमल था मैंने,
कोई मन नहीं दुखाया था मैंने,
कोई दीप नहीं बुझाया था मैंने,
आकर सही राह दिखाना।
नव वर्ष यूं ही नहीं आना,
आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

है अर्पित राष्ट्र को,
है समर्पित राष्ट्र को,
सेवा और सम्मान को,
जनहित राष्ट्रहित को पहचाना,
नव वर्ष यूं ही नहीं आना,
आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

रियलमी ने भारतीय ई-स्पोर्ट्स परिदृश्य में क्रांति लाने के लिए क्राफ्टन इंडिया के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली।

भारत के गेमिंग उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसने देश को वैश्विक गेमिंग परिदृश्य में एक प्रमुख शक्ति में बदल दिया है। 2028 तक, एशिया प्रशांत क्षेत्र में गेमिंग राजस्व में 181.8 बिलियन डॉलर उत्पन्न होने का अनुमान है, जो वैश्विक बाजार का 54.4 प्रतिशत है। इस क्षेत्र के भीतर, भारत का ऑनलाइन गेमिंग बाजार 2028 तक 66,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जो 14.5 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है। इस वृद्धि में कई कारक योगदान करते हैं, जिसमें भारत की युवा जनसांख्यिकी शामिल है। इसमें लगभग 600 मिलियन लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं। दुनिया के कुछ सबसे किफायती मोबाइल डेटा कीमतों और 650 मिलियन से अधिक स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के साथ, भारत ने विशेष रूप से गेमिंग में डिजिटल मनोरंजन उपभोग की एक मजबूत संस्कृति विकसित की है। उद्योग की वृद्धि विशेष रूप से दो प्रमुख क्षेत्रों में स्पष्ट है। रियल-मनी गेमिंग (आरएमजी) बाजार ने कौशल-आधारित खेलों के माध्यम से महत्वपूर्ण गति प्राप्त की है, जबकि सामाजिक और आकस्मिक गेमिंग क्षेत्र युवा वयस्कों और कामकाजी पेशेवरों के बीच अपनी पहुंच का विस्तार करना जारी रखता है। ऐप-आधारित गेमिंग में यह उछाल मनोरंजन वरीयताओं में व्यापक बदलावों को दर्शाता है, जो स्मार्टफोन अपनाने और बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी के बढ़ने से प्रेरित है। भारत के बढ़ते गेमिंग बाजार में और अधिक लाभ उठाने के लिए रियलमी ने बैटलग्राउंड्स मोबाइल इंडिया सीरिज (बीजीआईएस) 2025 और बैटलग्राउंड्स मोबाइल प्रो सीरिज (बीएमपीएस) 2025 के लिए आधिकारिक स्मार्टफोन भागीदार के रूप में केआरएएफटीओएन इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। 2025 को अपने पहले समर्पित गेमिंग वर्ष के रूप में चिह्नित करते हुए, रियलमी ने ई-स्पोर्ट्स को मुख्य रणनीतिक फोकस के रूप में स्थान दिया है। यह रणनीतिक सहयोग एक महत्वपूर्ण समय पर आता है, क्योंकि भारत में 2028 तक 720 मिलियन मोबाइल गेमर्स तक पहुंचने का अनुमान है। यह साझेदारी कोलकाता में बीजीआईएस 2025 एलएएन फ़ाइनल के साथ शुरू होगी, जिसमें 2 करोड़ रुपये का पर्याप्त पुरस्कार पूल होगा, जो प्रतिस्पर्धी गेमिंग में निवेश के पैमाने को प्रदर्शित करता है।

अप्रैल-दिसंबर में निजी, वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 34 फीसदी बढ़ा

- एक साल पहले नौ करोड़ 76.65 लाख टन का हुआ था

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर में निजी उपयोग वाली (कैप्टिव) और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 34.2 प्रतिशत बढ़कर 13 करोड़ 10.5 लाख टन हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में निजी उपयोग वाली और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन नौ करोड़ 76.65 लाख टन का हुआ था। कोयला मंत्रालय ने कहा कि दिसंबर में निजी उपयोग वाली और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन एक करोड़ 84 लाख टन का हुआ था। सरकार द्वारा जारी आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक (आधार वर्ष 2011-12) के अनुसार, कोयला क्षेत्र ने एक साल पहले 185.7 अंक की तुलना में नवंबर, 2024 में 7.5 प्रतिशत (अस्थायी) की वृद्धि के साथ 199.6 अंक दर्ज किए हैं। कोयला उद्योग का सूचकांक अप्रैल-नवंबर, 2024 के दौरान 172.9 अंक पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी

अवधि के दौरान यह 162.5 अंक था, जो सभी आठ प्रमुख उद्योगों में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

भारत का स्मार्टफोन बाजार इस साल 50 बिलियन डॉलर के पार पहुंच जाएगा : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, प्रीमियमाइजेशन के चल रहे ट्रेंड और लोकल मैन्युफैक्चरिंग पर जोर के कारण भारत का स्मार्टफोन बाजार 2025 तक 50 बिलियन डॉलर के पार पहुंच जाएगा। काउंटरपॉइंट के इंडिया स्मार्टफोन आउटलुक की लेटेस्ट रिसर्च के अनुसार, भारत के स्मार्टफोन बाजार का रिटेल एवरेज सेलिंग प्राइस (एएसपी) इस साल पहली बार 300 डॉलर के पार पहुंचने की उम्मीद है। एप्पल और सैमसंग प्रीमियम और अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी विकल्प पेश कर इस बदलाव को लीड कर रहे हैं। एप्पल को अपने प्रो मॉडल की मजबूत मांग देखने की उम्मीद है, जो लोकल मैन्युफैक्चरिंग और अपने आईफोन लाइनअप में हाल ही में की गई कीमतों में कटौती के इस बीच, सैमसंग की मूल्य-केंद्रित रणनीति खास तौर पर अपनी प्रमुख एस सीरीज के साथ लोकप्रिय हो रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वनप्लस अपने फ्लैगशिप वनप्लस 13 के लॉन्च के साथ अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट (45,000 रुपये से ऊपर) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। प्रीमियमाइजेशन की ओर बदलाव की वजह यह भी है कि उपभोक्ता तेजी से ऑफलाइन स्टोर्स की ओर रुख कर रहे हैं, जहां वे खरीदारी करने से पहले प्रीमियम स्मार्टफोन का अनुभव कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई-पावर्ड फीचर्स में बढ़ती दिलचस्पी ने उपभोक्ताओं को इन इनोवेशन को बेहतर ढंग से समझने में मदद की है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय स्मार्टफोन बाजार तेजी से विकसित हो रहा है, जिसमें ऑरिजनल इक्विप्मेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) ब्रांड इक्विटी को मजबूत करने, तकनीकी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और लाभप्रदता में सुधार करने के लिए प्रीमियम लॉन्च पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। किफायती प्रीमियम श्रेणी (30,000 रुपये-45,000 रुपये) में, वीवो, ओप्पो और वनप्लस जैसे ब्रांड एडवांस कैमरा सिस्टम और रिफाइंड सीएमएफ डिजाइन पेश करके ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। लोकल मार्केट के विस्तार में वनप्लस द्वारा चरणबद्ध तरीके से 6,000 करोड़ रुपये के नियोजित निवेश से इसकी रिकवरी और विकास में तेजी आने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में प्रीमियम सेगमेंट (30,000 रुपये और उससे अधिक) का बाजार हिस्सा 2025 तक 20 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है।

देश की अर्थव्यवस्था में हाउसिंग सेक्टर का बढ़ेगा योगदान, छोटे शहर बन रहे नए ग्रोथ हबः रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारत के हाउसिंग सेक्टर का जीडीपी में योगदान बढ़कर 2025 तक 13 प्रतिशत होने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को एक रिपोर्ट में दी गई। जेएलएल की रिपोर्ट में बताया गया कि 2030 तक रियल एस्टेट सेक्टर बढ़कर एक ट्रिलियन डॉलर की मार्केट बन सकता है। यह सेक्टर डेमोग्राफिक शिफ्ट, पॉलिसी रिफॉर्म और ग्लोबल ट्रेंड से प्रभावित होगा। टियर 2 और 3 शहर प्रमुख विकास केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं।जयपुर, इंदौर और कोच्चि जैसे छोटे शहरी केंद्रों का 2025 तक नए आवासों में योगदान 40 प्रतिशत होगा। शहरी घर स्वामित्व दर 2025 तक बढ़कर 72 प्रतिशत हो सकती है, जो कि 2020 में 65 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि मिलेनियल्स और जेन जेड खरीदारों की संख्या 2030 तक 60 प्रतिशत होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, सस्टेनेबिलिटी को पहले एक लग्जरी माना जाता था। ग्रीन-सर्टिफाइड बिल्डिंग्स की संख्या 2025 तक बढ़कर 30 प्रतिशत होने की उम्मीद है। 2020 में यह संख्या 15 प्रतिशत थी। एलईईडी (लीडरशीप इन एनर्जी एंड एनवायरमेंट डिजाइन) जैसे ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन अधिक आम होते जा रहे हैं क्योंकि रियल एस्टेट उद्योग सस्टेनेबिलिटी को प्राथमिकता दे रहा है।2024 के दौरान बेची गई रेजिडेंशियल यूनिट्स की संख्या 2023 की कुल बिक्री की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक थी। मिश्रित उपयोग वाले विकास तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, जो लिव-वर्क-प्ले वातावरण बनाने की दिशा में जा रहे वैश्विक ट्रेंड को दिखाता है। रिपोर्ट में बताया गया है, इस तरह का विकास एक ही परियोजना के भीतर आवासीय, वाणिज्यिक और मनोरंजक स्थानों को जोड़ते हैं, जिससे निवासियों को पैदल दूरी के भीतर उनकी जरूरत की हर चीज मिलने की सुविधा मिलती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्मार्ट घरों और तकनीक-एकीकृत रहने की जगहों की मांग भी आसमान छू रही है।

मार्च 2024 को खत्म वित्त वर्ष में 4.67 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित हुए

मुंबई ।

मार्च 2024 को खत्म वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में 4.67 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित हुए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में रोजगार सृजन की रफ्तार बरकार रही। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक सर्वेक्षण के अनुसार, अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 के दौरान भारत के असंगठित क्षेत्र में कुल अनुमानित रोजगार में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10.01 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। असंगठित क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण से पता चलता है कि कवर किए गए व्यापक क्षेत्रों (ब्रॉड सेक्टर) में, अन्य सेवाओं (अन्य सर्विस) में प्रतिष्ठानों ने अक्टूबर 2023 और सितंबर 2024 के बीच 12 करोड़ से अधिक अतिरिक्त श्रमिकों को रोजगार दिया। यह 2022-23 से एक करोड़ से अधिक श्रमिकों की वृद्धि और मजबूत श्रम बाजार वृद्धि को दिखाता है। असंगठित गैर-कृषि क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार, सकल घरेलू उत्पाद और सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह क्षेत्र न केवल लाखों लोगों की आजीविका को बनाए रखता है, बल्कि घरेलू मूल्य श्रृंखला (डोमेस्टिक वैल्यू चेन) में अपनी भूमिका को मजबूत कर वस्तुओं और सेवाओं की सप्लाई करता है। इसी तरह, औपचारिक क्षेत्र में वृद्धि जारी रही है। यह क्षेत्र में बेहतर गुणवत्ता वाली नौकरियां प्रदान करता है। नवंबर 2024 में जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान तीन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में नए सदस्यों की संख्या में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में वृद्धि की है। कर्मचारी भविष्य निधि योजना में नए आवेदन, जो बड़े संगठनों और बेहतर वेतन वाले कर्मचारियों पर लागू होते हैं, पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2024-25 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 2.3 प्रतिशत बढ़कर 6.1 मिलियन हो गए।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे की गिरावट के साथ 85.79 पर बंद हुआ। विदेशी बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती और घरेलू शेयर बाजार में नरम रुख का असर घरेलू मुद्रा पर पड़ा जिससे रुपया कमजोर हुआ है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर 2024 में अधिकतर मुद्राओं के मुकाबले मजबूत रहा और इस वर्ष भी वह मजबूत स्थिति में बना रहेगा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.77 पर खुला। फिर फिसलकर 85.78 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछ्ले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 11 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.75 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 109.19 पर रहा।

इस साल उत्तरी मुंबई लोकसभा क्षेत्र के विकास में कई महत्वपूर्ण पहलों पर देना होगा जोरःगोयल

झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्विकास, सड़क और रेलवे लाइनों का विस्तार जैसी मुख्य परियोजनाएं शामिल

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि उनके लोकसभा क्षेत्र के विकास में इस साल कई महत्वपूर्ण पहलों पर काम होगा। उन्होंने झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्विकास, सड़क और रेलवे लाइनों का विस्तार जैसी मुख्य परियोजनाओं को लेकर मी डिया से चर्चा की। उन्होंने बयान किया कि इस साल उनके निर्वाचन क्षेत्र में कई बड़ी योजनाएं हैं, जिनमें झुग्गी-झोपड़ियों को पक्के मकान में बदलना भी शामिल है। गोयल ने बताया कि तेजी से लंबित परियोजनाओं का पुनरीक्षण करने के लिए वह मुंबई में सभी संबंधित विभागों के प्रमुखों से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि चार जनवरी को उनके द्वारा लिए गए कदमों की समीक्षा की जाएगी और लंबित मुद्दों के लिए समयबद्ध कार्य योजना तैयार की जाएगी। मंत्री ने कहि कि हम चाहते हैं कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को उसी स्थान पर पक्के मकान उपलब्ध करा सकें। हमारा लक्ष्य है जीवन को सुगम बनाने के लिए रेलवे स्टेशनों का विकास करना है। उन्होंने भी बताया कि उनके क्षेत्र में चार रेलवे स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत होने वाली है। मंत्री ने व्यक्त किया कि उन्हें पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विचार करने का भी मौका मिला है, क्योंकि उनके क्षेत्र में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान और खूबसूरत समुद्र है। उन्होंने आगे बढ़ते हुए कहा कि उन्हें लोगों के लिए बेहतर जीवनस्तर प्रदान करने के लिए और भी कई पहल करनी हैं।

चीन में रियल एस्टेट संकट से लड़खड़ाई दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

मुंबई । चीन तेज़ आर्थिक विकास के मामले में हमेशा आगे रहा है लेकिन अब उसे गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अपने इतिहास के सबसे बड़े रियल एस्टेट के संकट से जूझ रही है। चीन के संपत्ति बाजार में पिछ्ले तीन वर्षों में भारी गिरावट देखी गई है। 2021 से अब तक 18 ट्रिलियन डॉलर का अनुमानित घरेलू संपत्ति का नुकसान हुआ है, जो 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट में अमेरिका द्वारा झेले गए नुकसानों से भी अधिक है। चीन की अर्थव्यवस्था पर वर्षों की अधिक कर्ज़दारी, अधिक निर्माण और अधिक उत्पादन क्षमता का बोझ है। ये समस्याएं घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर गंभीर परिणाम पैदा कर रही हैं। कई रियल एस्टेट कंपनियों पर भारी कर्ज़ है और संपत्तियों की मांग में कमी ने इस संकट को और बढ़ा दिया। चीन के कई हिस्सों में घोस्ट टाउन यानी खाली पड़े शहर निर्माण का उदाहरण हैं। वहीं औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन क्षमता वास्तविक मांग से कहीं अधिक है, जिससे कीमतों और आर्थिक स्थिरता पर असर पड़ा है।

एनवीडिया बनी बीते साल सबसे ज्यादा मार्केट कैप हासिल करने वाली कंपनी

मुंबई ।

एआई चिप विनिर्माता अमेरिकी कंपनी एनवीडिया पिछले साल सबसे ज्यादा मार्केट कैप पाने वाली कंपनी बनी। इस दौरान कंपनी के शेयरों में 170 फीसदी तेजी रही और उसके मार्केट कैप में करीब 2 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा हुआ। यह दुनिया के सबसे बड़े अमीर एलन मस्क की नेटवर्थ (415 अरब डॉलर) से करीब पांच गुना है। एप्पल के बाद एनवीडिया दुनिया की दूसरी बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में दुनिया की बढ़ रही दिलचस्पी और विभिन्न इंडस्ट्रीज में एआई सेंट्रिक चिप्स की बढ़ती मांग से एनवीडिया के शेयरों में भारी तेजी दिखाई दे रही है। 2023 के अंत में कंपनी की मार्केट वैल्यू 1.2 ट्रिलियन डॉलर थी जो 2024 के अंत में 3.28 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई। 2023 में कंपनी का शेयर 240 प्रतिशत का उछला था। इस बीच एप्पल दुनिया का सबसे वैल्यूएबल कंपनी बनी रही। इसका मार्केट कैप 4 ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुंच चुका है। कंपनी ने एआई पर फोकस किया है, इससे उसकी बिक्री में आगे तेजी आने की उम्मीद है। इसकारण कंपनी में निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है। 2024 के अंत में माइक्रोसॉफ्ट 3.1 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की तीसरी वैल्यूबल कंपनी रही जबकि गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट इंक और अमेजॉन की वैल्यू करीब 2.3 ट्रिलियन डॉलर रही। सऊदी अरामको, फेसबुक, टेस्ला, ब्रॉडकॉम और टीएसएमसी टॉप 10 में शामिल रहीं। भारत की मोस्ट वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए पिछला साल अच्छा नहीं रहा। 10 साल में पहली बार कंपनी के शेयरों ने निगेटिव रिटर्न दिया और दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में 68वें नंबर पर पहुंच गई थी। गुरुवार को इसमें पांच स्थान का सुधार हुआ और यह 63वें नंबर पर आ गई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 720 , निफ्टी 183 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार बाजार में ये गिरावट मुनाफावसूली हावी होने से आई है। निवेशकों ने कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों से पहले जमकर मुनाफावसूली की जिससे भी बाजार लाल निशान पर बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 720.60 अंक करीब 0.90 फीसदी की गिरावट के साथ ही 79,223.11 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी निफ्टी में 183.90 अंक तकरीबन 0.76 फीसदी नीचे आकर 24,004.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में जोमैटो का शेयर सबसे ज्यादा टूटा। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, सनफार्मा, आईटीसी, एलएडंटी, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए। दूसरी ओर टाइटन और टाटा मोटर्स के शेयर लाभ में रहे। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति, रिलायंस, एनटीपीसी, नेस्ले, अल्ट्रा सीमेंट, टाटा स्टील और बजाज फाइनेंस के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। माना जा रहा है कि वित्तीय और आईटी स्टॉक्स में बिकवाली की वजह से भी बाजार में ये गिरावट दर्ज की गयी है। निवेशल सोमवार को शुरू हो रहे कंपनियों के दिसंबर तिमाही के नतीजों से पहले सतर्क रुख अपना रहे हैं। इसके अलावा एशियाई और अमेरिकी स्टॉक मार्केट में गिरावट से भी घरेलू बाजारों पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। जानकारों के अनुसार अगले सप्ताह से शुरू हो रहे भारतीय कंपनियों के दिसंबर तिमाही के परिणामों से तय होगा कि बाजार किस दिशा में बढ़ेगा।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त पर खुलने के कुछ समय बाद ही फिसल गया। बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी कुछ समय बाद ही लाल निशान में आ गये। निवेशकों की नजर अब अगले हफ्ते से शुरू हो रहे कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे और अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं पर टिकी हुई है। सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 364.96 अंक की गिरावट लेकर 79,578.75 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टीभी मामूली बढ़त लेकर खुला पर खुलते ही गिरावट में चला गया। एशिआई बाजारों में शुक्रवार को मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। जापान का निक्की इंडेक्स और चीन का शंघाई कंपोजिट गिरावट में कारोबार कर रहे थे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स हरे निशान में कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट में बंद हुए जबकि यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

सोने और चांदी के भाव में तेजी

सोने का भाव 77,900 रुपए, चांदी 89,290 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली। सप्ताह के आखिरी कारोबारी ` दिन शुक्रवार को सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। यह लगातार तीसरा दिन है जब सोने-चांदी की कीमत में तेजी जारी है। 1 जनवरी से दोनों के वायदा भाव में तेजी जारी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 0.24 फीसदी की तेजी के साथ 77,900 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 0.13 फीसदी बढ़त के साथ 89,290 रुपए प्रति किलोग्राम पर है। आभूषण और खुदरा विक्रेताओं की सतत लिवाली के कारि गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 330 रुपए बढ़कर 79,720 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। बुधवार को सोना 79,390 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। गुरुवार को चांदी भी 130 रुपए बढ़कर 90,630 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछ्ले कारोबारी सत्र में चांदी 90,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार को 78,840 रुपए प्रति 10 ग्राम के पिछ्ले बंद से 330 रुपए बढ़कर 79,170 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी से सर्राफा कीमतों को समर्थन मिला।

वेंचुरा ने ब्लैक बॉक्स लिमिटेड को दी खरीद रेटिंग, जताई 27.3 प्रतिशत वृद्धि की संभावना

मुंबई।

ब्रोकरेज हाउस वेंचुरा की गुरुवार को आई रिपोर्ट के अनुसार, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ब्लैक बॉक्स के शेयर में अगले 24 से 30 महीनों में मौजूदा कीमत 649 रुपये से 826 रुपये तक 27.3 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 24 में बिक्री वृद्धि में मंदी व परियोजना निष्पादन और निर्णय लेने में देरी के बावजूद ब्लैक बॉक्स अपने अगले विकास चरण के लिए तैयार है। कंपनी को उम्मीद है कि इसकी पाइपलाइन बढ़कर तीन बिलियन डॉलर हो जाएगी और इसका लक्ष्य मौजूदा 20 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 25 प्रतिशत की रूपांतरण दर हासिल करना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्लैक बॉक्स ने शीर्ष 300 ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करके और कम लाभदायक लॉन्ग-टेल ग्राहकों से बाहर निकलकर अपनी रणनीति में बदलाव किया है, क्योंकि वे मार्जिन वृद्धि में योगदान नहीं देते हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने उद्योग वर्टिकल और उत्पाद पोर्टफोलियो क्षैतिज को शामिल करते हुए मैट्रिक्स-आधारित दृष्टिकोण को अपनाकर अपनी गो-टू-मार्केट रणनीति को नवीनीकृत करने की योजना बनाई है। यह रणनीति उद्योग-विशिष्ट समाधान प्रदान करने और ग्राहक जुड़ाव को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई है। वेंचुरा ने कहा, ÷हमें उम्मीद है कि हमारा राजस्व वित्त वर्ष 24 में 6,281.6 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 27 ई तक 7,996 करोड़ रुपये हो जाएगा। कंपनी मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका और भारत में डेटा केंद्रों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है। मेटा, अमेजॉन और माइक्रोसॉफ्ट जैसे प्रमुख हाइपरस्केलर्स वाले ग्राहक आधार के साथ, जिनसे डेटा सेंटर बिल्डआउट में महत्वपूर्ण रूप से निवेश करने की उम्मीद है, डेटा सेंटर से राजस्व में योगदान अनुपातहीन रूप से उच्च होने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 27 ई तक 1,256 करोड़ रुपये से बढ़कर 15 प्रतिशत की सीएजीआर पर 1,994 करोड़ रुपये हो जाएगा। इस बीच, प्रौद्योगिकी उत्पाद समाधान (टीपीएस) वर्टिकल वर्तमान में कुल राजस्व में 12 से 13 प्रतिशत के बीच योगदान देता है और उम्मीद है कि इसमें तेजी आएगी। राजस्व के 9 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़कर वित्त वर्ष 27ई तक 758 करोड़ रुपये से 982 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त, परामर्श व्यवसाय से भी समग्र विकास प्रक्षेपवक्र को पूरक बनाने की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 27ई तक 2 प्रतिशत सीएजीआर से 106 करोड़ रुपये से बढ़कर 112 करोड़ रुपये हो जाएगा।

भारत का कार्यालय बाजार 2024 में रिकॉर्ड ऊंचाइयों परः रिपोर्ट

शीर्ष आठ शहरों में सकल कार्यालय स्थल की मांग 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । भारत का कार्यालय बाजार 2024 में रिकॉर्ड ऊंचाइयों को छू गया है। पिछले वर्ष की तुलना में कार्यालय स्थल की पट्टा मांग में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे कार्यालय स्पेस की मांग ने विस्तार किया। रियल एस्टेट परामर्शदाताओं के अनुसार कुशमैन एंड वेकफील्ड की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कार्यालय स्थल की सकल मांग 2023 में 745.6 लाख वर्ग फुट थी जो 2024 में 885.2 लाख वर्ग फुट पर पहुंच गई है। भारत, दक्षिण पूर्व एशिया और एपीएसी (एशियाई एकीकरण) के टेनेंट रिप्रेसेंटेशन के एक मुख्य कार्यकारी ने इसे निर्णायक वर्ष बताया है। बाजार में भारी वृद्धि दर्ज की गई है, जैसे बेंगलुरु में मांग 64 प्रतिशत बढ़कर 259.3 लाख वर्ग फुट, मुंबई में 27 प्रतिशत बढ़कर 178.4 लाख वर्ग फुट, हैदराबाद में 37 प्रतिशत बढ़कर 123.1 लाख वर्गफुट और अहमदाबाद में 11 प्रतिशत बढ़कर 18.1 लाख वर्ग फुट मांग दर्ज की गई है। हालांकि, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), चेन्नई और पुणे में कार्यालय की मांग में कुछ गिरावट दर्ज की गई है, जबकि कोलकाता का बाजार स्थिर रहा है। इस जानकारी से स्पष्ट है कि भारतीय कार्यालय बाजार 2024 में काफी सक्रिय रहा है और स्थिर हमलों की प्रेरक राजनीति का पाठ्य है।

गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती

संजय गोस्वामी

संत श्री गुरु गोबिन्द सिंहजी से आज के व्यक्ति प्रेरणा लें क्योंकि आज सभी अपने अपने के स्वार्थ में लगे हैं और सिखों पर विदेश में नेता प्रतिपक्ष गलत बयान देते जो उनके जाने बगैर ही भ्रामकता आ जाती है हमें गुरु से सीखना चाहिए मैं गलत हो सकता हूँ पर गुरु नहीं जैसा सभी को मालूम है श्री गुरूगोबिंद सिंहजी भारत के महान संत और योद्धा दोनों थे वे सभी के प्रति दया के सागर थे क्योंकि जब चमकोर की लड़ाई में मात्र 40सिख वजीर खान के 10लाख सैनिकों से लड़ रहें थे तब गुरूजी ने पांच पांच की टुकड़ी बनाई और जब उनका पुत्र साहिब अजित सिंह दुश्मन से लड़ने जा रहें थे तभी एक सेवादार ने कहा कि गुरूजी ऐ आपका पुत्र है इसे ना भेजें तभी श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी ने कहा क्या आप सब मेरे अपने नहीं हो, गुरू गोबिंद सिंह सिक्खों के दसवें गुरु थे ।

गुरू गोविन्द सिंह की जयंती 6 जनवरी, सोमवार के दिन गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती मनाई जा रही है संत श्री गुरु गोबिन्द सिंहजी से आज के व्यक्ति प्रेरणा लें क्योंकि आज सभी अपने अपने के स्वार्थ में लगे हैं और सिखों पर विदेश में नेता प्रतिपक्ष गलत बयान देते जो उनके जाने बगैर ही भ्रामकता आ जाती है हमें गुरु से सीखना चाहिए मैं गलत हो सकता हूँ पर गुरु नहीं जैसा सभी को मालूम है श्री गुरूगोबिंद सिंहजी भारत के महान संत और योद्धा दोनों थे वे सभी के प्रति दया के सागर थे क्योंकि जब चमकोर की लड़ाई में मात्र 40सिख वजीर खान के 10लाख सैनिकों से लड़ रहें थे तब गुरूजी ने पांच पांच की टुकड़ी बनाई और जब उनका पुत्र साहिब अजित सिंह दुश्मन से लड़ने जा रहें थे तभी एक सेवादार ने कहा कि गुरूजी ऐ आपका पुत्र है इसे ना भेजें तभी श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी ने कहा क्या आप सब मेरे अपने नहीं हो, गुरू गोबिंद सिंह सिक्खों के दसवें गुरु थे । वे एक महान् शूरवीर और तेजस्वी थे। उन्होंने मुगलों के अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई थी और 'सत श्री अकाल' का नारा दिया था। उन्होंने कायरों को वीर और वीरों को सिंह बना दिया था । काल का अवतार बनकर उन्होंने शत्रुओं के छक्के छुड़ा दिए थे । इस तरह उन्होंने धर्म, जाति और राष्ट्र को नया जीवन दिया था ।गुरु जी का जन्म- गुरु गोबिन्द सिंह जी का जन्म 22 दिसम्बर, सन् 1666 ई० को पटना में हुआ। इनका बचपन का नाम गोबिन्द राय रखा गया । इनके पिता नौवें गुरु श्री तेरा बहादुर जी कुछ समय बाद पंजाब लौट आए थे । परन्तु यह अपनी माता गुजरी जी के साथ आठ साल तक पटना में ही रहे । तीव्र बुद्धि- गोबिन्द राय बचपन से ही स्वाभिमानी और शूरवीर थे । घुड़सवारी करना, हथियार चलाना, साथियों की दो टोलियां बनाकर युद्ध करना तथा शत्रु को जीतने के खेल खेलते थे । वे खेल में अपने साथियों का नेतृत्व करते थे । उनकी बुद्धि बहुत तेज थी । उन्होंने आसानी से हिन्दी, संस्कृत और फारसी भाषा का अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लिया था । को बलिदान के लिए प्रेरित करना- उन दिनों औरंगजेब के अत्याचार जोरों पर थे । वह तलवार के जोर से हिन्दुओं को मुसलमान बना रहा था। कश्मीर में भी हिन्दुओं को जबरदस्ती मुसलमान बनाया जा रहा था। भयभीत कश्मीरी ब्राह्मण गुरु तेग बहादुर जी के पास आए । उन्होंने गुरु जी से हिन्दु धर्म की रक्षा के लिए प्रार्थना की । गुरु तेग बहादुर जी ने कहा कि इस समय किसी महापुरुष के बलिदान की आवश्यकता है। पास बैठे बालक गोबिन्द राय ने कहा-पिता जी, आप से बढ़कर महापुरुष और कौन हो सकता है। ' तब गुरु तेग बहादुर जी ने- बलिदान देने का निश्चय कर लिया । वे हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए दिल्ली पहुँच गए और वहाँ धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दे दिया और गुरु तेग बहादुर जी को उनके शहीदी पर उन्हें हिन्द का चादर भी कहा जाता है क्योंकि वे कश्मिरी पंडीतों की रक्षा यानि हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दिया और उनके साथ दो अन्य शिष्यों ने भी बलिदान दिया जो सचमुच जुल्म के खिलाफ एक मिशाल कायम की। पिता जी की शहीदी के बाद धर्म की रक्षाके लिए गोबिन्द राय 11 नवम्बर, 1675 ई० को गुरु गद्दी पर बैठे। उन्होंने औरंगजेब के अत्याचारों के विरुद्ध आवाज उठाई और हिन्दू धर्म की रक्षा का बीड़ा उठाया । उन्होंने गुरु परम्परा को बदल दिया । अब वे मसन्दों और अपने सेवकों से राजाओं की साज-सज्जा और युद्ध के सामान भेंट में लेने लगे । वे अपने शिष्यों को सैनिक-शिक्षा देते थे ।खालसा पंथ की स्थापना- सन् 1699 में वैशाखी के दिन गुरु गोबिन्द राय जी ने आनन्दपुर साहिब में दरबार सजाया । भरी सभा में उन्होंने बलिदान के लिए पाँच सिरों की मांग की । गुरु की यह माँग सुनकर सारी सभा में सन्नाटा छा गया । फिर एक-एक करके पाँच व्यक्ति अपना बलिदान देने के लिए आगे आए । गुरु जी एक-एक करके उन्हें तम्बू में ले जाते रहे । इस प्रकार उन्होंने पाँच प्यारों का चुनाव किया । फिर उन्हें अमृत छकाया और .स्वयं भी उनसे अमृत छका । इस तरह उन्होंने अन्याय और अत्याचार का विरोध करने के लिए खालसा पंथ की स्थापना की । उन्होंने अपना नाम

गोबिंद राय से गोबिन्द सिंह रख लिया ।पहाड़ी राजाओं से युद्ध- गुरु जी की बढ़ती हुई सैनिक शक्ति को देखकर कई पहाड़ी राजे उनके शत्रु .बन गए । पाऊंटा दुर्ग के पास भंगानी के स्थान पर फतेह शाह ने गुरु जी पर आक्रमण कर दिया । सिक्ख बड़ी वीरता से लड़े । अन्त में गुरु जी विजयी रहै ।नादौन का युद्ध- जम्मू के सूबेदार मियाँ खाँ ने अपने सेनापति आलिफ खां को पहाड़ी राजा भीमचन्द से कर (टैक्स) लेने के लिए भेजा,कर देने से इकार करने पर आलिफ खाँ ने भीमचन्द पर हमला कर दिया । गुरु जी भीमचन्द की सहायता के लिए पहुंचे । आलिफ खां युद्ध में मारा गया । इसे नादौन का युद्ध कहते हैं आनन्दपुर छोड़ना- औरंगजेब ने गुरु जी की शक्ति समाप्त करने का निश्चय किया । उन्हें लाहौर और सरहिन्द के सूबेदारों को गुरु जी पर आक्रमण करने का हुक्म दिया । पहाड़ी राजा मुगलों के साथ मिल गए , उन सबने कई महीनों तक आनन्दपुर को घेरे रखा । सिक्ख इस लड़ाई से तंग आ चुके थे । औरंगजेब ने गुरु जी को पत्र लिखा किइ वे दुर्ग छोड़ दुंए उन्हें कोई हानि नहीं पहुँचाई जाएगी । गुरु जी ने किला छोड़ दिया पर शत्रु सेना ने विश्वासघात किया । उसने गुरु जी पर आक्रमण कर दिया । गुरु जी को काफी हानि उठानी पड़ी ।चमकौर का युद्ध 1704 में 21, 22, और 23 दिसम्बर को गुरु गोविंद सिंह और मुगलों की सेना के बीच पंजाब के चमकौर में लड़ा गया था। गुरु गोबिंद सिंह जी 20 दिसम्बर की रात आनंद पुर साहिब छोड़ कर 21 दिसम्बर की शाम को चमकौर पहुंचे थे, और उनके पीछे मुगलों की एक विशाल सेना जिसका नेतृत्व वजीर खां कर रहा था, भी 22 दिसम्बर की सुबह तक चमकौर पहुँच गयी थी।23 दिसम्बर को गुरु गोविंद सिंह और मुगलों की सेना के बीच चमकौर में युद्ध लड़ा गया था वजीर खां गुरु गोबिंद सिंह को जीवित या मृत पकड़ना चाहता था। चमकौर के इस युद्ध में गुरु गोबिंद सिंह की सेना में केवल उनके दो बड़े साहिबजादे अजीत सिंह एवं जुझार सिंह और 40 अन्य सिंह थे। इन 43 लोगों ने मिलकर ही वजीर खां की पूरी सेना का विनाश कर दिया था।वजीर खान किसी भी सूरत में गुरु गोविंद सिंह जी को जिंदा या मुर्दा पकड़ना चाहता था क्योंकि औरंगजेब की लाख कोशिशों के बावजूद गुरु गोविंद सिंह मुगलों की अधीनता स्वीकार नहीं कर रहे थे। लेकिन गुरु गोविंद सिंह के दो बेटों सहित 40 सिक्खों ने गुरूजी के आशीर्वाद और अपनी वीरता से वजीर खान को अपने मंसूबो में कामयाब नहीं होने दिया और 10 लाख मुगल सैनिक भी गुरु गोविंद सिंह जी को नहीं पकड़ पाए। यह युद्ध इतिहास में सिक्खों की वीरता और उनकी अपने धर्म के प्रति आस्था के लिए जाना जाता है नवाब वजीर खां ने माता गुजरी और दोनों छोटे साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और फतेह सिंह बहुत अत्याचार किए और धर्म बदलने के लिए कहा। लेकिन इन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उस समय बाबा जोरावर मात्र 7 और बाबा फतेहसिंह 9 साल के थे। गुस्सा होकर वजीर खान ने 26 दिसंबर 1705 को दोनों साहिबजादों को दीवार में जिंदा चुनवा दिया। जब ये बात माता गुजरी को पता चली तो उन्होंने भी अपना शरीर त्याग दिया।गुरु गोबिंद सिंह का जन्म भारत में ऐसे समय में हुआ था जब लोग राजनीतिक रूप से विभाजित, धार्मिक रूप से पतित और आर्थिक रूप से शोषित थे। उन्होंने एक नए वैचारिक युग की शुरूआत की और अपने देश के निष्क्रिय और सुस्त लोगों को जीवन के प्रति एक सशक्त दृष्टिकोण से उत्साहित किया। हिंदू पंजाब में एक राजनीतिक शक्ति नहीं रह गए थे जो मुगलों के अत्याचारी शासन की चपेट में था। हिंदू सौम्य और विनम्र थे, और अपने विश्वास के प्रति कठोर थे और उन्हें अपने आहत सम्मान और मर्दानगी को सही ठहराने के लिए एक बहादुर भावना से ओतप्रोत होना पड़ा। पुरुषोत्तम निझावन के अनुसार, यद्यपि नानक मनुष्य और मनुष्य के बीच के सभी भेदों को मिटा रहे थे, फिर भी उन्होंने स्वयं को भारतीय जड़ों से अलग नहीं किया... जबकि इस्लाम आम तौर पर शुद्धतावादी है, हिंदू धर्म में ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें अत्यधिक तपस्या और आत्म-पीड़ा का अभ्यास किया जाता है। लेकिन दोनों को अस्वीकार करते हुए, नानक सहज योग में चले गए... और बुद्ध की तरह, उन्होंने अपने अनुयायियों के लिए जीवन का एक मजबूत नैतिक और नैतिक कोड निर्धारित किया।1 गुरु नानक और गुरु गोविंद सिंह के अन्य पूर्ववर्तियों ने हिंदुओं की नैतिकता को काफी ऊंचा किया था, लेकिन उन्हें उच्च राजनीतिक आकांक्षाओं के साथ प्रेरित करने और अपने राष्ट्र के लिए लड़ने का काम गुरु गोविंद सिंह के लिए आरक्षित था। उन्हें अपने राष्ट्र को मौजूदा शासन के राजनीतिक अत्याचार और धार्मिक असहिष्णुता के खिलाफ खड़ा करने के लिए तैयार करना था। कनिंघम कहते हैं, गुरु एक दार्शनिक थे, और पूरी तरह से समझते थे कि पुरुषों की कल्पना को कैसे प्रभावित किया जा सकता है। वे मनोविज्ञान के बारे में बहुत कुछ जानते थे। उन्होंने महसूस किया कि हिंदू स्वभाव से बहुत ही सौम्य हैं और उनमें धार्मिक विचार तो हैं, लेकिन राष्ट्रीय भावनाएँ नहीं हैं। उनके लिए राष्ट्र बनाने का एकमात्र तरीका राष्ट्रवाद को अपना धर्म बनाना था। वे जानते थे कि राष्ट्रवाद का पहला तत्व एकता है। उन्होंने धर्म को सार्वभौमिक भाईचारे के रूप में देखा अ र घोषणा की कि कोई भी व्यक्ति अपने आपको सच्चा ि ख नहीं कह सकता, जब तक कि वह जातिगत पूर्वाग्रहों को न छोड़े

इस तरह कुछ ही दिनों में गुरु गोविंद सिंह के चारों बेटों ने देश और धर्म की राह पर चलते हुए अपनी कुबार्नी दे दी। पंजाब के मैदानों की हलचल से दूर होने के बावजूद, पौंटा और आनंदपुर दोनों ही महत्वपूर्ण व्यापार और तीर्थयात्रा मार्गों पर स्थित थे। 19 हिंदू अपने मृतकों के अवशेषों को हरिद्वार में पवित्र नदी गंगा में विसर्जित करने के लिए पौंटा में यमुना पार करते थे, और हिंदू और जैन भक्त नैना देवी और ज्वालामुखी में देवी मंदिरों और कांगड़ा में आदि नाथ मंदिर की तीर्थयात्रा करते समय आनंदपुर से गुजरते थे। ये मार्ग कश्मीर और पंजाब के बीच और इसके माध्यम से दिल्ली और यमुना और गंगा नदियों के बीच के क्षेत्र में व्यापार को भी बढ़ावा देते थेहमारे पास सत्रहवीं शताब्दी की शुरूआत में एक यूरोपीय व्यक्ति द्वारा हरिद्वार से ज्वालामुखी की यात्रा करने का विवरण है, और इस मार्ग से होने वाले अधिकांश व्यापार के अन्य संदर्भ भी हैं। इस प्रकार पौंटा और आनंदपुर के स्थानों ने सिखों को यात्रियों, उनके द्वारा लाए गए सामान और उनके निपटान में अन्य संसाधनों तक आसान पहुँच प्रदान की। पौंटा और आनंदपुर का लेआउट उस समय की सिख चिंताओं को महत्वपूर्ण तरीकों से दशार्ता है। पौंटा में, सिख प्रतिष्ठान एक पहाड़ी की चोटी पर था, जो यमुना नदी को पार करने वाले लोगों का सर्वेक्षण करता था। इस सुविधाजनक स्थान से, वे नदी पर मार्ग को नियंत्रित कर सकते थे, जबकि किसी के लिए भी उच्च ऊंचाई पर स्थित उनके आधार पर हमला करना आसान नहीं था। हमारे पास सिखों द्वारा घाट पर यातायात की निगरानी, प्रवेश और पहुँच के मुद्दों पर निर्णय लेने और सत्ता की इस स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों के शुरूआती संदर्भ हैं। ये मुद्दे तब और अधिक ध्यान में आते हैं जब हम आनंदपुर को देखते हैं। गढ़वाल के प्रमुख के खिलाफ अपनी जीत के बाद, क्षेत्र में एक शक्तिशाली व्यक्ति जिसके पूर्वजों ने सदियों तक बनारस पर शासन किया था, गुरु पंजाब की पहाड़ियों में अपने पैतृक अधिकार की सीट पर लौट आए। आनंदपुर की स्थापना 1684 में हुई थी या 1688 में, यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, लेकिन हम यह निश्चित रूप से जानते हैं कि 1690 के दशक में यह एक संपन्न शहर था। इसे घाटी के पूर्वी छोर पर पहाड़ियों पर बनाया गया था। गुरु के आवासीय क्वार्टर इसके केंद्र में थे। ये पौंटा के दिनों के उनके युद्ध-परीक्षित योद्धाओं के घरों से घिरे थे। भारत ी उच्च स्थान नामक एक स्थान का समकालीन संदर्भ है, जहाँ गुरु ने अपना दरबार लगाया था। पूरी संभावना है कि समुदाय का नाम बदलकर खालसा पंथ रखने की घोषणा यहीं से जारी की गई थी, और चूँकि उस समय से सिखों को अपने बाल (केस) बिना कटे रखने थे, इसलिए उस स्थान पर बने किले को केसगढ़ (बालों का किला) के रूप में जाना जाने लगा।

यह पश्चिमी न्यायपूर्ण युद्ध सिद्धांत में निहित विचारों के समान है। सिखों का यह भी मानना है कि संधियों और युद्ध विराम का सम्मान किया जाना चाहिए, पूजा स्थलों (किसी भी धर्म के) को नुकसान नहीं पहुँचाया जाना चाहिए, और आत्मसमर्पण करने वाले सैनिकों को नुकसान नहीं पहुँचाया जाना चाहिए। न्यायपूर्ण युद्ध सिद्धांत से महत्वपूर्ण अंतर यह है कि सिखों का मानना है कि, यदि कोई युद्ध न्यायपूर्ण है, तो उसे तब भी लड़ा जाना चाहिए, जब उसे जीता न जा सके। सिखों से उत्पीड़न के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई करने की अपेक्षा की जाती है, और सिखों में पूर्ण शांतिवाद की कोई आधुनिक परंपरा नहीं है, हालाँकि सिख धर्मों और राज्यों के बीच मानवाधिकारों और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए कार्रवाई के प्रबल समर्थक हैं। वर्तमान जीवन सबसे आधुनिक शिक्षा की माँग करता है। और मानवीय विज्ञान भी आजकल आमूलचूल परिवर्तन से गुजर रहे हैं, जो खुद को आधुनिक समस्याओं और सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप बदल रहे हैं। यह समझा जाता है कि भारतीय विश्वविद्यालय, कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थान हमारे युवाओं और छात्रों को हमारे देश के विकास के एक और चरण के लिए तैयार करने के लिए आगे आ रहे हैं, जो वैश्वीकरण और वैश्विक जीवन के नाम से जाना जाता है। गुरु गोबिंद सिंह का निधन 7 अक्टूबर 1708 को हुआ और उनका अंतिम संस्कार नांदेड़ में किया गया, जहां नांदेड़ साहिब गुरुद्वारा स्थित है विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकसित बुनियादी ढांचे, नई कार्य नैतिकता और नई उद्यमशीलता की भावना और धन के वितरण की संशोधित सामाजिक नीति के साथ, वास्तव में 21वीं सदी की दहलीज पर, कोई भी देश वैश्विक प्रक्रियाओं से अलग नहीं रह सकता है।

संपादकीय

खतरे की घंटी

केंद्रीय भूझजल बोर्ड.ने कहा है, देश के 440 जिलों के भूजल में नाइट्रेट की सांद्रता अनुमेय सीमा से अधिक है। नाइट्रेट संदूषण पर्यावरण व स्वास्थ्य के मद्देनजर गंभीर चिंता का विषय है। भूजल गुणवत्ता के नमूनों में फ्लोराइड़ व आर्सेनिक संदूषण भी सुरक्षित सीमा से अधिक पाया गया। नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों व पशु अपशिष्टों का उपयोग करने वाले कृषि क्षेत्रों में मिट्टी की गहराई तक पहुंच जाता है। मानसून से पहले व बाद में पंद्रह हजार से ज्यादा गुणवत्ता मांपने के नमूने लिये गए थे। राजस्थान, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र व मप्र के नमूनों में उच्च संदूषण था, जबकि उप्र, केरल, झारखंड़ व बिहार में कम प्रतिशत था। उच्च नाइट्रेट स्तर शिशुओं में ब्लू बेबी सिंड्रोम जैसी स्वास्थ्य समस्याएं पैदा करता है। फ्लोराइड़ और आर्सेनिक प्रदूषकों के संपर्क में लंबे समय तक रहने वालों की सेहत पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जिसमें कैंसर व त्वचा के गहरे घाव शामिल हैं। राजस्थान व पंजाब के नमूनों में यूरेनियम की मात्रा अधिक पायी गई, जिसके संपर्क से गुर्दे की क्षति हो सकती है। भूजल में ये विषाक्तता रोकने के तत्काल प्रयास किए जाने जरूरी हैं। जल से होने वाले संक्रमणों व कैंसर तथा गुर्दे के गंभीर रोगों की चपेट में आने वालों या इनके चलते अल्पायु में ही मौत की बढ़ती संख्या को देखते हुए सरकार को फौरन चेत जाना चाहिए। अभी भी देश के प्रत्येक नागरिक को शुद्ध जल मुहैया करवाने के प्रति सरकार तनिक भी जागरूक नहीं है। विश्व स्वास्थ संगठन के अनुसार लगभग अस्सी फीसद रोगों का कारण जल है। पर्यावरण प्रदूषण का असर जल पर भी पड़ता है। औद्योगिकीकरण तथा अपशिष्टों का उचित निपटान न होने से भूमि व जल दोनों ही बुरी तरह प्रभावित होते हैं।

चिंतन-मनन

माँ है तो सबकुछ है

माँ एक गुरु के रूप में अपनी संतान को संस्कार देती है। माता जीवन का निर्माण करती है, तो पिता उसे उन्नति के शिखर तक ले जाता है। माँ है तो सबकुछ है और यदि माँ नहीं तो कुछ भी नहीं। जो अपनी माँ को प्रसन्न रखता है, वह उसके आशीर्वाद का वरदान भी पाता है। ऐसी परम उपकारी वात्सल्य मूर्ति माँ की आँखों में कभी आँसू नहीं आने देना। जो विनयपूर्वक परमात्मा और सद्गुरु के चरणों में समर्पित हो जाता है, वह सबकुछ पा जाता है। सद्गुरु हमें ज्ञान देते हैं। सद्गुरुरूपी नाविक के साथ धर्मरूपी नौका में बैठकर इंसान संसार सागर को पार कर लेता है। आज व्यक्ति धन-वैभव का अहंकार करता है, परंतु वह अंत में धराशायी हो जाता है। जिसके जीवन में विनय का गुण है, वह ज्ञान प्राप्त कर सकता है। माँ एक गुरु के रूप में अपनी संतान को संस्कार देती है। माता जीवन का निर्माण करती है, तो पिता उसे उन्नति के शिखर तक ले जाता है। माँ है तो सबकुछ है और यदि माँ नहीं तो कुछ भी नहीं।

नफरत की इंतिहा: कहाँ गईं शीर्ष नेताओं की नसीहतें

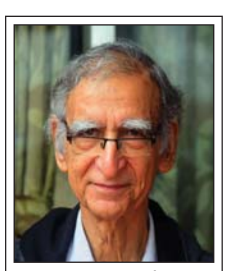

राम पुनियानी

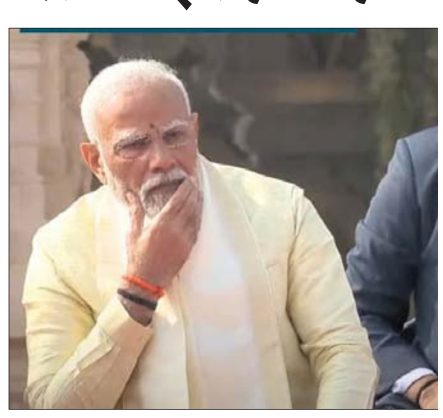

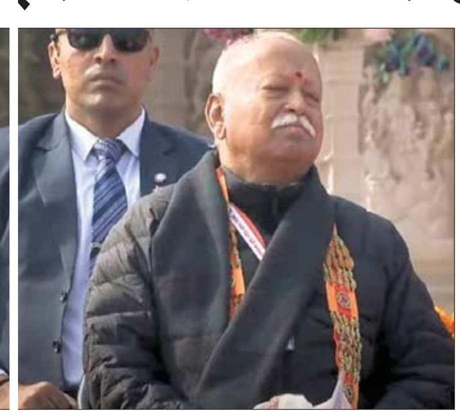

अपने गठन के बाद से ही आरएसएस ऐसी अनेक संस्थाओं का निर्माण करता आया है जो हिंदुत्व या हिन्दू राष्ट्रवाद की उसकी विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। हिंदुत्व की अवधारणा आर्य नस्ल, ब्राह्मणवादी मूल्यों और सिन्धु नदी से लेकर समुद्र तक की भूमि के आर्यावर्त होने पर आधारित है। आरएसएस ने जिन संगठनों और संस्थाओं को जन्म दिया है, उनकी संख्या 100 से ज्यादा है। इसके अलावा अनेक ऐसे संगठन हैं जो भले ही औपचारिक रूप से संघ परिवार के सदस्य न हों, मगर वे उसकी विचारधारा में रचे-बसे हैं। इनमें साधु-संतों के अनेक संगठनों व गौरक्षकों के समूहों सहित ऐसे अनेक गिरोह शामिल हैं जो हिन्दू धर्म के नाम पर हिंसा करने के मौकों की तलाश में रहते हैं। अब ऐसे कई संगठन अस्तित्व में आ चुके हैं जो अत्यंत आक्रामक हैं और जो आरएसएस द्वारा उसके अनुयायियों के लिए निर्धारित लक्ष्मणरेखा को पार करने में तनिक भी संकोच नहीं करते।

गौरक्षकों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि गाय के नाम पर मनुष्यों की हत्या स्वीकार्य नहीं है। उनके इस वक्तव्य के कुछ ही घंटे बाद, इसी मुद्दे पर एक मुसलमान को मौत की घाट उतार दिया गया। इसी तर्ज पर, प्रधानमंत्री ने क्रिसमस की पूर्वसंध्या पर कहा कि ह्लप्रेम, सौहार्द और भाईचारा, ईसा मसीह के शिक्षाओं का केन्द्रीय तत्व हैं।ह्व उन्होंने लोगों का आव्हान किया कि वे इन मूल्यों को मजबूती दें। इसके कुछ ही दिन बाद, बजरंग दल के सदस्यों और हिन्दू धर्म के अन्य स्व-नियुक्त ठेकेदारों ने अहमदाबाद में सांता क्लॉस के भेष में उपहार बाँट रहे एक व्यक्ति पर हमला किया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में दिखाया गया है कि अहमदाबाद के कांकरिया कार्निवल में सांता क्लॉस की वेशभूषा पहने दो लोगों की गुंडों ने जबरदस्त पिटाई की। यह शायद पहली बार है कि सांता क्लॉस का भेष धरे लोगों पर हमले हो रहे हैं।

इसके पहले कैरोल गायकों पर हमले हो चुके हैं। भाजपा के सत्ता में आने के बाद से राष्ट्रपति भवन में कैरोल गायन की परंपरा बंद कर दी गई है। बजरंग दल हिन्दुओं को क्रिसमस पार्टियों में भाग न लेने की चेतावनियाँ जारी कर चुका है। इस बार क्रिसमस पर ये सब हरकतें कुछ कम क्यों हुईं?

हाल में हमने हर मस्जिद के नीचे मंदिर खोजने के अभियान का आगाज भी देखा है, जो बाबरी मस्जिद को ढहाए जाने की याद दिलाता है। इस तरह के काल्पनिक दावों के ज्वार के बाद आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत ने भी कहा कि हमें हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने के प्रयास बंद करने चाहिए। यह सचमुच आश्चर्यजनक है कि काशी में फव्वारे-जैसे एक ढांचे को शिवलिंग बताया जा रहा है और मस्जिद को मंदिर में बदलने की मांग हो रही है। उत्तरप्रदेश के संभल में ऐसे ही दावों के बाद हिंसा हो चुकी है।

शायद इस सब ने देश की सबसे बड़ी राजनैतिक संस्था के शीर्ष नेता को झकझोर दिया है। या फिर शायद उन्हें यह लग रहा है कि इससे संघ परिवार की छवि खराब होगी। इसलिए उन्होंने एक ऐसा आव्हान किया जो समझदारीपूर्ण लगता है। उन्होंने कहा कि ह्लअयोध्या के राममंदिर का सम्बन्ध आस्था से था और हिन्दू इस मंदिर का निर्माण चाहते थे। मगर सिर्फ नफरत के कारण नए स्थानों के बारे में विवाद खड़े करना अस्वीकार्य है।ह्व उन्होंने यह भी जोड़ा कि ह्लकुछ लोग समझते हैं कि नए विवाद खड़े कर वे हिन्दुओं के नेता बन सकते हैं। इसकी इजाजत कैसे दी जा सकती है।ह्व

मगर इसके बाद एक चमत्कार हुआ। हिंदुत्व की राजनीति से जुड़े कई संगठनों ने भागवत की इस समझाईश का विरोध किया। हम सब जानते हैं कि आरएसएस में सख्त अनुशासन होता है और उसके सदस्य कभी अपने शीर्ष नेता के आदेशों का उल्लंघन नहीं करते। तो फिर यह कैसे हो रहा है कि दर्जनों सेनाएं और धर्म संसदें भागवत की अपील के खिलाफ बात और काम कर रही हैं?

इससे भी बड़ी बात यह है कि आरएसएस के अनाधिकारिक मुखपत्र ह्यआगेर्नाइजरह्ण ने भी अतिवादियों की मांग का समर्थन करते हुए लिखा कि, ह्लमंदिरों की पुनर्स्थापना, हमारी पहचान की खोज है।ह्व (द टाइम्स ऑफ इंडिया, दिसम्बर 27, 2024)। उसने यह भी लिखा कि मंदिरों की पुनर्स्थापना का उद्देश्य हमारी राष्ट्रीय पहचान स्थापित करना और सभ्यतागत न्याय हासिल करना है।

क्या नफरत सचमुच इतनी गहरी है कि अनुयायी अपने नेताओं की बात भी नहीं सुन रहे हैं? या क्या नरेन्द्र मोदी जैसे नेता चाहते हैं कि नफरत भड़काने वाली हरकतें होती रहें क्योंकि इनसे उनकी राजनीति को मजबूती मिलती है? अगर ऐसा नहीं है तो हिंसा करने वालों के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं होती? क्या कारण है कि कानून और व्यवस्था बनाये रखने वाली मशीनरी से लेकर कुछ हद तक न्यायपालिका तक का उन तत्वों के प्रति नर्म रुख है जो नफरत फैलाते हैं और हिंसा करते हैं?

बाबरी मस्जिद को जमीदोज करने वालों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई। गाय और गौमांस के नाम पर लिंचिंग करने वाले खुले घूम रहे हैं। लव-जिहाद के नाम पर हत्याएं और हमले करने वालों का बाल भी बांका नहीं हुआ है। जाहिर है कि ऐसे तत्वों को यह पता है कि वे आसानी से कानून तोड़ सकते हैं। वे जानते हैं कि कानून को तोड़मरोड़ कर उनका बचाव किया जाएगा।

ह्यआगेर्नाइजरह्ण द्वारा भागवत का विरोध मन में एक जिज्ञासा पैदा करता है। क्या आरएसएस विभाजित हो गया है? यह कैसे हो रहा है कि भागवत शांति और सौहार्द की बात कर रहे हैं और ह्यआगेर्नाइजरह्ण के कर्ताधर्ता चाहते हैं कि नफरत और हिंसा की राह पर तेजी से आगे बढ़ा जाए?

एक और पहलू को समझने की जरुरत है। जब इस तरह की सोच को राजनैतिक लाभ के लिए बढ़ावा दिया जाता है और इससे चुनावों में फायदा होता है तो शुरूआत में तो नेताओं को खुशी होती है। मगर फिर, जो बीज नेताओं ने बोये होते हैं, उनसे कई नए तत्व ऊग आते हैं और जैसा कि भागवत ने कहा, उनमें से कुछ राजनैतिक पद और प्रभाव हासिल करने की जद्दोजहद में जुट जाते हैं। हम सबको याद है कि जिस समय बाबरी मस्जिद गिराई जा रही थी, वरिष्ठ आरएसएस नेता के। सुदर्शन, जो आगे चल कर आरएसएस के मुखिया बने, मंच पर थे। इस अपराध की किसी को कोई सजा नहीं मिली। बाबरी मस्जिद के ढहाने वालों को निरपराध घोषित कर दिया गया और यह फैसला देने वाले जज को रिटायरमेंट के बाद एक महत्वपूर्ण पद मिला। एक पुरानी कहावत है कि ह्यजैसे बोओगे, वैसा काटोगे।ह्ण बाबरी मस्जिद की पूरी कथा से यह साफ है कि मंदिरों को तोड़ने के झूठे नैरेटिव फैलाने के अलावा, मुसलमानों के बारे में अनेक मिथक भी फैलाए गए। नतीजा हम सबके सामने है। आरएसएस के मुखिया की बात अब उनके ही समर्थक और अनुयायी सुनने को तैयार नहीं हैं। इसके अलावा, ईसाईयों के बारे में भी दशकों से यह प्रचार किया जा रहा है कि वे जोर-जबरदस्ती, धोखेबाजी और लोभ-लालच के जरिये धर्मपरिवर्तन करवा रहे हैं। मोदी, भागवत और उनके जैसे अन्यों को यह समझ में आ रहा होगा कि जिन्न को बोतल से निकलना आसान है। उसे फिर से बोतल में बंद करना मुश्किल है।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हामोंनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

अनुष्का शेट्टी के 19 साल

1000 करोड़ की हिट देकर कहां गायब हो गईं

'बाहुबली' की देवसेना?

साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्हें एस एस राजामौली की 'बाहुबली' जैसी सुपरहिट फिल्म अच्छा खासा नेम और फेम मिला था। फिल्म के दोनों पार्ट हिट रहे। इसके साथ ही इसमें काम करने वाले एक्टर्स का भी करियर बूम पर हो गया। फिर चाहे वो प्रभास रहे या फिर अनुष्का शेट्टी, राम्या कृष्णन के साथ अन्य कलाकार। यहां से सभी एक्टर्स का करियर चल पड़ा। पहचान भी मिली। फैन फॉलोइंग में भी इजाफा हुआ। वहीं, जहां सभी एक्टर्स आगे काम करते रहे और लाइमलाइट में रहे वहीं, अनुष्का शेट्टी लाइमलाइट से अचानक गायब ही हो गईं। ऐसे में चलिए बताते हैं उनके बारे मेंज

दरअसल, अनुष्का शेट्टी को फिल्म इंडस्ट्री में 19 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर फैंस अपनी चहेती एक्ट्रेस देवसेना यानि कि अनुष्का को याद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर उनकी पुरानी तस्वीरों को शेयर खूब बधाइयां दे रहे हैं। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया लेकिन, 'बाहुबली' उनके और प्रभास के करियर की टर्निंग प्वॉइंट रही। इस फिल्म के जरिए अनुष्का 1000 करोड़ की फिल्म देने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं। साल 2017 में इस मूवी ने ये आंकड़ा पार कर दिया था। इसने दुनियाभर में 1700 करोड़ की कमाई की थी। अनुष्का ने अपने अभिनय से हर किसी को इंप्रेस कर दिया था।

2005 में की थी अनुष्का ने करियर की शुरुआत

अनुष्का शेट्टी ने अपने करियर की शुरुआत साल 2005 में की थी। वो 'अरुंधति' और 'रुद्रमादेवी' जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। उनकी हिट फिल्मों की लिस्ट में 'बाहुबली-1' और 'बाहुबली-2' के अलावा 'विक्रमारकुड', 'सौर्यम' और 'सिंघम' जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं।

1000 करोड़ कमाकर कहां गायब हो गईं अनुष्का शेट्टी

'बाहुबली' की रिलीज के बाद अनुष्का को खूब नेम और फेम मिला लेकिन, वो ज्यादा समय तक लाइमलाइट में नहीं रहीं। 1000 करोड़ से ज्यादा कमाई करने के बाद वो लाइमलाइट से दूर रहने लगीं। फिल्मों में एक्टिव रहीं लेकिन, इस बीच उन्होंने कोई खास फिल्म नहीं की। वो केवल तमिल और तेलुगु में ही सीमित रहना चाहती थीं। साल 2018 में उन्हें फिल्म 'भागमती' में देखा गया था। इसके बाद 2020 में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई फिल्म 'निशब्दम' में देखा गया था। इसके बाद एक्ट्रेस ने करीब 3 साल का ब्रेक ले लिया था। इसे लेकर उन्होंने कहा था कि ये ब्रेक लेना जरूरी था। इस ब्रेक के पीछे का उनका उद्देश्य था कि आगे के प्रोजेक्ट्स पर अच्छे से ध्यान दे सकें। आपको बता दें कि 3 साल बाद वापसी के बाद एक्ट्रेस एक बार से दक्षिणी फिल्मों में एक्टिव हो चुकी हैं। उन्होंने 'मिस शेट्टी और पॉलीशेट्टी' से कमबैक किया था।

पर्सनल लाइफ की रही खूब चर्चा

फिल्मों के साथ-साथ अनुष्का शेट्टी अपनी निजी जिंदगी को लेकर खूब चर्चा में रही हैं। उनके करियर में उनका नाम कई एक्टर्स संग जुड़ा। इसमें प्रभास से लेकर नागा चैतन्य जैसे सेलेब्स का नाम शामिल है। लेकिन, 42 की उम्र में भी वो सिंगल हैं। प्रभास के साथ अनुष्का के प्यार के चर्चे जगजाहिर है। इनकी शादी से लेकर रिलेशनशिप में रहने तक की खूब चर्चा रही है। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी कभी रिश्ते की बात को कबूला नहीं है। प्रभास के बाद उनका नाम सीनियर एक्टर से लेकर बड़े फिल्म मेकर तक से जुड़ चुका है। लेकिन, अनुष्का की ओर से कभी अपने रिश्ते को लेकर किसी के साथ ऑफिशियल मुहर नहीं लगाई है और ना ही शादी को लेकर कोई खुलासा किया है।

मैं कर चुकी हूं शादी....

बालिका वधू फेम अविका गौर ने की सीक्रेट वेडिंग!

27 साल की अविका गौर की शादी की खबरें लगातार तेजी से वायरल हो रही हैं. अविका ने बालिका वधू सीरियल में आनंदी के बचपन का रोल प्ले करके फेमस हो गई थीं. इस बीच ऐसी खबरें आ रही थीं कि एक्ट्रेस अपने से 18 साल बड़े हीरो को डेट कर रही हैं और दावा तो ये भी था कि वो शादी भी कर चुकी हैं. अब इन खबरों पर अविका गौर ने चुप्पी तोड़ी है. इसके साथ ही पूरा सच क्या है वो बताया है.

कर चुकी है शादी!

अविका गौर हर्ष लिम्बाचिया को दिए इंटरव्यू में अपनी निजी लाइफ को लेकर बात की. एक्ट्रेस ने कहा कि वो 4 साल से मिलिंद चंदवानी को डेट कर रही हैं और मन ही मन बॉयफ्रेंड से शादी भी कर चुकी हैं. एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि ये फैसला उन्होंने बिल्कुल भी जल्दबाजी में नहीं लिया.

अविका ने बताया कि ना तो उन्होंने और ना ही मिलिंद ने ये फैसला किसी जल्दबाजी में लिया है. एक्ट्रेस ने कहा वो दोनों कई महीने तक फ्रेंडजोन में रहे थे और उसके बाद मिलिंग ने उन्हें प्रपोज किया था. वो इतने अच्छे हैं कि मैं अपने दिमाग में ही उनसे शादी कर चुकी हूं. मैं तो चाहती हूं कि आज ही शादी कर लूं. लेकिन मिलिंद कहते हैं कि उनकी और मेरी उम्र में काफी फर्क है. मैं उस हिसाब से अपना पूरा टाइम लूं और बाद में शादी के बारे में सोचूं.

अविका गौर ने ससुराल सिमर का सीरियल में रोली का रोल प्ले किया है. इस शो के दौरान एक्ट्रेस का नाम मनीष रायसिंघन के साथ जुड़ा था. हालांकि दोनों ने कभी भी इन खबरों पर कुछ भी नहीं किया उस वक्त.लेकिन बाद में अविका ने अफवाह जरूर बताया.

सुष्मिता सेन ने रिलेशनशिप पर खुलकर की बात, बोलीं-

मेरी जिंदगी में कोई लड़का नहीं...

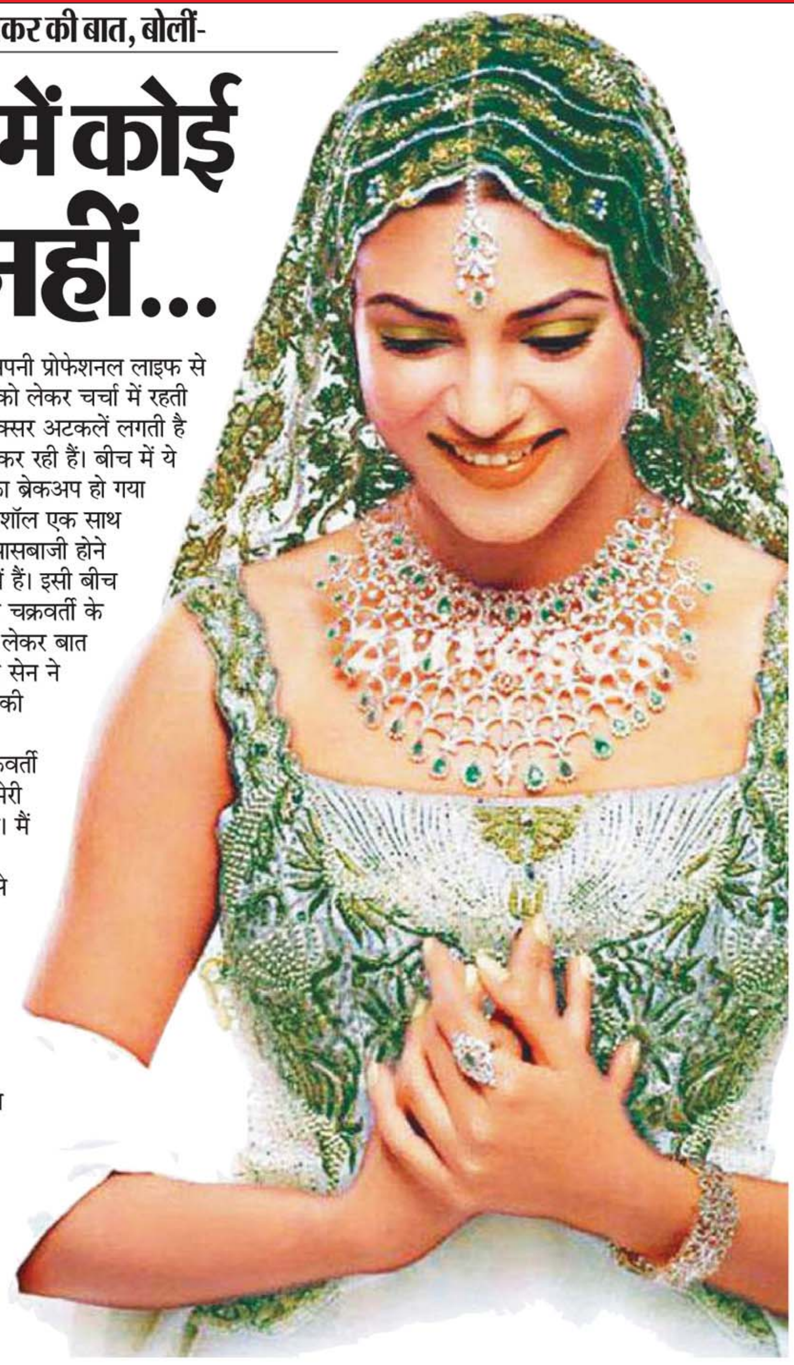

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। सुष्मिता सेन को लेकर अक्सर अटकलें लगती है कि वह रोहमन शॉल को डेट कर रही हैं। बीच में ये भी खबरें आई थी कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है। फिर से सुष्मिता सेन और रोहमन शॉल एक साथ नजर आने लगे तो दोनों को लेकर कयासबाजी होने लगी कि दोनों अभी भी रिलेशनशिप में हैं। इसी बीच सुष्मिता सेन ने बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट में अपने रिलेशनशिप को लेकर बात की है। आइए जानते हैं कि सुष्मिता सेन ने क्या कहा है। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने रिलेशनशिप को लेकर रिया चक्रवर्ती के साथ बात करते हुए कहा, मेरी जिंदगी में कोई लड़का नहीं है। मैं काफी समय से सिंगल हूं।

मैं करीब दो साल से सिंगल हूं। साल 2021 से मैं किसी रिलेशनशिप में नहीं हूं। मेरी किसी लड़के में दिलचस्पी नहीं है। मैं 5 साल के रिलेशशिप के बाद ब्रेक लेना चाहती हूं।

मेरी जिंदगी में कुछ खास लोग हैं जो मेरे दोस्त हैं। गौरतलब है कि 48 साल की सुष्मिता सेन का नाम खुद से 16 साल छोटे रोहमन शॉल के साथ नाम जुड़ता आया है।

'थप्पड़ मार दूंगी'

अर्चना गौतम ने कृष्णा अभिषेक संग किया फ्लर्ट तो भड़कीं कश्मीरा शाह, बोलीं- 'बर्दाश्त नहीं कर सकती'

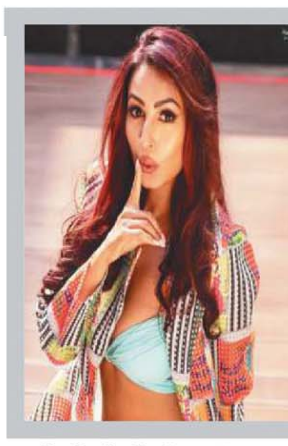

रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' की कंटेस्टेंट रहीं अर्चना गौतम पर कश्मीरा शाह ने गुस्सा निकाला है। दरअसल, इन दिनों कश्मीरा पति कृष्णा अभिषेक के साथ कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में नजर आ रही हैं। ऐसे में हाल ही के एपिसोड में अर्चना गौतम भी पहुंचीं। वो उनकी मदद करने के लिए शो में आई थीं। लेकिन, इस दौरान कुछ ऐसा हो गया कि कश्मीरा उन पर भड़क गईं और थप्पड़ मारने की बात कह दी।

बात ऐसी रही कि अर्चना गौतम ने शो में कश्मीरा शाह के पति और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक से फ्लर्ट किया और अब इस पर कश्मीरा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने फिल्मीबीट से बात की है। इस बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा कि वो अपने बच्चों, मां और पति को लेकर बेहद ही पजेसिव हैं। लाफ्टर शेफ्स के एक एपिसोड में अर्चना ने मजाक में कृष्णा को उन्हें गले लगाने के लिए कहा, जिससे कश्मीरा गुस्सा आ गया। उन्होंने इस पर अर्चना से कहा कि वो ढंग से बिहेव करें वरना वो उन्हें थप्पड़ मार देंगी।

कश्मीरा से क्या बोलीं अर्चना?

कश्मीरा ने कहा कि वो ये बात कभी बर्दाश्त नहीं कर सकती हैं कि कोई महिला उनके पति से कहे कि वो उन्हें गले लगाएं। शो में कश्मीरा ने अर्चना को अपने पति के साथ फ्लर्ट ना करने की चेतावनी दी और सवाल किया कि वो उन्हें पीछे से क्यों गले लगाएं। हालांकि, इस पर अर्चना ने उनसे कहा कि वो सिर्फ एक मजाक था। उन्होंने उन्हें इस मामले को गंभीरता से ना लेने के लिए कहा। दोनों ने शो में मामले को आगे नहीं बढ़ाया और चर्चा बंद कर दी।

शादी को हो चुके 11 साल

बहरहाल, अगर कश्मीरा शाह और कृष्णा अभिषेक के रिश्ते की बात की जाए तो दोनों की शादी को 11 साल हो चुके हैं। इनकी लव स्टोरी साल 2005 में शुरू हुई थी। वो पहली बार फिल्म 'और पप्पू पास हो गया' की शूटिंग के दौरान जयपुर में पहली बार मिले थे। तब कश्मीरा पहले से फिल्म प्रोड्यूसर ब्रैड लिस्टरमैन से शादीशुदा थीं। जयपुर में पहली मुलाकात के बाद दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए थे। फिर 2007 में कश्मीरा ने ब्रैड लिस्टरमैन को तलाक दे दिया और कृष्णा के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगीं। लिव इन रिलेशन के बाद 2013 में दोनों ने शादी कर ली और अब सरोगेसी से दो बच्चों के पेरेंट्स हैं।

दिवाली पर होगा ट्रिपल धमाका!

सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 से भिड़ेगी आमिर की फिल्म?

फिल्म इंडस्ट्री इस स्वतंत्रता दिवस पर एक बड़े प्रदर्शन की तैयारी कर रहा है। तीन बहुप्रतीक्षित फिल्में स्त्री 2, वेदा और खेल खेल में 15 अगस्त को स्क्रीन पर रिलीज होने के लिए तैयार हैं। वहीं, इस बार की दिवाली भी सिनेप्रेमियों के लिए काफी ज्यादा दिलचस्प होने जा रही है। दिवाली के मौके पर भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन का आमना-सामना होने की उम्मीद है।

वहीं, अब टकराव की रेस में आमिर खान के जरिए प्रोड्यूस की गई एक और फिल्म का नाम जुड़ गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर खान का प्रोडक्शन हाउस दिवाली के दौरान एक नई फिल्म रिलीज करने की योजना बना रहा है। हालांकि, फिल्म का फिलहाल कोई शीर्षक नहीं है। वहीं, एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि इसका नाम हैप्पी पटेल खतरनाक जासूस होगा। इस फिल्म में मोना सिंह, मिथिला पालकर और शारिब हाशमी मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्म का निर्देशन वीर दास और कवि शास्त्री ने किया है। फिल्म में वीर दास भी एक कैमियो भूमिका में हैं। इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट की शूटिंग हाल ही में पूरी हुई है। हैप्पी पटेल खतरनाक जासूस में मोना सिंह एक गैंगस्टर की साहसिक भूमिका में हैं, जो उनके पिछले काम से अलग है।

अवैध संपत्ति निर्माण कार्य को लेकर रणदीप को राहत नहीं

मध्य प्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बीते महीने प्रशासन ने संपत्ति के अवैध निर्माण कार्यों पर रोक लगाई। कथित रूप से यहां अभिनेता रणदीप हुड्डा की संपत्ति पर भी निर्माण कार्य चल रहा था। वे यहां होटल बना रहे हैं, जिस पर कोर्ट ने रोक लगा दी गई। रणदीप पर आरोप है कि उन्होंने बिना अनुमति के यहां निर्माण कार्य शुरू किया। इस मामले में अभिनेता ने याचिका दायर की, जिसका आज एमपी हाईकोर्ट ने निपटारा किया है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा की उस याचिका का निपटारा कर दिया है, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि कान्हा टाइगर रिजर्व के पास उनकी संपत्ति पर कथित निर्माण को लेकर अधिकारियों को उनके खिलाफ कार्रवाई करने से रोका जाए। अदालत ने पाया कि रणदीप हुड्डा की याचिका विचारणीय नहीं है, साथ ही रिजर्व के बफर जोन के पास कथित निर्माण के संबंध में उन्हें जारी किए गए कारण बताओ नोटिस को रद्द करने से भी इनकार कर दिया।

जैस्मीन भसीन की कॉर्निया हुई क्षतिग्रस्त

टीवी अभिनेत्री जैस्मीन भसीन हादसे की शिकार हो गई हैं। कॉन्टैक्ट लेंस की वजह से अभिनेत्री की कार्निया क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसकी वजह से वह कुछ देखने में असमर्थ हैं। छोटे पर्दे की मशहूर अभिनेत्री जैस्मीन भसीन को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। अभिनेत्री की आंखों में चोट लग गई है, जिसकी वह कुछ भी नहीं देख पा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दिल्ली में एक कार्यक्रम के लिए पहने गए कॉन्टैक्ट लेंस की वजह से अभिनेत्री की कॉर्निया क्षतिग्रस्त हो गई। डॉक्टर ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है और उनकी दोनों आंखों पर पट्टी बांध दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में शमिल होने के लिए कॉन्टैक्ट लेंस लगाकर गई थीं। इसके बाद से ही उनके आंखों में तकलीफ शुरू हो गई है।

ये बहुत अजीब है...

द ग्रेट इंडियन कपिल शो से निकाले जाने की खबरों का सुमोना ने बताया सच

सुमोना चक्रवर्ती द कपिल शर्मा शो का अहम हिस्सा रह चुकी हैं। उन्होंने हमेशा दर्शकों का मनोरंजन किया है। हालांकि, जब द ग्रेट इंडियन कपिल शो का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर हुआ तो प्रशंसकों को सुमोना की अनुपस्थिति का ध्यान आया। बाद में, इंटरनेट पर कई अफवाहें फैलने लगीं जिनमें दावा किया गया कि सुमोना को निकाल दिया गया है। वहीं, अब अभिनेत्री ने इस मामले पर खुलकर बात की है और शो का हिस्सा न बनने के पीछे की असल वजह बताई है। एक हालिया इंटरव्यू में सुमोना ने साफ किया कि उन्हें कपिल शर्मा के शो से नहीं निकाला गया है। अभिनेत्री ने कहा, यह बहुत अजीब है क्योंकि कुछ दिन पहले एक बहुत अच्छा आर्टिकल आया था। मैंने एक जर्नलिस्ट से बात की थी और मैंने बिल्कुल अलग बात कही थी। फिर जाहिर है दो दिन बाद एक दूसरे मीडिया आर्टिकल में बिल्कुल अलग बात कही गई थी।

-साभार एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवां टेस्ट छह विकेट से जीतकर एक दशक बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा किया

डब्लयूटीसी फाइनल के खिताबी मुकाबले में भी पहुंची, भारतीय टीम बाहर हुई

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने यहां पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को 6 विकेट से हराकर पांच मैचों की बॉडर गावस्कर सीरीज 3-1 से जीत ली है। एक दशक बाद मेजबान टीम बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने में सफल हुई है। इसी के साथ ही जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका के साथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) 2025 के खिताबी मुकाबले में पहुंच गयी है। वहीं भारतीय टीम बाहर हो गयी है। इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा के बाहर रहने पर जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम एक बार फिर बल्लेबाजी में विफल रहने के कारण मैच हार गयी। मैच के तीसरे ही दिन के दूसरे सत्र में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जीत के लिए मिले 162 रनों के लक्ष्य को चार विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी एक दशक के बाद 3-1 से जीतते हुए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिनप के लिए क्वालीफाई किया है। अब वह लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर 11 जून से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डब्लयूटीसी फाइनल में उतरेगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरी पारी में तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने बुमराह के कमर दर्द के कारण बाहर होने पर 3 विकेट लिए पर वह मेजबान टीम को रोक नहीं पाये। 162 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में ट्रेविस हेड ने 38 गेंदों में 4 चौके के बल पर नाबाद 34 रन बनाये जबकि ब्यू वेबस्टर ने 34 गेंदों में 6 चौके लगाकर नाबाद 39 रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया।

भारतीय गेंदबाजों ने सुबह के सत्र में तीन विकेट लिए पर छोटे लक्ष्य का बचाव वह नहीं कर पाये। मोहम्मद सिराज ने लगातार पैड पर गेंदबाजी की जिससे मेजबान टीम ने आसानी से रन बनाए। सेम कोंस्टास ने तेजी से रन बनाये पर कृष्णा की गेंद पर मिड ऑफ पर वाशिंगटन सुंदर के हाथों कैच हुए। कृष्णा ने इसके बाद अपनी लाइन और लेंथ से लाबुशेन को परेशान किया। को आसान कैच थमाया। स्मिथ को कृष्णा की गेंद पर यशस्वी जायसवाल ने कैच किया। इस तरह से कृष्णा ने सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास 22, मार्नस लाबुशेन 06 और स्टीव स्मिथ 04 को पेवेलियन भेज दिया पर बुमराह के नहीं होने से भारतीय टीम को नुकसान हुआ। नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ज्यादा प्रभावी नहीं रहे। भारत इससे पहले 2014 में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी हारी थी। उसके बाद से लगातार उसने 4 बार सीरीज अपने नाम की, जिसमें से दो बार ऑस्ट्रेलियाई मैदान पर उसने इतिहास रचा था।

वहीं इससे पहले स्कॉट बोलैंड ने छह विकेट और कप्तान पैट कमिंस ने 44 रन पर तीन विकेट लेकर दूसरी पारी में भारतीय टीम को 39.5 ओवर में केवल 157 रन पर ही समेट दिया। केवल ऋषभ पंत ही 61 और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ही 22 रन बना पाये अन्य बल्लेबाज विफल रहे। भारतीय टीम ने पहले पारी में 185 जबकि दूसरी पारी में 157 रन बनाये वहीं मेजबान टीम ने 181 और चार विकेट पर 162 रन बनाकर मैच जीत लिया।

ये मेरी या आपकी नहीं बल्कि देश की टीम : गंभीर

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम ऑस्ट्रेलिया ने खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मिली हार पर निराशा जतायी है। मेजबान टीम ने सीरीज 3-1 से जीतकर एक दशक के बाद इस ट्रॉफी पर कब्जा किया है। इसे को लेकर जब कोच गौतम गंभीर से कहा गया कि आपकी टीम हार गयी तो वे बोले कि ये मेरी या आपकी नहीं बल्कि भारतीय टीम है।

गंभीर ने मीडिया से कहा, देखिए ये ना मेरी टीम है और ना आपकी टीम है. ये हमारे देश की टीम है। इस टीम को आगे लेकर जाना ही हमारा एक मात्र लक्ष्य है। भारतीय टीम के सभी खिलाड़ी ईमानदार हैं और मैं अपने को खुशकिस्मत मानता हूं जो ऐसी टीम के साथ काम कर रहा हूं। खिलाड़ियों को पता है कि उनके अंदर जीत की कितनी भूख है और इससे टीम को कितना लाभ पहुंचने वाला है। वे भी टीम की भलाई के लिए कम करने हमेशा तैयार रहते हैं। कोच के तौर पर मेरा काम सबके साथ एक जैसा बर्ताव करना है। अगर मैं किसी एक दो खिलाड़ी के साथ अच्छा व्यवहार करता हूं और अन्य के साथ अलग तरह से व्यवहार करता हूं तो यह मेरे काम के साथ न्याय नहीं होगा। कोच के तौर पर मेरा काम हर एक खिलाड़ी चाहे वो नया हो या सीनियर या फिर वो जिसने अब तक भारत के लिए नहीं खेला के साथ समाना व्यवहार करना रहेगा। भारतीय टीम सीरीज के पहले मैच को छोड़कर अन्य सभी मैचों में बड़ा स्कोर बनाने में विफल रही। उसके प्रमुख बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी सीरीज में रन नहीं बना पाये जिससे टीम के अन्य बल्लेबाजों पर भी दबाव रहा।

टीम इंडिया का कप्तान बनना आसान नहीं, सम्मान और दबाव झेलने पड़ते हैं : रोहित

-बुमराह की कप्तानी की जमकर तारीफ, नए खिलाड़ी स्थान के महत्व को पहचाने

मेलबर्न, (एजेंसी)। सिडनी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रहे 5वें टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिया गया है। उनकी जगह जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभाल रहे हैं। रोहित शर्मा ने टीम में शामिल नए खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण संदेश दिया और बुमराह की कप्तानी की जमकर तारीफ की। रोहित ने नए खिलाड़ियों के नेतृत्व क्षमता को लेकर कहा कि टीम इंडिया का कप्तान बनना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी हर किसी को थाली में परोसकर नहीं मिलती है। इसे कमाना पड़ता है। यह सम्मान और दबाव दोनों के साथ आता है। नए खिलाड़ियों को स्थान के महत्व को पहचानना होगा।

बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में रोहित शर्मा की बल्लेबाजी फॉर्म पर सवाल उठे हैं। उन्होंने कहा कि खराब फॉर्म और आलोचना का सामना करना खेल का हिस्सा है। कप्तानी को लेकर उन्होंने कहा कि नेतृत्व में हर दिन अच्छा नहीं हो सकता, लेकिन विचारधारा और मानसिकता को स्थिर रखना जरूरी है। परिणाम भले न आएं लेकिन नेतृत्व के अपने तरीके और दृष्टिकोण को बदलने का कोई कारण नहीं है। बुमराह की कप्तानी को लेकर रोहित ने तारीफ की। उन्होंने कहा कि बुमराह खेल के प्रति गहरी समझ रखते हैं। वह दूसरों के लिए अपनी गेंदबाजी से उदाहरण पेश करते हैं। मैंने उन्हें 2013 में पहली बार देखा था और तब से उनके खेल और सोच में काफी विकास हुआ है। जिस तरह वह गेंदबाजी करते हैं, वह पूरी दुनिया देख रही है। उनके पास टीम को आगे रखने की बेहतरीन क्षमता है।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को पहले एक दिवसीय मैच में नौ विकेट से हराया

वेलिंगटन (एजेंसी)। मैट हेनरी (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विल यंग (नाबाद 90) रनों की बेहतरीन पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने रविवार को पहले एकदिवसीय मैच में श्रीलंका को 142 गेंदे शेष रहते नौ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। 19 रन देकर चार विकेट झटकने वाले न्यूजीलैंड के मैट हेनरी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

श्रीलंका के 178 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की विल यंग और रचिन रविंद्र की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े। 13वें ओवर में चामिंदु विक्रमासिंघे ने रचिन रविंद्र को हसरंगा के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। रचिन रविंद्र ने 36 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए (45) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्क चैपमैन ने विल यंग के साथ शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरात हुए दूसरे विकेट लिए अविजित 87 जोड़कर अपनी टीम को महज 26.2 ओवरों में 180 रन बनाकर नौ विकेट से जीत दिला दी। विल यंग ने 86 गेंदों में (90) और मार्क चैपमैन 36 गेंदों में (29) रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका की ओर से एकमात्र विकेट चामिंदु विक्रमासिंघे को मिला।

इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 23 के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिये। पथुम निसंका (नौ) कुसल मेंडिस (दो), कामिंदु मेंडिस (तीन) और कप्तान चरित असलंका (शून्य) पर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जनित लियानगे ने अविष्का फर्नांडो के साथ पारी को संभाला।

26वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने लियागने (36) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद स्मिथ ने अविष्का फर्नांडो 63 गेंदों में 56 रन को आउटकर पवेलियन भेज दिया। चामिंदु विक्रमासिंघे (22), वानिंदु हसरंगा (35), एहसान मलिंगा (चार) और असिता फर्नांडो (दो) रन बनाकर आउट हुये। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे श्रीलंका की पूरी टीम 42.4 ओवर में 178 के स्कोर पर सिमट गई। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने चार विकेट लिये। जेकब डफी और नेथन स्मिथ को दो-दो विकेट मिले। मिचेल सैंटनर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

साइम अयूब की टखने की चोट, चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने की आशंका

कराची । पाकिस्तान के युवा सलामी बल्लेबाज साइम अयूब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट मैच में टखने की चोट के कारण छह सप्ताह के लिए क्रिकेट से बाहर हो गए हैं। इस चोट के कारण उन्हें आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने का खतरा हो सकता है। साइम ने केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बाउंड्री पर फील्डिंग करते समय अपने दाहिने टखने में चोट लगा ली थी, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस चोट की पुष्टि की और बताया कि साइम का एमआरआई और अन्य परीक्षण किए गए हैं। चिकित्सकों ने उन्हें छह सप्ताह के आराम की सलाह दी है, जिसके कारण वह फरवरी में होने वाली क्रिकेट श्रृंखलाओं में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। यह चोट साइम के लिए काफी दुखदायी साबित हो सकती है, क्योंकि उनके शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें आगामी टूर्नामेंट्स में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद थी।

रोहित की तरह दो दशक पहले गांगुली भी मैच से हटे थे

सिडनी (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर बैठने से साल 2004 याद आ गया। उस समय भी कप्तान रहे सौरव गांगुली ने पिच देखने के बाद खेलने से मना कर दिया था। गांगुली ने जहां फिटनेस के आधार पर वहीं रोहित ने खराब फार्म के नाम पर टीम से बाहर बैठने का फैसला किया था। इससे साफ है कि दोनो को पिच देखकर समझ आ गया था कि यहां सफल होना उनके लिए कठिन है। रोहित ने इस प्रकार दिखाया कि टीम के केवल उनके कारण ही नहीं हार रही थी बल्कि इसके पीछे सभी की विफलता थी। इसके अलावा वह एक और असफल टेस्ट अपने रिकॉर्ड में नहीं जोड़ना चाहते थे। अंतिम मैच में भारतीय पहली पारी 185 और दूसरी पारी 157 रन ही बना पायी। वहीं दो दशक पहले साल 2004 में नागपुर में भारतीय टीम तीसरा टेस्ट खेलने पहुंची थी। तब सीरीज में ऑस्ट्रेलिया 1-0 से आगे थी। नागपुर पहुंचते ही जब भारतीय टीम अभ्यास के लिए मैदान पर पहुंची तो पिच पर हरियाली देखकर कप्तान रहे गांगुली भड़क गये। इसके बाइ भारतीय बोर्ड ने पिच को लेकर नाराजगी जतायी लेकर उसे बदला नहीं जा सका। इसके बाद गांगुली ने हैमस्ट्रिंग इंजरी को कारण बताते हुए मैच खेलने से इंकार कर दिया। उस समय भी भारतीय टीम मैच तीन दिन में हार गई। ऐसे में जिस प्रकार तब गांगुली का फिटनेस की वजह से बाहर मैच ना खेलना हमेशा सवालों के घेरे में रहा वैसे ही रोहित का भी फॉर्म के नाम पर बाहर रहना सवालों के घेरे में रहा। ये भी कहा जाता है कि कार्यवाहक कप्तान अधिक प्रभावी नहीं होता, इसलिए कप्तान चाहे फार्म में न भी रहे उसे खेलना ही चाहिये।

दक्षिण अफीका के रनो के पहाड़ में दबा पाकिस्तान,तीन विकेट सस्ते में गंवाये

केपटाउन (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने न्यूलैंड्स में पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट में अपना दबदबा बना लिया है। पहली पारी में 615 रनों का विशाल स्कोर बनाया और दूसरे दिन स्टंप तक मेहमान टीम के तीन विकेट झटक लिए हैं। पाकिस्तान 551 रनों से पीछे है और अपनी पहली पारी में 64/3 का स्कोर बना लिया है। मेहमान टीम पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है।

रयान रिकेल्टन दिन के स्टार रहे, जो न्यूलैंड्स में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर से चूक गए। रिकेल्टन ने 259 रन की शानदार पारी खेली। काइल वेरिन ने अपना चौथा टेस्ट शतक बनाया, लेकिन 105 रन बनाकर आउट हो गए। मार्को यानसन ने भी दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सिर्फ 42 गेंद पर तूफानी अर्धशतक जड़ा। छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से यानसन ने 62 रन बनाए।

कगिसो रबाडा ने 35 गेंद पर चार चौके और दो छक्कों की मदद से 40 रन की पारी खेली। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने कड़ी मेहनत की, लेकिन सपाट पिच और जमे हुए बल्लेबाजों ने उनके प्रयासों को बेकार कर दिया। मोहम्मद अब्बास ने एक बार फिर गेंद से कमाल दिखाया और तीन विकेट चटकाए और पाकिस्तान के लिए टेस्ट क्रिकेट में 100 विकेट पूरे किए।

पाकिस्तान पर फॉलोऑन का खतरा

मेहमान टीम की मुश्किलें बल्ले से भी जारी रहीं। सैम अयूब के चोटिल होने के कारण पहले से ही एक खिलाड़ी की कमी से जूझ रही शान मसूद की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। यानसन ने अब्दुल्ला शफीक और मुहम्मद गुलाम को जल्दी-जल्दी आउट किया, जबकि कगिसो रबाडा ने सऊद शकील को शून्य पर आउट किया। शुरुआती तीन विकेट जल्दी गिरने से पाकिस्तान का स्कोर 20/3 हो गया।

बाबर और रिजवान पर जिम्मेदारी

टेस्ट क्रिकेट में पहली बार ओपनिंग कर रहे बाबर आजम ने स्टंप्स से पहले मोहम्मद रिजवान के साथ मिलकर टीम को संभालने की जिम्मेदारी उठाई है। बाबर आजम 31 और रिजवान 9 रन बनाकर नाबाद लौटे। हालांकि, साउथ अफ्रीका गेंदबाजों की लय में होने के कारण पाकिस्तान पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पुरस्कार वितरण समारोह में नहीं बुलाये जाने से गावस्कर नाराज

सिडनी । महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पुरस्कर वितरण समारोह के लिए नहीं बुलाये जाने पर नाराजगी जतायी है। गावस्कर ने कहा कि उनके और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर के नाम पर ये ट्रॉफी खेली गयी। इसके बाद भी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मुझे नहीं बुलाया। गावस्कर इस दौरान स्टेडियम में ही थे। गावस्कर ने कहा कि अपने दोस्त बॉर्डर के साथ इस ट्रॉफी को प्रदान कर उन्हें खुशी होती। उन्होंने कहा कि बेहतर खेलने वाली टीम जीतती है। इसलिए उन्हें ट्रॉफी देने में कोई परेशानी नहीं थी। ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें और आखिरी टेस्ट में भारत को छह विकेट से हराकर एक दशक के बाद ये ट्रॉफी जीती है। गावस्कर ने कहा,' मुझे पुरस्कार समारोह में शामिल होकर खुशी होती। यह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी है और ऑस्ट्रेलिया और भारत से जुड़ी है। मैं मैदान पर ही था। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया को दी जा रही थी। उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला और जीते। केवल एक भारतीय हूं होने के कारण मुझे नहीं बुलाया गया है।'' भारत और ऑस्ट्रेलिया 1996-97 से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेल रहे हैं।

सिडनी पिच पर गावस्कर का तंज, कहा- भारत में ऐसा होता तो हंगामा मच जाता

सिडनी । भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे 5वें टेस्ट मैच में पिच को लेकर सवाल उठाए हैं। गावस्कर ने कहा कि इस पिच पर जो हालात हैं, उन्हें आदर्श टेस्ट पिच नहीं कहा जा सकता। उन्होंने चिंता जताई कि इस पिच पर पहले दिन 11 विकेट गिरे और दूसरे दिन 15 विकेट गिर गए, लेकिन इसके बारे में कोई सवाल नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, क्या यह खेल भारत में हो रहा है? अगर भारत में एक दिन में 15 विकेट गिरते, तो पूरे क्रिकेट जगत में हंगामा मच जाता। गावस्कर ने कहा, हम हमेशा विदेशी परिस्थितियों में खेलते हैं, लेकिन कभी कोई शिकायत नहीं करते। जब हम भारत में खेलते हैं, तो लोग हमारी पिचों पर सवाल उठाते हैं। क्या आपने कभी भारत के किसी पूर्व क्रिकेटर को पिच की शिकायत करते सुना है? हम हारते हैं, तो हारते हैं, लेकिन विदेशों में घरेलू टीमों को हराना बहुत मुश्किल होता है। गावस्कर ने यह भी कहा कि पिच पर इतनी घास थी कि वह बिल्कुल आदर्श टेस्ट मैच पिच नहीं लग रही थी। उन्होंने कहा, अगर बारिश नहीं होती, तो मुझे नहीं लगता कि हम चौथे दिन तक यहां खेलते रहते। इस पिच पर पिच और गेंदबाजों के लिए कोई अनुकूलता नहीं है।

ऋषभ को पहली पारी में रक्षात्मक खेलते देखकर हैरानी हुई : मैकडोनाल्ड

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि भारतीय टीम के बल्लेबाज ऋषभ पंत को पहली पारी में रक्षात्मक अंदाज में खेलते हुए देखकर उन्हें हैरानी हुई थी। मैकडोनाल्ड के अनुसार दूसरी पारी में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से भी वह परेशान नहीं हुए थे क्योंकि ये उनका स्वाभाविक अंदाज है। ऋषभ ने पहली पारी में 98 गेंदों में 40 रन बनाए थे। इस बल्लेबाज ने इस पारी के बाद कहा था कि मैच के हालातों को देखते हुए वह आक्रमण करने के लिए नहीं जा सकते थे। इस बल्लेबाज ने हालांकि दूसरी पारी में विपरीत अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मिचेल स्टार्क की लगातार गेंदों पर बड़े छक्के लगाये। उन्होंने स्कॉट बोलैंड और ब्यू वेबस्टर को भी जमकर पीटा। मैकडोनाल्ड ने कहा कि कि ऋषभ दूसरी पारी की बल्लेबाजी को देखकर कोई हैरानी नहीं हुई पर हम पहली पारी में उनकी बल्लेबाजी से थोड़े हैरान थे। उसके पास गेंदबाजों पर दबाव बनाने की पर्याप्त क्षमता है। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में इस बल्लेबाज को 61 रन पर आउट कर भारतीय टीम पर दबाव बना दिया था। मैकडोनाल्ड ने कहा कि हमने उसके खिलाफ योजना बनायी थी, हमने इस सीरीज के लिए उसके लिए योजना बनायी थी पर हम इस दौरान कई बार अपनी योजनाओं से भटक रहे थे और उसे बाउंड्री लगाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। यह एक ऐसी पारी थी जिसके बारे में आप कहेंगे कि यह उस समय के लिए सही थी। इस दौरे पर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली असफल रहे और नौ पारियों में 8 बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर कैच हुए। इसी को देखते हुए ही उन्होंने विराट के ऑफ स्टंप के बाहर गेंदबाजी करने को कहा था। विराट इस सीरीज में चार बार स्कॉट बोलैंड का शिकार बने। उन्होंने कहा कि मैं कोहली के खिलाफ योजना को अमल में लाने का पूरा श्रेय गेंदबाजों को दूंगा। योजना बनाना एक बात है, लेकिन फिर उसे मैदान पर उतारना दूसरी बात है। इससे कोहली दबाव में आ गये हालांकि उन्हें आउट करना अभी भी आसान नहीं रहा।

मुक्केबाजी को ओलंपिक में बनाए रखने के लिए सभी उचित कदम उठाए जाने चाहिए: लवलीना

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुवाहाटी - मुक्केबाजी का जब ओलंपिक खेल के रूप में भविष्य अधर में लटका हुआ है तब भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने रविवार को इस खेल को 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में बनाए रखने के लिए सभी उचित कदम उठाने की अपील की। मुक्केबाजी को लॉस एंजिल्स ओलंपिक के शुरुआती कार्यक्रम में जगह नहीं मिल पाई और इस खेल को ओलंपिक में बनाए रखने के लिए प्रयास जारी हैं। लवलीना अब विश्व मुक्केबाजी (वर्ल्ड बॉक्सिंग) की नवगठित एशियाई इकाई के एथलीट आयोग का हिस्सा हैं।

लवलीना ने (भारतीय खेल प्राधिकरण) कहा, 'इस समिति में होना सौभाग्य की बात है क्योंकि निर्णय लेने में अब भारत की आवाज भी सुनी जाएगी।' उन्होंने कहा कि मुक्केबाजी की तकनीकी पहलुओं विशेष रूप से 'स्कोरिंग और जजिंग' की निष्पक्ष आत्मनिरीक्षण करने की आवश्यकता है। लवलीना ने कहा, 'अभी तक भारत सिर्फ एक सामान्य सदस्य था जिसके पास विरोध जताने या व्यवस्था में खामी बताने के बहुत कम मौके होते थे। यह अब बदलने जा रहा है क्योंकि एशियाई निकाय में हमारे पास सात पद होंगे।'

उन्होंने कहा, 'यह उन खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदे वाली बात है जो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और ओलंपिक पदक जीतना चाहते हैं। मुक्केबाजी को लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में बनाए रखने के लिए सभी उचित कदम उठाए जाने चाहिए।' मुक्केबाजी को अगर लॉस एंजिल्स ओलंपिक में शामिल किया जाता है तो लवलीना लगातार तीसरी बार इन खेलों का हिस्सा बनना चाहती हैं। उन्होंने 2021 में तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था लेकिन पिछले साल पेरिस ओलंपिक से उन्हें खाली हाथ वापस लौटना पड़ा था।

लवलीना ने कहा, 'तोक्यो ओलंपिक का आयोजन कोविड के समय हुआ था जबकि पेरिस ओलंपिक सीखने का दौर था। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और मुझे इसका कोई मलाल नहीं है कि मैं पदक नहीं जीत पाई। प्रत्येक खिलाड़ी को कुछ नए सबक सिखाने के लिए मिलते हैं और लॉस एंजिल्स में मैं अधिक समझदारी के साथ आगे बढ़ना चाहती हूं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं अपनी तैयारियों में जल्दबाजी नहीं करूंगी। लॉस एंजिल्स ओलंपिक में अभी काफी समय है। अभी उचित वजन बनाए रखना और चोट से बचना मेरी योजनाओं में शामिल हैं। मैं अभी उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेलों से आगे के बारे में नहीं सोच रही हूं।'

नेपाल के बाल गायक सचिन ने 15 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

कांठमांडू। नेपाल के प्रसिद्ध बाल गायक सचिन परियार का निधन हो गया है। महज 15 साल की उम्र में सचिन की ऑक्सीजन की कमी और हार्ट अटैक के कारण उनका निधन हुआ है। काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा था, जहां 2 जनवरी को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा। मीडिया रिपोर्ट में अस्पताल सूत्रों के मुताबिक सचिन कई सालों से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे और पांच साल तक इलाज के बावजूद उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। सचिन के निधन से उनके प्रशंसकों और परिवार गहरे सदमें में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सचिन की मां और पिता अपने बेटे के निधन के बाद सुदबुद खो चुके हैं। इंटरनेट पर सामने आए वीडियो में सचिन के अंतिम संस्कार के दृश्य में उनके माता-पिता को रोते बिलखते देखा गया। सचिन की मां की चीखें दिल दहला देने वाली थीं, क्योंकि वह अपने बेटे को खोने के दुख सह नहीं पा रही थी। सचिन के पिता भी सहारा लेते दिखाई दिए। एक तस्वीर में सचिन की मां अपने बेटे के शव के पास खड़ी थीं, जो फूलों से सजा था और माथे पर लाल कुमकुम लगा था। सचिन परियार को 28 दिसंबर, 2024 को तेज बुखार, दौरे और चेतना के चलते अस्पताल में भर्ती कराया था। उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आई और उन्हें निमोनिया, कई अंगों की शिथिलता, तीव्र किडनी की चोट, एन्सेफैलोपैथी और रक्तस्राव विकार जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा। एन्सेफैलोपैथी एक ऐसी बीमारी है जिसमें मस्तिष्क का कार्य या संरचना प्रभावित होता है। बता दें छोटी सी उम्र में ही सचिन ने नेपाली मनोरंजन उद्योग में अपनी विशेष पहचान बनाई। वह अपने लोकप्रिय गीत ओथा खोलेरा के लिए बहुत मशहूर थे। सचिन की यादें हमेशा उनके प्रशंसकों के दिलों में जीवित रहेंगी और उनका योगदान नेपाली संगीत जगत में हमेशा याद किया जाएगा।

इथोपिया में 5.5 तीव्रता का आया भूकंप, ज्वालामुखी के फटने से तबाही की आशंका

अदीस अवावा। यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक इथोपिया में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 10 किमी (6.21 मील) की गहराई पर था। इससे पहले दिन में, अनादोलु अजांसी ने इथियोपिया के केंद्रीय माउंट डोफन में ज्वालामुखी विस्फोट की सूचना दी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस क्षेत्र में हाल ही में लगातार छोटे-छोटे झटके महसूस किए गए हैं। लगातार आने वाले इन झटकों ने संभावित बड़ी आपदा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। खास तौर पर अवाश फेंटाले क्षेत्र में, जो अदीस अबाबा से लगभग 142 मील (230 किमी) दूर है। हाल के हफ्तों में, इस क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक छोटे भूकंप आए हैं। इससे निवासियों को इस मुद्दे पर चिंता हो रही है। राज्य के स्वामित्व वाली फना ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्रीय प्रशासक अब्दु अली ने कहा है कि अधिकारी जोखिम वाले निवासियों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित करके हताहतों को रोकने के प्रयास कर रहे हैं। अली ने बताया कि भूकंप के झटके जारी हैं और अधिक शक्तिशाली होते जा रहे हैं। सबसे हालिया झटके रात में अदीस अबाबा में महसूस किए गए। उन्होंने कहा कि क्रेटर से धुआं निकलना बंद हो गया है। लेकिन ज्वालामुखी से लावा अभी भी बह रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों और मवेशियों को निकाला गया है, लेकिन उन्होंने संख्या नहीं बताई। एडिस स्टैंडर्ड के अनुसार, सितंबर के अंत से अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस क्षेत्र में 67 से अधिक भूकंप दर्ज किए हैं। विशेष रूप से फैंटेल क्षेत्र में जो ग्रेट रिफ्ट वैली का हिस्सा है। प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों ने समाचार पत्र को बताया कि 30 से अधिक घर ढह गए हैं, जहां भूकंप के झटके अधिक बार और अधिक हिंसक हो गए हैं। एक स्थानीय निवासी ने समाचार पत्र को बताया, 'घर दिन-प्रतिदिन ढह रहे हैं।

स्टॉक मार्केट में हुआ करोड़ों का नुकसान तो फ्री कूपन का लेने लगे आनंद

-2024 में संपत्ति 31.5 करोड़ रुपए पहुंची, आज भी साइकिल से चलते हैं

टोक्या ।75 साल के जापानी बुजुर्ग हिरोटो किरितानी, जिन्हें गॉड ऑफ फ्रीबीज के नाम से जाना जाता है। वह अनोखी लाइफस्टाइल के चलते इंटरनेट पर छाए हुए हैं। करोड़ों की संपत्ति के मालिक होने के बावजूद किरितानी हर दिन कूपन और मुफ्त ऑफर्स का पूरा फायदा उठाते हैं।किरितानी जो जापानी शतरंज जैसे खेल शोगी के शानदार खिलाड़ी थे, उन्होंने अपने करियर की शुरुआत शेयर बाजार में सिक्योरिटीज फर्म में टीचर के तौर पर की थी। वहीं पर उन्होंने शेयर ट्रेडिंग के गुर सीखे और पहली बार 10 करोड़ येन यानी 5.29 करोड़ रुपए की कमाई की। 2024 तक उनकी संपत्ति बढ़कर 60 करोड़ येन यानी 31.5 करोड़ रुपए तक पहुंच गई लेकिन वह आज भी साइकिल से ही चलते हैं। 2008 के स्टॉक मार्केट क्रैश में 20 करोड़ येन का नुकसान होने के बाद किरितानी ने ठान लिया कि अब एक भी पैसा बेकार नहीं जाने देंगे। उन्होंने एक हजार से ज्यादा कंपनियों के शेयर खरीदकर उनके कूपन और शेयरहोल्डर परक्स का इस्तेमाल किया। शेयरहोल्डर परक्स उन विशेष लाभों को कहते हैं, जो कंपनियां अपने शेयरधारकों को देती हैं। इनमें डिस्काउंट कूपन, मुफ्त प्रोडक्ट सैंपल, फ्री टिकट्स, गिफ्ट्स, बोनस और कंपनी इवेंट्स में शामिल होने का मौका शामिल है। कुछ कंपनियां अतिरिक्त लाभ जैसे बोनस शेयर या डिविडेंड भी देती हैं, जो निवेशकों की वफादारी बनाए रखने में मदद करते हैं। किरितानी हर सुबह टोक्यो की सड़कों पर अपने कूपन से खरीदी गई साइकिल से निकलते हैं। वह मुफ्त खाने के लिए रेस्टोरेंट जाते हैं। फ्री जिम में एक्सरसाइज करते हैं और यहां तक कि फ्री मूवी टिकट्स के जरिए हर साल 140 फिल्में देखते हैं। मजेदार बात यह है कि वह फिल्मों का आनंद नहीं लेते, बल्कि थिएटर की आरामदायक सीट्स पर सो जाते हैं। किरितानी का मानना है कि कूपन का सही इस्तेमाल करना उनके जीवन का उद्देश्य है। उनकी अनोखी कहानी ने उन्हें इंटरनेट सेंसेशन बना दिया है। सोशल मीडिया पर लोग उनकी इस लाइफस्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

जॉनसन बने हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव के स्पीकर

वॉशिंगटन। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव में रिपब्लिकन सांसद माइक जॉनसन को फिर से स्पीकर चुन लिया गया। जॉनसन को नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भी सपोर्ट हासिल था। हालांकि ट्रम्प के सपोर्ट के बाद भी उन्हें जीत के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। लुइसियाना से सांसद माइक जॉनसन को 2023 में भी इसी हाउस का स्पीकर चुना गया था। जॉनसन को दोबारा स्पीकर बनने के लिए 218 वोट की जरूरत थी। लेकिन शुरुआत में उनकी रिपब्लिकन पार्टी के ही 3 सांसदों ने उनका सपोर्ट करने से इनकार कर दिया। इसके बाद जॉनसन ने बहुमत हासिल करने के लिए 45 मिनट तक लॉबिंग की। तब जाकर दो उन्हें रिपब्लिकन सांसदों का सपोर्ट मिला, जिससे वो बहुमत हासिल कर पाए।

अमेरिका में ट्रक से कुचलने के बाद, गोलीबारी की घटना....4 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया

वाशिंगटन ।अमेरिका में ट्रक से कुचलने की घटना के बाद अब वाशिंगटन डीसी में गोलीबारी की घटना हुई है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, फायरिंग के बाद 4 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया है। घायलों में 3 पुरुष और एक महिला शामिल है। घटना रात करीब 9 बजे हुई। हमले की चपेट में आए सभी पीड़ित होश में हैं। बात दें कि गोलीबारी की घटना हैरी थॉमस वे नॉर्थईस्ट के 1500 ब्लॉक में हुई, जो मेट्रो स्टेशन से सिर्फ 500 फीट दूर है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमले के बाद 2 पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाया गया। इतना ही नहीं गोलीबारी के दौरान भगदड़ से कई लोग घायल भी हुए हैं। जिस जगह पर गोलीबारी हुई, वहां अक्सर काफी भीड़ रहती है। फिलहाल, पुलिस टीम मौके पर तैनात है और घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि हमलावर के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। घटनास्थल से सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं। आसपास जो लोग मौजूद थे उन सभी से पूछताछ की जा रही है।

कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया में प्रदर्शनी पार्क में समरनेट्स कार फेस्टिवल के दौरान बर्नआउट प्रदर्शन का मंचन किया गया। यहां पर प्रतिवर्ष 2 से 5 जनवरी तक कार फेस्टिवल आयोजित किया जाता है।

बाढ़ से जूझ रहे श्रीलंका का आर्थिक मदद देकर, क्या डेट ट्रैप डिप्लोमेसी कर रहा चीन

कोलंबो (ईएमएस)। आर्थिक संकट और बाढ़ से जूझ रहे श्रीलंका में चीन अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की है। बाढ़ पीड़ितों की मदद के नाम पर चीन ने श्रीलंका में राहत सामग्री और सहायता पहुंचाकर अपनी पैठ बढ़ने की कोशिश की है। चीन ने श्रीलंका में 46 लाख बच्चों के लिए मुफ्त स्कूल ड्रेस और राशन उपलब्ध कराया हैं। यह कदम श्रीलंका की मौजूदा आर्थिक स्थिति में चीन की छवि सुधारने और वहां अपनी मौजूदगी को मजबूती करने की रणनीति का हिस्सा है। चीन के इस कदम पर विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की असली मंशा अपने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) को बढ़ावा देना है। श्रीलंका में पहले से ही कई चीनी परियोजनाएं चल रही हैं, इसमें हंबनटोटा और कोलंबो पोर्ट सिटी जैसी प्रमुख योजनाएं हैं। इन परियोजनाओं के द्वारा चीन अपनी आर्थिक और रणनीतिक पकड़ मजबूत कर रहा है। चीन की यह सॉफ्ट पावर रणनीति आर्थिक सहायता और मानवीय राहत के जरिए देशों को अपनी ओर आकर्षित करने पर केंद्रित है। श्रीलंका में यह रणनीति न केवल चीन की उपस्थिति को मजबूत करेगी, बल्कि भविष्य में श्रीलंका को अपने पक्ष में रखने की गारंटी भी देगी। दरअसल आर्थिक संकट के चलाते श्रीलंका को चीन और अन्य देशों से कर्ज लेना पड़ा है। इस स्थिति में चीन की मदद कई बार डेट ट्रैप डिप्लोमेसी का हिस्सा होती है, जहां कर्ज के बदले चीन संबंधित देश पर राजनीतिक और आर्थिक नियंत्रण बढ़ा लेता है।

यूक्रेन के ड्रोन हमलों का जवाब देने रूस ने चलाया ब्रह्मास्त्र, जेलेंस्की की उड़ी नींद

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन का युद्ध अब स्वाभिमान का सवाल बन गया है। करीब तीन सालों से जारी युद्ध में कोई भी झुकने को तैयार नहीं है। ऐसे में अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नए ब्रह्मास्त्र से यूक्रेन खौफ में आ गया है। पुतिन का ये नया ब्रह्मास्त्र ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की नींद उड़ा दी है? यूक्रेन के डिफेंस इंटेलिजेंस प्रमुख किरिलो बुडानोव ने रूस के अत्याधुनिक फाइबर ऑप्टिक ड्रोन को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि यूक्रेन के पास रूस के इस हथियार का कोई तोड़ नहीं है।

उन्होंने कहा कि हम ड्रोन वॉर जीत रहे थे लेकिन अब रूस ने बड़े स्तर पर फाइबर ऑप्टिर एफपीवी ड्रोनों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। ये हमारे लिए बहुत मुश्किल है क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर से इसे रोक पाना असंभव है। हम इसका तकनीकी समाधान ढूंढने की कोशिश करेंगे। बता दें कि बीते कुछ समय से यूक्रेन की सेना को रूस के

इस नए तरह के एफवीपी ड्रोन कामिखाजा के नए प्रकार का पता चला है।

रूस के इस एफवीपी कामिखाजा ड्रोन को सेना की लैब में तैयार किया गया है। रूस और यूक्रेन के बीच ये जंग ड्रोन युद्ध के रूप में बदल चुकी है। दोनों मुल्क जमकर ड्रोन्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में युद्ध के बीच ये समझ पाना मुश्किल है कि कौन सा ड्रोन किसका है। ये ड्रोन अद्भुत कंट्रेल सिस्टम से लैस हैं जो फाइबर ऑप्टिक केबल से चलते हैं। रूस के ये नए ड्रोन इतने सशक्त और भेदी हैं कि ये वायरलेस रेडियो फ्रीक्वेंसी से भी बचकर निकल जाते हैं।

दरअसल पारंपरिक ड्रोन जीपीएस और आरएफ सिग्नल पर निर्भर होते हैं और इन्हें जैमिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर टेक्टिक्स के जरिए डिसेबल किया जा सकता है। इससे पहले भी यूक्रेन में रूसी सेना की स्पेशल मिने बटालियन दुश्मन के ठिकानों को ढूंढकर निशाना बना रही है। इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए रूसी सेना एफपीवी-ड्रोन का इस्तेमाल कर रही है। रूसी सैनिक एफपीवी-डोन में जैविक हथियार जोड़ने के लिए फिटिंग बनाने के ि ए 3डी-प्रिंटर का इस्तेमाल करते हैं। अब इसी ड्रोन का ले ःस्ट वर्जन यूक्रेन के लिए सिरदर्द बन गया है। यूक्रेन परेश न है इसका जवाब कैसे दिया जाए।

परेशानी में ट्रंप, पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स मामले में 10 जनवरी को आएगा फैसला

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक नई मुश्किल खड़ी होने वाली है। 10 जनवरी को पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प को पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देकर चुप कराने के मामले में सजा सुनाई जाएगी। मामले की सुनवाई करने वाले जज जुआन मर्चेन ने कहा कि ट्रम्प व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल माध्यम से सजा सुनने के वक्त कोर्ट में मौजूद हो सकते हैं।

दरअसल 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रम्प ने कथित तौर पर डेनियल्स को पैसे दिए ताकि वह उनके साथ कथित यौन संबंधों के बारे में सार्वजनिक रूप से बात न करें। इस मामले में मैनहैटन कोर्ट ने पिछले साल मई में ट्रंप पर 34 आरोप तय किए थे। वहीं ट्रम्प ने मामले को अवैध राजनीतिक हमला करार दिया है। उन्होंने जज मर्चेन को कट्टरपंथी और पक्षपाती बताया और कहा, यह मामला हमारे संविधान के खिलाफ है। इस तुरंत खारिज किया जाना चाहिए। उनके प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने भी मामले की निंदा कर कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के इम्यूनिटी निर्णय और कानूनी प्रणाली का सीधा उल्लंघन है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जज मर्चेन ने कहा है कि ट्रंप को 20 जनवरी से पहले सजा सुनाना जरुरी है। शपथ ग्रहण के बाद राष्ट्रपति पद की दी गई छूट के कारण ट्रम्प मामले में कानूनी कार्रवाई से बच सकते हैं। उधर ट्रम्प ने मामले को धोखाधड़ी बताकर कहा कि वह इन आरोपों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। ट्रंप समर्थकों का मानना है कि यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है और उनका उद्देश्य ट्रम्प की छवि खराब करना है।

आतंकी हमले के बाद बाइडेन की दो टूक, आईएसआईएस को बक्शा नहीं जाएगा

वाशिंगटन ।न्यू ऑरलियंस में हुए आतंकी हमले के बाद अमेरिका आईएसआः एस के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सकता है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वादा किया कि अमेरिका आईएसआईएस और अन्य 3 तंकवादी संगठनों का लगातार पीछा करेगा। बाइडेन ने कहा, हम आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी संगठनों का लगाता पीछा करने वाले है। जहां वे हैं और उन्हें कोई सुरक्षित पनाहगाह नहीं मिलेगी। इस बीच न्यू ऑरलियन्स के बॉर्बन स्ट्रीट में उम ाद और वादे के साथ रेस्तरां और बार फिर से खुल गए। शहर और देश को झकझोर देने वाले हमले के बाद भले ही पर्यटकों क संख्या कम हो गई हो, लेकिन न्यू ऑरलियन्स के फ्रेंच क्वार्टर इलाके की इस लोकप्रिय सड़क पर पर्यटकों के साथ-साथ लोग भी वापस आ गए हैं। इस सड़क के मशहूर बैंड भी वापस आ गए हैं। बता दें बॉर्बन स्ट्रीट में एक संदिग्ध आईएसआईएस आतंकी ने तेज रफ्तार ट्रक घुसा दिया था। हमले में 14 लोगों की मौत हुई और दर्जनों लोग घायल हो गए। ट्रक कथित तौर पर टेक्सा निवासी 42 वर्षीय संदिग्ध शम्सुद्दीन जब्बार चला रहा था इस सुरक्षाबलों ने मार गिराया। जांचकर्ताओं का मानना है कि जब्बा ने अकेले ही घटना को अंजाम दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एफबीआई का कहना है कि वाहन में इस्लामिक स्टेट (आईः सआईएस या आईएस) का झंडा मिला है।

डोभाल से मुलाकात करने दिल्ली पहुंच रहे अमेरिकी एनएसए सुलिवन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन पांच और छह जनवरी को भारत की यात्रा पर जाएंगे, जहां वह अपने समकक्ष अजीत डोभाल और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करने वाले है।

सुलिवन,पद छोड़ने से पहले भारत की अपनी यात्रा के दौरान दिल्ली के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में भारत-केंद्रित विदेश नीति पर भाषण भी देने वाले है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने वाले हैं, और उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद सांसद माइकल वाल्ट्ज को दिया गया। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि सुलिवन की यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है।

तीन मोर्चों में जंग लड़ रहे इजरायली सैनिकों में आत्महत्या के मामले बढ़े, चिंतित नेतन्याहू खुद मैदान में उतरे

तेलअवीव (एजेंसी)। साल 2024 में इजरायल पूरी तरह युद्ध फंसा दिखाई दिया और नये ाल में यहूदी देश के खिलाफ युद्ध का नए मोर्चे खुलने जंग में और ज्यादा फंसे रहने की उम्मीद है। अक्टूब 2023 में हमास द्वारा किए भीषण हमले के बाद इज ायल दुश्मन देशों पर कहर बनकर टूट रहा है। पहले हमास फिर लेबनान और अब नए साल के साथ ही मन के हूती विद्रोहियों के साथ इजरायल की जंग शुरू हो चुकी है। लेकिन युद्ध के तीन मोर्चों में उलझे इजरा ली सैनिकों की मनोस्थिति ठीक नहीं है। इजरायल क फौज यानी आईडीएफ का डेटा कहता है कि युद्ध शुरु होने के बाद से सैनिकों में आत्महत्या की संख्या बढ़ी । 2023 और 2024 में 38 सैनिकों ने सुसाइड वि या। हमास के खिलाफ शुरू हुए युद्ध के बाद से आत्महत के 28 मामले सामने आए। चिंतित नेतन्याहू सरकार ने सैनिकों की आत्महत्या रोकने के लिए 800 से ज्यादा डॉक्टरों की टीम को मदद के लिए उतार दिया है। वे लगा ार सैनिकों की काउंसलिंग कर रहे हैं।

आईडीएफ ने बीते दो वर्षों में हुई ातों के आंकडे जारी कर कहा है कि युद्ध के दौरान सेना आत्महत्याओं की संख्या में वृद्धि देखी गई है। जहां 2023 और 2024 में 38 सैनिकों ने आत्महत्या की है, उस से 28 ने 7

अक्टूबर 2023 को हुए हमले के बाद आत्महत्या की। 2022 में आईडीएफ में 14 आत्महत्याएं दर्ज हुईं और 2021 में यह संख्या 11 थी।

वहीं आईडीएफ के अनुसार, 558 सैनिक मारे गए, जिसमें 512 की जंग के दौरान मौत हुई। दुर्घटनाओं में 16 सैनिकों की मृत्यु हुई, जिसमें प्रशिक्षण के दौरान दो, नागरिक कार दुर्घटनाओं में चार, सैन्य कार दुर्घटनाओं में पांच, एक आकस्मिक हथियार विस्फोट के परिणामस्वरूप और 10 की बीमारी से मौत हुई। 2024 में, आईडीएफ ने सेना में कुल 363 मौतें दर्ज कीं, जिनमें युद्ध के दौरान परिचालन गतिविधि में 295 और आतंकवादी हमलों में 11 मौतें शामिल हैं। दुर्घटनाओं में 23 सैनिक मारे गए, 17 नागरिक कार दुर्घटनाओं में, तीन सैन्य कार दुर्घटनाओं में तथा 13 की मृत्यु बीमारी के कारण हुई।

युद्ध की शुरुआत से लेकर अब तक आईडीएफ के 891 सैनिक मारे गए हैं। इसमें 7 अक्टूबर के हमले के दौरान 329, गाजा में लड़ाई के दौरान करीब 390, उत्तरी इजरायल पर हमलों में 37, लेबनान के अंदर लड़ाई के दौरान 50 और वेस्ट बैंक में 11 सैनिक मारे गए।

आईडीएफ के आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष के दौरान आईडीएफ में कुल मृत्यु दर में 2023 की तुलना में कमी आई है, लेकिन आत्महत्याओं की संख्या में वृद्धि हुई है। आईडीएफ का कहना है कि 2024 में कम से कम 21 सैनिकों ने आत्महत्या कर दी, जिसमें सात भर्ती किए गए सैनिक, दो कैरियर सैनिक और 12 रिजर्व सैनिक शामिल हैं। आईडीएफ ने बताया कि सेना में आत्महत्याओं को रोकने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। सैनिकों की काउंसलिंग के लिए 24 घंटे सातों दिन हेल्पलाइन शुरु की गई है। अक्टूबर 2023 में सेल के स्थापित करने के बाद से काउंसलिंग के लिए 3900 से अधिक कॉल प्राप्त हुए हैं। आईडीएफ ने युद्ध के दौरान सैनिकों की मनोस्थिति ठीक करने के लिए 800 से अधिक डॉक्टरों की टीम को भी नियुक्ति किया है।

महामारी के चलते श्मशानों पर लाशों का ढेर लगा, फिर भी झूठ पर झूठ बोल रहा है चीन

बीजिंग(एजेंसी)। कई बार प्रमाणित हो चुका है कि चीन झूठ बोलने में माहिर है। कोरोनाकाल में तमाम सबूत होने के बाद भी वो झूठ बोलता रहा। इस बार भी चीन में कोरोना वायरस जैसी बीमारी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) तेजी से फैल रही है। वहां के अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं। यहां तक श्मशानों में भी शवों की दफनाने के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं, लेकिन चीन इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं है।

उसने सोशल मीडिया पर प्रसारित इस तरह के वीडियो को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि जैसा दिखाया जा रहा है, वैसा कुछ भी नहीं। बीजिंग ने तो यहां तक कह दिया कि विदेशी टूरिस्टों के लिए चीन पूरी तरह से सुरक्षित है। चीन का यह बयान ठीक वैसा ही है, जैसा कि उसने पांच साल पहले कोरोना के समय दिया था। उसने कभी नहीं माना कि कोविड-19 वायरस उनके देश से फैला। चीन ने शुक्रवार को देश में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरों को कमतर बताया, यह कहते हुए कि इस साल सर्दियों में होने वाली सांस संबंधी बीमारियों के मामले पिछले साल की तुलना में कम गंभीर हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा करना बिल्कुल सुरक्षित है।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मीडिया को चीन में इन्फ्लूएंजा ए और अन्य श्वसन बीमारियों के प्रसार पर एक सवाल के जवाब में बताया, उत्तर गोलार्ध में सर्दियों के मौसम के दौरान श्वसन संक्रमण का प्रकोप बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, बीमारियां पिछले सा की तुलना में कम गंभीर और छोटे पैमाने पर फैलत दिख रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आपको आश्वस्त क सकती हूं कि चीनी सरकार चीनी नागरिकों और ीन में रहने वाले विदेशियों के स्वास्थ्य की परवाह करती है। चीन में यात्रा करना सुरक्षित है।' चीनी वि देश मंत्रालय की प्रवक्ता ने यह भी बताया कि चीन की राष्ट्रीय रोग नियंत्रण और रोकथाम प्रशासन सर्दियों में श्वसन रोगों की रोकथाम और नियंत्र ण के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पिछले कुछ दिनों से चीन में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की ख बरें विदेशों में, खासकर भारत और इंडोनेशिया में, ल रही हैं। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों का क ना है कि यह प्रकोप हर साल सर्दियों के दौरान होत है।

मुस्लिम बनकर दी महाकुंभ में एक हजार हिंदुओं को उड़ाने की धमकी

-पुलिस ने बिहार से 11वीं के छात्र को किया गिरफ्तार, पूछताछ जारी

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में बम ब्लास्ट की धमकी देने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया है। यूपी पुलिस ने शनिवार को उसे बिहार के पूर्णिया से दबोचा। आरोपी 11वीं का छात्र है। उसने नसर पठान नाम की आईडी बनाकर महाकुंभ में ब्लास्ट की धमकी दी थी। पूछताछ में आरोपी छात्र ने बताया कि उसने दोस्त को फंसाने के लिए ऐसा किया। आरोपी छात्र हिंदू है उसने बताया कि उसका कुछ दिन पहले दोस्त से झगड़ा हो गया। उसे फंसाने के लिए फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया और धमकी भरा पोस्ट शेयर कर दिया। यूपी पुलिस की टीम उसे प्रयागराज लेकर आ गई है। एटीएस उससे पूछताछ कर रही है। आरोपी छात्र ने बताया कि 31 दिसंबर को इंस्टाग्राम पर उसने नसर पठान नाम की आईडी बनाकर उससे धमकी दी थी। धमकी में लिखा था- ऑल ऑफ यू, तुम सब अपराधी हो। महाकुंभ में बम ब्लास्ट करेंगे। एक हजार हिंदुओं को मारेंगे। उसी दिन विपिन गौर नाम युवक ने पोस्ट के स्क्रीनशॉट को डायल-112 यूपी पुलिस को टैग करते हुए शेयर किया। इसके बाद यूपी पुलिस सक्रिय हो गई थी। लखनऊ के यूपी-112 मुख्यालय के ऑपरेशन कमांडर अरविंद कुमार नैन ने पुलिस महानिदेशक अभिसूचना (लखनऊ), अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था (लखनऊ), अपर पुलिस महानिदेशक सुरक्षा (लखनऊ), अपर पुलिस महानिदेशक एटीएस (लखनऊ) और एसएसपी कुंभ को पत्र भेजा और जांच करने को कहा। महाकुंभ मेला कोतवाली थाने में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। आरोपी को पकड़ने के लिए तीन टीमें बनाई गईं। सर्विलांस, आईपी एड्रेस ट्रेस करने पर पता चला कि जिस नंबर से यह आईडी बनाई गई है। वह बिहार के पूर्णिया जिले के भवानीपुर शहीदगंज का है। फिर टीमें बिहार पहुंचीं। बिहार पुलिस की मदद से आरोपी छात्र को पकड़ लिया है।

झोला छाप डॉक्टर दुष्कर्म नहीं कर पाया तो महिला का चाकू से पेट फाड़ डाला

पूर्णिया। दुष्कर्म में असफल एक झोला छाप डॉक्टर ने महिला का चाकू से पेट फाड़ डाला। जिससे उसकी आंत बाहर निकल आई। परिजनों ने उसे पूर्णिया के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना केनगर के काझा नहर के समीप की बताई जा रहा। केनगर थानाध्यक्ष नवदीप गुप्ता ने बताया कि आरोपी का महिला के घर आना-जाना था। मामला दर्ज कर पुलिस अनुसंधान में जुट गयी है। महिला के पिता ने बताया कि आरोपी गांव में ही झोलाछाप डॉक्टर के रूप में काम करता है। गुरुवार संध्या उनकी लड़की काझा बाजार शाक-सब्जी खरीदने आई थी। बाजार में आरोपी उसे मिला और बाइक पर घर छोड़ने की बात कह उसे साथ लेकर चल पड़ा। काझा नहर के समीप जब वह पहुंचा तो वह घर की ओर नहीं जाकर उत्तर दिशा में एक खेत की ओर मुड़ गया। महिला ने ऐसा करने से मना भी किया, परन्तु वह नहीं माना। खेत ले जाकर उसने दुष्कर्म की नीयत से महिला को जमीन पर पटक दिया। महिला ने उसका जमकर विरोध किया। दुष्कर्म में असफल होने पर चाकू निकाल आरोपी ने महिला का पेट फाड़ दिया, जिससे उसकी आंत बाहर निकल आई। आरोपी ने महिला का गला काटने की भी कोशिश की, लेकिन महिला ने हाथों से चाकू की वार को रोक लिया। जिससे उसका हाथ भी घायल हो गया। शोर मचाने पर लोगों को आता देख आरोपी वहां से भाग गया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पहले तो महिला को जीएमसीएच में भर्ती कराया, जहां से उसे भागलपुर रेफर किया गया। भागलपुर से महिला को पटना रेफर किया गया। आखिरकार पूर्णिया के एक प्राइवेट सर्जन के अस्पताल में उसे भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

गुजरात में पत्नी पीड़ित ने की आत्महत्या, वीडियो में कहा- मेरी पत्नी को सबक सिखाना

अहमदाबाद। अतुल सुभाष सुसाइड केस के बाद गुजरात में भी ऐसा ही मामला आया है। यहां पर एक व्यक्ति ने वीडियो बनाकर सुसाइड किया है। वीडियो में उसने अपनी पत्नी को मौत के लिए जिम्मेदार बताया है। उसने अपने परिवार से पत्नी को सबक सिखाने के लिए कहा है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। मामला गुजरात के बोताड़ जिले के जमराला गांव का है। यहां पर 30 दिसंबर को 39 साल के सुरेश सथादिया ने अपने घर में सीलिंग फैन से फांसी लगाकर जान दे दी थी। बोताड़ ग्रामीण पुलिस थाने के अधिकारियों ने मामले की जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक महिला के खिलाफ अपने पति को आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि घरवालों को सुरेश के मोबाइल से वीडियो मिला था। इसमें उसने अपनी पत्नी को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है। साथ ही घरवालों से गुहार लगाई है कि वह लोग उसकी पत्नी को सबक सिखाएं। सुरेश के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मृतक की पत्नी जयाबेन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। इस शिकायत में पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बहू ने बेटे का लगातार मानसिक उत्पीड़न किया। वह उससे अक्सर झगड़ा करती थी और अपने माता-पिता के घर चली गई थी। एफआईआर के मुताबिक सुरेश अपने ससुराल भी गया और अपनी पत्नी को मनाने की कोशिश की। लेकिन उसकी पत्नी ने वापस आने से मना कर दिया। इसके बाद सुरेश ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही इंजीनियर अतुल सुभाष का केस आया था। अतुल ने वीडियो बनाकर पत्नी निकिता, सास निशा और पत्नी के भाई अनुराग पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने और पैसे की वसूली का गंभीर आरोप लगाया है। इसी वीडियो में आत्महत्या की पूरी वजह बताई थी। जिसके बाद यह केस देश का बहुचर्चित केस बन गया। इसके अलावा दिल्ली में पुनीता खुराना का मामला सामने आया है।

कर्नाटक सरकार अनुसूचित जातियों के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धः सिद्धरमैया

दावणगेरे। (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार अनुसूचित जातियों (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष या मुख्यमंत्री के बारे में कोई भी निर्णय पार्टी आलाकमान द्वारा लिया जाएगा और वह नेतृत्व के परामर्श से अपने मंत्रिमंडल में रिक्त पद को भरने का फैसला करेंगे। सिद्धरमैया ने यहां संवाददाताओं के एक सवाल पर कहा, 'उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि आंतरिक आरक्षण दिया जाना चाहिए, लेकिन जैसा कि कुछ लोगों ने कहा है कि इस संबंध में ठोस आंकड़ा नहीं है, इसलिए (न्यायमूर्ति) नागमोहन दास की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया गया है। हम आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

नवंबर में सरकार ने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एच एन नागमोहन दास को अनुसूचित जातियों (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण की सिफारिश करने के लिए एक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया था। अनुसूचित जातियों का एक वर्ग, विशेष रूप से 'एससी लेफ्ट', आंतरिक आरक्षण की मांग कर रहा है। उनका आरोप है कि केवल कुछ प्रभावशाली उपजातियां ही अधिकांश लाभ ले रही हैं, जबकि कई समुदाय अब भी हाशिए पर हैं।

एक अगस्त, 2024 को दिए गए एक ऐतिहासिक फैसले में, न्यायालय ने कहा था कि राज्यों को सामाजिक रूप से विषम वर्ग बनाने वाली अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, ताकि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी जातियों के उत्थान के लिए आरक्षण दिया जा सके। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष पद पर बदलाव के बारे में पूछे गए सवाल पर सिद्धरमैया ने कहा, ''यह आलाकमान द्वारा तय किया जाएगा। केपीसीसी अध्यक्ष, मुख्यमंत्री सब कुछ आलाकमान द्वारा तय किया जाता है।'' केपीसीसी के अध्यक्ष के रूप में चार साल पूरे कर चुके उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार वर्तमान में पद पर विस्तार पर हैं। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले में कथित रूप से शामिल होने के आरोप के बाद मंत्री बी नागेंद्र के इस्तीफे से मंत्रिमंडल में रिक्त हुए स्थान को भरने के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं आलाकमान से चर्चा करूंगा और उस रिक्त स्थान को भरूंगा।

बस्तर में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, चार नक्सली ढेर, एक जवान शहीद

बस्तर। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच एक बड़ी मुठभेड़ हुई, जिसमें चार नक्सली मारे गए, जबकि एक जवान शहीद हो गया। यह मुठभेड़ शनिवार शाम को नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर दक्षिण अबूझमाड़ के घने जंगलों में हुई। जानकारी अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद नारायणपुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव और बस्तर जिलों से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त टीम को ऑपरेशन पर भेजा गया। जवानों ने नदी-नालों को पार कर और पैदल कई किमी अंदर जंगल में प्रवेश किया। नक्सलियों ने जवानों को देखते ही गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए चार नक्सलियों को ढेर कर दिया। मुठभेड़ के दौरान डीआरजी के हेड कांस्टेबल सन्नू करम शहीद हो गए।

हथयार बरामद- घटना स्थल से सुरक्षाबलों ने चार नक्सलियों के शव के साथ ही एके-47, सेल्फ-लोडिंग राइफल (एसएलआर) और अन्य स्वचालित हथियार बरामद किए हैं। मुठभेड़ की जानकारी देते हुए नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि मुठभेड़ कई घंटों तक रुक-रुक कर जारी रही। अब भी इलाके में तलाशी अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों का यह अभियान नक्सलियों के खिलाफ जारी रहेगा। यह मुठभेड़ सुरक्षाबलों के साहस और बलिदान का प्रतीक है, जो हर परिस्थिति में देश की सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं।

जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा देश : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। पांच जनवरी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि पूरा देश जनजातीय संरक्षण के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने जनजातीय युवा संवाद कार्यक्रम-2025 के तहत रविवार को अपने सरकारी आवास पर ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश के युवाओं से संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने अपनी बातें रखीं और अपने राज्य की सांस्कृतिक झलक भी प्रस्तुत की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए देश पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। इसके लिए अनेक कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने 15 नवंबर की तिथि को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय दिवस) के रूप में घोषित की। योगी ने कहा कि स्वतंत्र भारत में पहली बार राष्ट्रपति पद पर जनजातीय महिला (द्रौपदी मुर्मू) भारत के गौरव को नयी ऊंचाई तक पहुंचाने में योगदान दे रही हैं। योगी ने कहा, 'उत्तर प्रदेश का ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से नजदीकी संबंध है।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। चित्रकूट में भगवान राम ने वनवास का सर्वाधिक समय यहीं व्यतीत किया। यह उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश का जंक्शन है। मां जानकी जनकपुर से हैं। यह बिहार व नेपाल के बीच में पड़ता है। झारखंड बाबा धाम के लिए जाना जाता है। ओडिशा जगन्नाथ भगवान का पावन धाम है। अपनी परंपरा, संस्कृति के प्रति गौरव की अनुभूति, श्रद्धा-सम्मान व देश के प्रति निष्ठा का भाव आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।'

महाराष्ट्र की आर्थिक हालत नाजुक, राजकोषीय घाटा 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा

पटना (एजेंसी)। मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र की आर्थिक हालत नाजुक दौर में चल रहा है। विपक्ष ने तो पहले ही दावा किया था कि राज्य की वित्तीय सेहत नाजुक है। लेकिन भाजपा महायुति के दिग्गजों ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह से झूठा करार दिया था। साथ ही यह भी दावा किया गया कि लडली बहिन योजना के मानदंड नहीं बदलेंगे, यह योजना अगले पांच वर्षों तक जारी रहेगी। लेकिन अब भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार (कैग) की एक रिपोर्ट ने राज्य के खजाने की पोल खोल दी है। दरअसल सीएजी ने राज्य सरकार की आर्थिक नीतियों पर गौर किया। लोक लुभावन वादे से सरकारी खजाने पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। सीएजी ने दावा किया है कि राजकोषीय घाटा 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। अतः जनकल्याणकारी योजनाओं के नियमों में कटौती करना या उनमें परिवर्तन करना सरकार के लिए दोहरी तलवार है। दूसरी ओर, मंत्री के बयान से संभावना जताई जा रही है कि इस वित्तीय अनुशासनहीनता का असर लाडली बहिन योजना पर भी पड़ेगा। खबर है कि सीएजी ने कहा है कि राज्य सरकार की वसूली और खर्च में कोई सामंजस्य नहीं है। सीएजी की रिपोर्ट में राज्य के खजाने पर वित्तीय दबाव को जिम्मेदार ठहराया गया है। रिपोर्ट में राज्य की वित्तीय अनुशासनहीनता पर चिंता जताई गई है। विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के वित्त विभाग ने राज्य की वित्तीय स्थिति पर नजर रखी थी। चर्चा रही कि विभाग ने उस वक्त राय दर्ज करायी थी कि लाडली बहन योजना के लिए राशि का बोझ नहीं होना चाहिए। लेकिन सत्ताधारी दल ने इन सभी प्रयासों को फर्जी खबर बताया और लाडली बहिन योजना के लिए धन आवंटित करते हुए राज्य का बजट पेश किया। लेकिन अब कैग रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि राजकोषीय घाटा 2 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। अब ये देखने वाली बात होगी कि राज्य सरकार राजकोषीय घाटा को कैसे कम करती है और लोक लुभावन वादे को पूरा कर पाती है या नहीं ?

कालकाजी की सड़कों को प्रियंका गांधी के गालों जैसा बना देंगे

– टिकैत ने कहा, किसानों की मांगें नहीं मानी गई तो आंदोलन के लिए रहेंगे तत्पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक बयानबाजी शुरु हो गई है। बीजेपी नेता और कालकाजी विधानसभा सीट से उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने एक विवादास्पद बयान दिया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें बिधूड़ी कह रहे हैं कि कालकाजी की सड़कों को प्रियंका गांधी के गालों जैसा बना देंगे। बता दें कि रमेश विधूड़ी अपने बयानों की वजह से हमेशा सुर्खियों में रहते हैं।

बीजेपी नेता बिधूड़ी का विवादास्पद बयान वायरल होने के बाद एक टीवी चैनल ने पूछा कि क्या आपने ये बयान दिया है कि कालकाजी की सड़कों को प्रियंका गांधी के गाल की तरह बना देंगे? इस पर बिधूड़ी ने कहा कि लालू यादव जी ने हेमा मालिनी के गाल की तरह बिहार की सड़कें बनाने की बात कही थी, अगर इनको आज इस बयान से दर्द हुआ है तो हेमा मालिनी जानी मानी हीरोइन रही हैं, जो समाज का दर्पण है। लेकिन लालू जी आज कांग्रेस के साथ गलबहियां कर रहे हैं, अगर वह बयान गलत थे को कांग्रेस उस पर भी बोले।

बिधूड़ी ने कहा कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा एंड कंपनी तलवे चाट कर राजनीति में यहां तक पहुंचे हैं, लोगों की सेवा करके नहीं पहुंचे। वह दलाली करके यहां पहुंचे हैं, तो पहले वह बोलें कि लालू यादव का बयान गलत है। बिधूड़ी के इस बयान पर सियासी पारा गरमा गया है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने बीजेपी और बिधूड़ी पर तीखा हमला बोला है।

कांग्रेस ने कहा कि बीजेपी घोर महिला विरोधी है, रमेश

बिधूड़ी का प्रियंका गांधी को लेकर दिया बयान शर्मनाक है। ये बयान महिलाओं के बारे में उनकी कुत्सित मानसिकता को दर्शाता है, कांग्रेस ने कहा कि जिस आदमी ने सदन में अपने साथी सांसद को गंदी गालियां दी हों और कोई सज़ा ना मिली हो उससे और क्या उम्मीद की जा सकती है? यही बीजेपी की असलियत और उसका चेहरा है। क्या इस घटिया भाषा और सोच पर बीजेपी की महिला नेत्रियां, महिला विकास मंत्री, जेपी नड्डा या खुद पीएम मोदी कुछ बोलेंगे?

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि महिला विरोधी घटिया भाषा और सोच के जनक खुद पीएम हैं, जो मंगलसूत्र और मुजरा जैसे शब्द बोलते हैं, तो उनके लोग और क्या-क्या नहीं बोलेंगे? इसके साथ ही कांग्रेस ने मांग की कि इस घटिया सोच के लिए बिधूड़ी को माफ़ी मांगनी चाहिए।

मैदानी इलाकों में शीतलहर ने जनजीवन को किया प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में शीतलहर ने जनजीवन को प्रभावित किया है। मौसम के कारण पुलों और बांधों जैसी महत्वपूर्ण संरचनाओं को नुकसान हो सकता है। इस प्रकार की स्थिति से आवाजाही में रुकावटें और जीवन के सामान्य प्रवाह में बाधाएं उत्पन्न होती हैं।

जब तापमान 4 डिग्री सेल्सियस या उससे कम हो जाता है, तो शीतलहर की स्थिति बनती है। बर्फबारी और ठंडी हवाओं के कारण कई जगहों पर परिवहन व्यवस्था प्रभावित हुई है, जिससे लोग और माल दोनों की आवाजाही में भारी मुश्किलें आ रही हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से इस मौसम में उतार-चढ़ाव देखे जा रहे हैं। समय से पहले बर्फ का पिघलना और कलियों का जल्दी खिलना जैसे दृश्य अब आम हो गए हैं, जो पर्यावरणीय असंतुलन को दर्शाते हैं। यह बदलाव वन्यजीवों के लिए खतरा पैदा कर रहा है, क्योंकि अत्यधिक बर्फबारी से पेड़-फूल और जंगल की आग की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

इसके अतिरिक्त, ठंड के मौसम में बर्फ पेड़ की शाखाओं पर बहुत अधिक दबाव डालती है, जिससे वे टूटकर गिर सकते हैं और महत्वपूर्ण उपकरणों जैसे ट्रांसफॉर्मर, पवनचक्कियां, सौर पैनल, और तेल-गैस पाइपलाइनों को भी नुकसान पहुंच सकता है। इससे ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है, जैसा कि 2021 में टेक्सास में हुआ था, जहां शीतलहर के कारण बिजली की आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई थी और लोगों को पीने का पानी भी नसीब नहीं हो रहा था। इसके अलावा, शीतलहर का विमानन उद्योग पर भी प्रभाव पड़ा है। बर्फबारी के कारण हवाई अड्डों के रनवे खतरनाक हो सकते हैं, और विमान के वॉटर सिस्टम में भी तकनीकी खराबी आ सकती है।

इससे एयरलाइनों के संचालन में देरी होती है और यात्रियों के लिए असुविधा पैदा होती है। बर्फ की जमी हुई परतें छतों और पाइपलाइने को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं, जो इमारतों के ढांचे के लिए खतरे का कारण बनती हैं। भारत में, 2006 के जनवरी महीने में सबसे सर्द दिन रिकॉर्ड किया गया था, जब दिल्ली का न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था इस दिन तेज उत्तर-पश्चिमी हवाएं चल रही थीं, जिससे ठंड का असर और बढ़ गया था आमतौर पर उत्तर भारत के राज्यों जैसे पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड शीतलहर से सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

आपत्ति दर्ज कराने सोशल मीडिया अकाउंट संबंधी ड्राफ्ट जारी

*** बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की कोशिश**

नई दिल्ली (एजेंसी)। बच्चों को सोशल मीडिया से दूरी बनाने के लिए सरकार ने एक ड्राफ्ट बनाया है, जिसे आम लोगों के लिए जारी किया गया है। इससे समझा जा रहा है कि अब 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया पर अकाउंट खोलने के लिए अपने माता-पिता की सहमति लेना होगा। इसके लिए केंद्र की मोदी सरकार ने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट (डीपीडीपी), 2023 के तहत नियमों का ड्राफ्ट तैयार किया है। इस ड्राफ्ट को अब आम लोगों के लिए जारी कर दिया गया है।

मंत्रालय ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने नोटिफिकेशन में कहा कि ड्राफ्ट को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं और सुझाव भी दे सकते हैं। लोगों की

आपत्तियों और सुझावों पर 18 फरवरी से विचार होगा। ड्राफ्ट में माता-पिता की सहमति लेने का सिस्टम भी बताया गया करीब डेढ़ साल पहले बिल को संसद से मंजूरी मिली थी। ड्राफ्ट के लिए जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 की धारा 40 की उपधारा 1 और 2 से तहत केंद्र को मिली शक्तियों के आधार पर नियमों का ड्राफ्ट जारी होगा। नियमों में माता-पिता की सहमति लेने का सिस्टम भी बताया गया है। साथ ही बताया गया है कि बच्चों के लिए किसी भी रूप में उनके डेटा का उपयोग करने के लिए माता-पिता की सहमति अनिवार्य है। एक्ट में पर्सनल डेटा इकट्ठा करने और उसका उपयोग करने वाली कंपनियों को डेटा फिड्युशरी कहा है। ड्राफ्ट के मुताबिक डेटा फिड्युशरी कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि बच्चों के किसी भी तरह के पर्सनल डेटा को प्रोसेस करने से पहले माता-पिता की सहमति ली जाए।

मनमोहन की नीतियों पर चल रहा चीन, मंदी से निपटने कर्मचारियों का बढ़ाया वेतन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अर्थव्यवस्था 2008 में बुरी तरह चरमरा गई थी। पूरा देश भारी चिंता में था। बढ़ते तनाम को देखते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जो रणनीतियां अपनाई थीं, उन्हीं नीतियों का अनुकरण अब चीन कर रहा है। चीन की अर्थव्यवस्था इस समय बड़े संकट में है। दुनिया की फैक्ट्री के रूप में मशहूर चीन को अपने उत्पाद बेचने के लिए बाजार नहीं मिल रहे हैं। यूरोप, अमेरिका, और कनाडा जैसे देशों के आंशिक प्रतिबंधों के कारण चीन की स्थिति और खराब हो गई है। ऐसे में शी जिनपिंग ने सरकारी कर्मचारियों की वेतन वृद्धि के जरिए चीन की अर्थव्यवस्था को संभालने की पहल की है।

विशेषज्ञों का मानना है कि मनमोहन सिंह की तरह शी जिनपिंग भी इस नीति के जरिए अर्थव्यवस्था को स्थिर करने की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, चीन की मौजूदा स्थिति और वैश्विक प्रतिबंधों को देखते हुए यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह नीति चीन के लिए उतनी ही प्रभावी साबित होगी जितनी भारत के लिए हुई थी। अब, चीन ने इसी तर्ज पर अपने लाखों सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में 300 से 500 युआन (करीब 3,300 से 5,600 रुपये) तक की वृद्धि का निर्णय लिया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, इस वेतन वृद्धि का लाभ सैनिकों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, और शिक्षकों सहित कई सरकारी कर्मचारियों को मिलेगा। बीजिंग स्थित एक अधिकारी ने पुष्टि की कि दिसंबर के अंतिम सप्ताह में उन्हें वेतन वृद्धि की औपचारिक सूचना दी गई थी। चीन की इस नीति का उद्देश्य कर्मचारियों की खरीदारी शक्ति को बढ़ाना और बाजार में मांग पैदा करना है। चीन के लिए यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की संभावित वापसी से ट्रेड वार फिर से छिड़ने की आशंका है। इस स्थिति में, शी जिनपिंग की यह रणनीति मंदी से उबरने का एक प्रयास है।

भारत में मजबूत हुआ था बाजार

2008 की वैश्विक मंदी के दौरान, मनमोहन सिंह ने छठे वेतन आयोग को लागू करके सरकारी कर्मचारियों की क्रय शक्ति बढ़ाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया था। यह कदम भारतीय बाजार में जान डालने का एक कारगर तरीका साबित हुआ। सरकारी कर्मचारियों की वेतन में 7,000 रुपये तक की वृद्धि ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को बेहतर किया, बल्कि बाजार में तैयार माल की खपत बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को भी पुनर्जीवित किया।